विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

वर्ष 72 अंक 327 पृष्ठ 12
रीवा, सोमवार 25 अगस्त, 2025
भाद्रपद शुक्ल पक्ष 02, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

www.dainikjagranmpcg.com

एक हजार मील सफलता की यात्रा की शुरुआत भी एक कदम से ही होती है। -लाओ त्सू

ऑफ बीट

गार्बेज कैफे में कचरे के बदले मिलता है खाना

साल 2022 में सरकार द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के उत्पादन से लेकर इस्तेमाल तक पर रोक लगा दी गई क्योंकि यह पर्यावरण के लिए नुकसानदायक है, लेकिन इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए साल 2019 में छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में एक अनोखा कैफे खोला गया। इसमें लोगों को पैसे नहीं, बल्कि प्लास्टिक कचरे के बदले पेट भर खाना मिलता है। अनोखे रेस्टोरेंट का नाम गार्बेज कैफे है, जिसका उद्देश्य प्रदूषण को कम करना और भूख की समस्या को दूर करना है। कैफे अंबिकापुर नगर निगम द्वारा संचालित है,इसको चलाने वाले विनोद कुमार पटेल ने बताया, यहां १ किलो कचरे के बदले चावल, २ सब्जियां, दाल, रोटी, सलाद और अचार वाली थाली मिलती है।

ट्रंप टैरिफ के खिलाफ भारत को मिला यूरोप का साथ

अब यूरोपीय देशों ने भी रोकी अमेरिका के लिए डाक सेवा

भारत के बाद ब्रिटेन, जर्मनी फ्रांस, इटली, नीदरलैंड और ऑस्ट्रिया ने सस्पेंड की सर्विस

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच यूरोपीय देशों का भारत को साथ मिला है। भारत के बाद कई यूरोपीय देशों ने भी अमेरिका के लिए डाक सेवाएं सस्पेंड कर दी हैं। इनमें इटली, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, ऑस्ट्रिया समेत कई देश शामिल हैं। सर्विस सस्पेंड होने की वजह डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ नियम हैं।

दरअसल, ट्रंप प्रशासन ने 30 जुलाई को आदेश जारी किया था, जिसमें 800 डॉलर (70 हजार रुपए) तक के सामान पर टैरिफ छूट को खत्म कर दिया था। यह छूट 29 अगस्त से खत्म हो रही है। यूरोपियन डाक संगठन पोस्ट यूरोप और दूसरे डाक विभागों के मुताबिक नए नियमों पर अब तक साफ जानकारी नहीं दी गई है, इसलिए फिलहाल डाक से सामान भेजने की सेवाएं रोकी जा रही हैं। भारत के संचार मंत्रालय के मुताबिक, अमेरिका की टैरिफ लागू करने और वसूलने की प्रक्रिया साफ नहीं है, इसलिए भारत में अमेरिका के लिए डाक सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित रहेगी। भारतीय डाक विभाग 25 अगस्त से अमेरिका के लिए ज्यादातर डाक सामानों की बुकिंग सस्पेंड कर देगा। फिलहाल ये फैसला अस्थायी रूप से लागू होगा। वहीं, जर्मनी की डॉयचे पोस्ट ने कहा, निजी और व्यवसायी ग्राहकों के लिए पार्सल भेजने पर अस्थायी रोक लगाई गई है। इटली के पोस्ट ने 23 अगस्त से इस सेवा पर रोक लगा दी है। हालांकि, यहां से सामान्य पत्र भेजे जा सकते हैं। दूसरी तरफ ब्रिटेन की रॉयल मेल सर्विस ने अमेरिका भेजे जाने वाले सभी पैकेज रोक दिए हैं। 100 डॉलर से अधिक कीमती सामान पर 10 फीसदी शुल्क लगेगा। फ्रांस, नीदरलैंड ने भी टैरिफ वसूली व्यवस्था साफ नहीं होने से इसे रोक दिया है। ऑस्ट्रिया ने भी अमेरिका के लिए कॉमर्शियल शिपमेंट स्वीकार किए थे। इसके बाद रोक लगा दी थी।

क्यों बंद हो रही पोस्टल सर्विस

अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने 30 जुलाई को एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर (नंबर 14324) जारी किया, जिसके तहत 800 डॉलर (करीब 70 हजार रुपए) तक की कीमत वाले सामान पर दी जाने वाली ड्यूटी-फ्री छूट को 29 अगस्त 2025 से खत्म कर दिया जाएगा। इसके बाद अमेरिका जाने वाले सभी डाक सामान, चाहे उनकी कीमत कितनी भी हो, उन पर कस्टम ड्यूटी लगेगी। ये ड्यूटी देश-विशेष इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट (आईईईपी) टैरिफ स्ट्रक्चर के हिसाब से होगी। इस वजह से डाक विभाग ने 25 अगस्त से अमेरिका के लिए ज्यादातर डाक सेवाएं टेम्परेरी तौर पर बंद करने का फैसला किया है।

पहले से भेजे गए डाक होंगे वापस

अगर किसी ने पहले से डाक सामान बुक किया है और अब उसे अमेरिका नहीं भेजा जा सकता, तो वो डाक पेमेंट की वापसी के लिए आवेदन कर सकते हैं। डाक विभाग ने ग्राहकों को होने वाली असुविधा के लिए खेद जताया और भरोसा दिया है कि वो जल्द से जल्द पूरी सेवाएं बहाल करने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहा है।

रोक कब तक, फिलहाल तय नहीं

यह सस्पेंशन अस्थायी है, लेकिन डाक विभाग ने ये नहीं बताया कि ये कब तक चलेगा। वो स्थिति पर नजर रख रहा है और जैसे ही अमेरिका से साफ दिशा-निर्देश मिलेंगे, सेवाएं फिर से शुरू करने की कोशिश की जाएगी।

भारत पर 50% टैरिफ 27 से लागू

भारत से अमेरिका भेजने वाले सामानों पर 7 अगस्त से 25 फीसदी टैरिफ लागू है। 25 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा। अभी भारतीय सामानों पर 10 फीसदी टैरिफ लगता था। नए टैरिफ लगने से भारतीय सामान अमेरिकी में महंगे हो जाएंगे। माना जा रहा है कि टैरिफ से अमेरिका को होने वाले निर्यात में 40-50 फीसदी की कमी आ सकती है।

रोजगार से जुड़ने पर लाड़ली बहनों को हर माह 5 हजार रु.

सीएम यादव बोले-लघु उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की समृद्धि केवल भोपाल, इंदौर तक सीमित नहीं रहेगी। छोटे जिलों में भी उद्योगों के जरिए विकास किया जाएगा। लाड़ली बहनें यदि उद्योगों में काम करती हैं, तो उन्हें 1500 के अतिरिक्त सरकार 5 हजार रुपए देगी। उन्होंने कहा, लघु उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था की रीड हैं। सीएम डॉ. यादव रविवार को गोविंदपुरा में लघु उद्योग भारती के प्रदेश कार्यालय के लोकार्पण कार्यक्रम में बोल रहे थे।

डॉ. यादव ने कहा, सरकार लाड़ली बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना चाहती है। दीपावली के बाद भाईदूज से लाड़ली बहनों को 1500 रुपए प्रतिमाह दिया जाएगा, लेकिन यदि लाड़ली बहनें उद्योगों में काम करेगी, तो उन्हें 5 हजार हर माह मिलेंगे, ताकि वो रोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकें, उन्हें पता है कि बहनों के लिए 1500 या 3000 रुपए पर्याप्त नहीं है। बहनों को रोजगार परक इकाईयों में काम मिलेगा। ऐसे में यदि उद्योगपति या नियोक्ता उन्हें 8 हजार रुपए ही देते हैं, तो बहनों को हर माह 12 से 13 हजार रुपए मिलेंगे, इससे उन्हें परेशानियों से भी राहत मिलेगी। डॉ. यादव ने कहा, उद्योगों के हित में ही राष्ट्र का हित निहित है। सीमित संसाधनों का समुचित उपयोग कर हम इन उद्योगों के विकास की ओर बढ़ रहे हैं। हम उद्योगों को विस्तार देने के लिए उद्योगपतियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे।

डबल मॉर्टगेज से छोटे उद्योगों को भी मिलेगी मुक्ति

डॉ. यादव ने घोषणा की कि किसी भी प्रकार का संस्थागत या बैंक लोन चुकता होते ही संबंधित बंधक संपत्ति मॉर्टगेज या डबल मॉर्टगेज से मुक्त हो जाएगी। इसका लाभ हम सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम उद्योगों को भी देंगे। उन्होंने कहा, प्रदेश में लघु उद्योगों की स्थापना और इससे जुड़ी सभी कठिनाइयों का समुचित हल भी निकाला जाएगा। हम प्रदेश में रिसर्च वर्क को बढ़ावा देने के लिए आगे आ रहे हैं। हमारी सरकार लघु उद्योगों के साथ हमेशा साथ खड़ी है। लघु उद्योग भारती से जुड़े लघु उद्योगपति केवल मुनाफे के लिए काम नहीं करते, गौरव, परंपरा और नवाचार को बढ़ावा देते हैं। आप हर छोटे उद्यमी की आवाज बन रहे हैं।

लघु उद्योगों की सुरक्षा जरूरीः कृष्ण गोपाल

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित रहे। उन्होंने कहा, लघु उद्योग की सुरक्षा जरूरी है। यह लोगों को रोजगार देते हैं। इस मायने में लघु उद्योग हमारे देश की सामाजिक संरचना के संरक्षक भी हैं। बड़े उद्योगों के सामने बने रहना इनके लिए एक बड़ी चुनौती होती जा रही है। लघु उद्योग सिर्फ भारत में नहीं, पूरे विश्व में संकट में हैं। हमें फिर स्वदेशी भाव से जोड़ना होगा। उन्होंने बताया कि लघु उद्योग भारती ने प्रदेश के पांच आईटीआई को मॉडल आईटीआई के रूप में डेवलप कर दिया है। इस मौके पर मंत्री चैतन्य काश्यप, विश्वास सारंग, कृष्णा गौर भी मौजूद रहीं।

संक्षिप्त खबरें

फिर ठप हुई एयरटेल की सर्विसेज, यूजर्स हुए परेशान

नई दिल्ली, जेएनएन। एयरटेल की सर्विसेज देशभर में एक बार फिर डाउन हो गई हैं। लोग न वॉयस कॉलिंग कर पा रहे हैं और न ही इंटरनेट चला पा रहे हैं। घरों में लगे ब्रॉडबैंड भी अचानक बंद हो गए, जिससे लोगों को काम करने में समस्या का सामना करना पड़ा। देश के कई इलाकों के यूजर्स इस आउटेज से प्रभावित हुए हैं। हजारों ग्राहकों ने कॉलिंग और इंटरनेट सर्विसेज में समस्या की शिकायत की है। कई ग्राहकों ने कॉल ड्रॉप, सिग्नल की समस्या और यहां तक कि पूरी तरह से नेटवर्क ब्लैकआउट की भी शिकायत की। यह एक हफ्ते के भीतर दूसरी बार एयरटेल की सर्विसेज ठप हुई है। आउटेज ट्रैक करने वाली वेबसाइट डाउनडिटेक्टर ने बताया कि कनेक्टिविटी संबंधी समस्याओं की रिपोर्ट सुबह लगभग 10.44 बजे शुरू हुई और दोपहर 12.14 बजे पीक पर पहुंच गई, जिससे 7,000 से ज्यादा यूजर्स कॉल या इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं कर पाए।

1988 बैच के अनीश दयाल डिप्टी एनएसए

नई दिल्ली, जेएनएन। सीआरपीएफ और आईटीबीपी के पूर्व डीजी अनीश दयाल सिंह को डिप्टी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) नियुक्त किया गया है। इन्हें आंतरिक मामलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मणिपुर कैडर के 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी सिंह 31 दिसंबर 2024 को सीआरपीएफ (डीजी) के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। इस नियुक्ति को एनएसए अजित डोभाल की टीम को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उप्र के प्रयागराज में 1964 में जन्मे अनीश दयाल सिंह ने करियर में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। इससे पहले वे इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस, सशस्त्र सीमा बल के डीजी के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। सीआरपीएफ डीजी के रूप में जम्मू-कश्मीर में आतंक विरोधी अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में योगदान दिया।

गुजरात में सीरियाई नागरिक गिरफ्तार

अहमदाबाद, जेएनएन। गुजरात के अहमदाबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले क्राइम ब्रांच ने शनिवार को एलिसब्रिज रीगल होटल से एक सीरियाई नागरिक को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान 23 साल के अली मेघात अल-अजहर के रूप में की गई है। क्राइम ब्रांच के जाइंट पुलिस कमिश्नर ने बताया कि अली के पास से 3600 अमेरिकी डॉलर और 25 हजार भारतीय कैश मिला है। उसके शरीर पर गोलियों सहित चोट के कई निशान पाए गए हैं। उसके मोबाइल में गाजा में भुखमरी और वहां के लोगों पर हो रहे अत्याचार के वीडियो भी मिले हैं। पुलिस के मुताबिक, अली अपने 3 साथियों के साथ गाजा पीड़ितों के नाम पर मस्जिदों और दूसरे जगहों से फंड जुटाता था। फिर उन पैसों से लग्जरी लाइफस्टाइल जीते थे। अन्य 3 सीरियाई नागरिक फरार हैं। पुलिस को शक है कि वे किसी खास मकसद से अहमदाबाद में रेकी करने आए थे।

एसबीआई के बाद बीओआई से भी अनिल फ्रॉड घोषित

700 करोड़ के लोन गड़बड़ी मामले में कार्रवाई

नई दिल्ली, जेएनएन। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के बाद अब बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने भी कर्ज में डूबी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और इसके पूर्व निदेशक अनिल अंबानी के खाते को 'फ्रॉड' घोषित कर दिया है। बैंक ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने साल 2016 में लिए गए लोन में गड़बड़ी और फंड डायवर्जन किया था। बैंक ऑफ इंडिया ने अगस्त 2016 में आरकॉम को 700 करोड़ का कर्ज दिया था। इसमें से अक्टूबर 2016 में जारी की गई आधी राशि को कंपनी ने फिक्स्ड डिपॉजिट में डाल दिया, जबकि यह लोन की शर्तों के खिलाफ था। आरकॉम ने स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा कि 22 अगस्त को उसे बैंक ऑफ इंडिया का पत्र मिला, जिसमें कंपनी, अनिल धीरजलाल अंबानी (पूर्व निदेशक) और मंजरी अशोक कक्कर (पूर्व निदेशक) के खाते को 'फ्रॉड' घोषित करने का फैसला बताया गया। इससे पहले जून में एसबीआई ने भी आरकॉम, अनिल अंबानी के खाते को धोखाधड़ी वाला करार दिया था और फंड के दुरुपयोग का आरोप लगाया था।

724.8 करोड़ बकाया

एसबीआई का कहना है कि फंड में गड़बड़ी के कारण बैंक को 2,929 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं, बैंक ऑफ इंडिया का कहना है कि आरकॉम का खाता 30 जून 2017 को एनपीए हो गया था, जिसमें 724.78 करोड़ रुपए बकाया हैं।

अंबानी के प्रवक्ता ने आरोप खारिज किए

अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा, यह मामला 10 साल से ज्यादा पुराना है और उस समय अंबानी गैर-कार्यकारी निदेशक थे, जिनका कंपनी के दैनिक संचालन से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि अंबानी को 'जानबूझकर निशाना बनाया गया है।' आरकॉम ने बताया कि इसकी सहयोगी कंपनी रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड को भी बैंक ऑफ इंडिया ने इसी तरह का नोटिस जारी किया है। फिलहाल आरकॉम 40,400 करोड़ रुपये के कुल कर्ज में डूबी हुई है और कंपनी के मामलों को दिवालिया प्रक्रिया के तहत ऋणदाताओं की समिति और रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल देख रहे हैं।

एनटीपीसी बांसवाड़ा में लगाएगी न्यूक्लियर पावर प्लांट

नई दिल्ली, जेएनएन। बिजली बनाने वाली सरकारी कंपनी एनटीपीसी अगले महीने राजस्थान के बांसवाड़ा में 2,800 मेगावाट क्षमता वाली न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट की आधारशिला रखेगी। यह कदम कंपनी के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश का प्रतीक है। परियोजना में चार प्रेशराइज्ड हेवी वॉटर रिएक्टर होंगे, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 700 मेगावाट होगी। चेयरमैन और एमडी गुरदीप सिंह ने ब्लूमबर्ग समिट में कहा, हमने निर्णय लिया है कि हम परमाणु ऊर्जा में बहुत आक्रामक कदम उठाएंगे। लक्ष्य 2047 तक 30 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता जोड़ने का है। एनपीसीआईएल के साथ चल रही परियोजना की आधारशिला अगले महीने रखी जाएगी। प्रक्रिया बहुत नजदीक है।

जेसीबी के बकेट में लेटाकर प्रसूता को पार कराया पुल, खड़ी रही एंबुलेंस

जागरण, पन्ना। जेसीबी यानी आम आदमी की भाषा में बुलडोजर, जिसे तोड़फोड़ का प्रतीक माना जाता है। मगर यह केवल मिटाती नहीं है, बल्कि जन्म देने में भी काम आ सकती है। अपनी पहचान से अलग जेसीबी का ऐसा ही इस्तेमाल रविवार को पन्ना जिले के धरमपुर क्षेत्र के दुर्गापुर गांव में सामने आया। जब एक प्रसूता और उसके परिवार को दुविधा की स्थिति से बाहर निकालने का काम जेसीबी ने किया।

एंबुलेंस पुल के उस पार आकर खड़ी हो गई। स्टाफ पुल को पार करने को तैयार नहीं था। दूसरी तरफ महिला की प्रसव पीड़ा बढ़ती जा रही थी। पुल पर पानी होने से उसे पार करने कोई वाहन नहीं मिल रहा था। ग्राम पंचायत दुर्गापुर के सरपंच और भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष कौशल किशोर लोधी को सूचना दी गई। सरपंच ने तुरंत जेसीबी मंगवाई। प्रसूता को जेसीबी के बकेट में लेटाया गया। परिवार की दो अन्य महिलाएं भी इसी लोहे के पंजे में बैठ गईं। ग्राम पुखरा निवासी महिला पुष्पा का पति राम सिंह लोधी भी सुरक्षा के लिए उसी पंजे में खड़ा हो गया।

जेसीबी की बकेट में बैठाकर परिवार को नाला पार कराकर एंबुलेंस तक पहुंचाया गया, जहां से प्रसूता को लेकर अजयगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए रवाना हुए। पयारी-सिद्धपुर रोड पर स्थित दुर्गापुर का नाला इतना उफान पर था कि पुल के ऊपर से पानी बह रहा था।

चेतेश्वर पुजारा ने भारतीय क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाजों में से एक चेतेश्वर पुजारा ने करियर को अलविदा कह दिया। 37 वर्षीय पुजारा ने भारत के लिए आखिरी बार जून-2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल में खेला था। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया हैंडल पर संन्यास की घोषणा की। पुजारा ने लिखा, भारतीय जर्सी पहनना, राष्ट्रगान गाना और हर बार मैदान पर कदम रखते हुए सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करना-इसका असली मतलब शब्दों में बयां करना नामुमकिन है, लेकिन जैसा कि कहते हैं, हर अच्छी चीज का अंत होना ही चाहिए, और अपार कृतज्ञता के साथ मैंने भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का फैसला किया है। आपके प्यार और समर्थन के लिए शुक्रिया!

(पेज 11 भी देखें)

दो दिवसीय प्रवास पर आज जबलपुर आएंगे नड्डा

विशेष संवाददाता, भोपाल। भाजपा अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा 25 अगस्त को जबलपुर प्रवास के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। दोपहर 12.45 बजे संभागीय कार्यालय में बैठक को संबोधित करेंगे। 3.10 बजे नेताजी सुभाषचंद्र बोस सांस्कृतिक, सूचना केंद्र में पीपीपी मॉडल पर आधारित 4 नए शासकीय मेडिकल कॉलेजों के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगे एवं श्योपुर व सिंगरौली के शासकीय मेडिकल कॉलेजों का उद्घाटन करेंगे। 6.30 बजे ग्वारी घाट पर मां नर्मदा आरती के बाद रात्रि विश्राम करेंगे। नड्डा 26 अगस्त को दोपहर 3 बजे दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

रिटायर्ड डीएसपी को पत्नी और बेटों ने किया कैद, जिंदगीभर की कमाई छीनी

रस्सी से बांधकर घसीटा, छाती पर बैठकर छीना एटीएम और मोबाइल

जागरण, शिवपुरी। कभी समाज की रक्षा के लिए वर्दी पहनने वाला पुलिस अधिकारी आज अपने ही घर वालों से न्याय की भीख मांग रहा है। प्रदेश के शिवपुरी जिले के भौंती थाना क्षेत्र के चंदावनी गांव में रिटायर्ड डीएसपी प्रतिपाल सिंह यादव के साथ पत्नी, बेटों ने ऐसा अमानवीय व्यवहार किया, जिसने रिश्तों को शर्मसार कर दिया। पत्नी और बेटों ने उन्हें रस्सी से बांधकर जमीन पर घसीटा। एक बेटा सीने पर बैठ गया, दूसरा पैरों को खींचता रहा। पत्नी ने मोबाइल और एटीएम कार्ड छीन लिया।

शोर सुनकर जब पड़ोसी आए, तो तीनों भाग निकले।

प्रतिपाल सिंह ने थाने में आवेदन देकर मोबाइल और एटीएम वापस दिलाने की गुहार लगाई है। हालांकि, एफआईआर दर्ज नहीं कराई। कारण पूछे जाने पर उनकी आवाज भर्रा गई कि बेटों का भविष्य खराब नहीं करना चाहता। बड़े को 5 लाख, छोटे को 15 लाख देने का वादा किया था। बेटी की शादी करनी है, इसलिए चुप रहना ही बेहतर समझा।

मालूम हो कि बीते 31 मार्च को ही श्योपुर जिले की महिला सेल से डीएसपी पद से रिटायर हुए प्रतिपाल अब गांव में अकेले रह रहे हैं। पत्नी माया यादव दोनों बेटों के साथ झांसी में रहती है, जबकि बेटी गोरखपुर में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है।

उड़ान — पैराशूट की मदद से अंतरिक्ष यान की गति कम करने आजमाई तकनीक

गगनयान के लिए पहला हवाई ड्रॉप टेस्ट सफल

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गगनयान मिशन के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। इसरो की ओर से पहला हवाई ड्रॉप टेस्ट (आईएडीटी-01) पूरी तरह सफल रहा, जिसमें पैराशूट की मदद से अंतरिक्षयान की गति कम करने की तकनीक को आजमाया गया। इस टेस्ट में भारतीय वायु सेना, डीआरडीओ, नौसेना और तटरक्षक बल ने भी मदद की। इसरो ने सोशल मीडिया पर बताया कि यह टेस्ट कई संगठनों के सहयोग से पूरा हुआ।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि गगनयान मिशन के लिए रॉकेट (एचएलवीएम3) का निर्माण और जमीन पर टेस्ट पूरा हो चुका है। अंतरिक्ष यान के क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल के इंजन बनाए और टेस्ट किए जा चुके हैं। क्रू को बचाने के लिए 5 तरह के मोटर तैयार किए गए और उनका टेस्ट भी हो गया। साथ ही मिशन के लिए कई सुविधाएं जैसे तैयारी केंद्र, नियंत्रण कक्ष, क्रू ट्रेनिंग सेंटर और नया लॉन्च पैड बनाया गया है। पहले बिना इंसान वाले मिशन (जी-1) के लिए क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल तैयार हैं और उनकी शुरुआती जांच पूरी हो चुकी है। क्रू को वापस लाने के लिए उपकरण और योजना भी तैयार है।

भारत को मजबूत अंतरिक्ष शक्ति बनाना लक्ष्य

गगनयान मिशन का लक्ष्य भारत को एक मजबूत अंतरिक्ष शक्ति बनाना है, जो विकसित भारत के सपने को पूरा करने में मदद करेगा। इसके बाद, भारत 2035 तक अपना अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) बनाएगा और 2040 तक चंद्रमा पर भारतीय को उतारेगा। अंतरिक्ष स्टेशन के लिए पांच हिस्सों की योजना है, जिसमें पहले हिस्से को बनाने की मंजूरी मिल चुकी है। चंद्रमा मिशन के लिए रॉकेट और अन्य सिस्टम की योजना शुरू हो गई है। क्रू का प्रशिक्षण भी गगनयान और चंद्रमा मिशन के लिए सही समय पर चल रहा है।

महाराष्ट्र, केरल में केंद्रीय कर्मियों को एडवांस सैलरी

डीए के ऐलान से पहले त्योहारों के पूर्व वेतन

नई दिल्ली, जेएनएन। त्योहारों से पहले केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र और केरल के लाखों केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को बड़ी राहत दी है। वित्त मंत्रालय ने आदेश जारी कर अगस्त 2025 की सैलरी और पेंशन एडवांस में देने का फैसला किया है। इसका फायदा रक्षा, डाक विभाग, टेलीकॉम और औद्योगिक कर्मचारियों समेत सभी पेंशनर्स को मिलेगा। सरकार ने कहा, महाराष्ट्र में तैनात सभी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों (रक्षा, डाक और दूरसंचार विभाग भी) को अगस्त का वेतन 26 अगस्त 2025 (मंगलवार) को ही दे दिया जाएगा। वहीं, औद्योगिक कर्मचारियों को 16 अगस्त को ही अग्रिम मजदूरी दी जाएगी। इसी तरह, महाराष्ट्र में रहने वाले केंद्रीय पेंशनभोगियों को भी अगस्त माह की पेंशन 26 अगस्त को ही बैंकों और पे-एंड-एकाउंट ऑफिस (पीओएएस) के माध्यम से जारी की जाएगी। वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह भुगतान एडवांस में किया जा रहा है और इसे अगस्त महीने की सैलरी/पेंशन का हिस्सा मानकर बाद में एडजस्ट किया जाएगा।

पेंशनर्स को भी एडवांस

केरल के कर्मचारियों और पेंशनर्स को भी अगस्त की सैलरी एडवांस में दी जाएगी। 21 अगस्त को जारी आदेश के अनुसार, उन्हें 25 अगस्त 2025 को भुगतान किया जाएगा। यह कदम ओणम पर्व से पहले उठाया गया है, जो 4 और 5 सितंबर को मनाया जाएगा।

साहित्य सृजन

कसिके कहि देई हम आजाद हैन

काल्हि गोरन से आजु उज्जर गोरन से बरबाद हैन।
कसिके कहि देई के हम आजाद हैन।
सही मतलब मा ओये पाये हमा आजादी।
पहिरे देखात हमा जे लकलकात खादी।
सुविधा सलगी ओनहिन का ओनहिन का गादी।
जनता का लुआठ ठेंगाइ के काटि रहें चांदी।
ऊ होइगें यूरिया कस मंहग हम पाच सरी खाद हैन।
कसिके कहि देई के हम आजाद हैन।
पहिले हक्क ऐसे नहीं पायेन के सासन बिदेसी के रहा।
पइ आजु ता ई सुदेसी नटई मा गड़ाये परे हमा नहा।
ई ता कमाय के धइ लिहिन ऐनखे सात पीढ़ीन का लहा।
बलिदानिन के खून लागत हइ सेंतइ का हबइ बहा।
ऐनखर लरिका नाती सब पाइगें हम केखे बाद हैन।
कसिके कहि देइके हम आजाद हैन। ।
अंगरेज अपने जुलमन से पाटि देत रहें हमा कुंआ।
पइ ई देसी बाले कुकरमन से झंकाइ देत हमा कुंआ।
बारि के झोपरी गरीब के देखत हमा ई धुंआ।
चूसे परे हमा हमही पचेन का जइसे चीलर अउ जुंआ।।
कोउ नहीं देखइया हम पचे भूली बिसरी याद हैन ।।
कसिके कहि देईके हम आजाद हैन।

● उमेश मिश्र 'बिहान'

केउटी के जलप्रपात

सावन केर परी बेउछार, शुरू होय लागे तेउहार।
अइतवार का चलन चार जन, घूमै केउटी के कूँड़ा।
मेडम कहिन कि हमहू चलबै, क्रीम पाउडर सबै
लगाइन, बांधिन बाल मा जूड़ा।
तीन तयार भई फटफटिया, सफर म जाय के खातिर।
बैकुंठपुर पहुंचे नहीं पायन, होइगा पंचर टायर आखिर।
एतने माही बरसै लाग, खूब हुमक्के पानी।
थकि गैन दुई चका कढ़ेलत, याद आयि गयि नानी।
थोड़िन देर में पहुंचन जाय, पंचर केर दुकाने।
दसै मिनट मां पंचर बनिगा, बइठि के सब सुस्ताने।
एक बजे तक केउटी पहुंचन, निकहा दिखन नजारा।
गिरै हर हराय के पानी, ऊपर परै फुहारा।
मेडम कहिन चला लइ लेई, दुई चार ठे सेल्फी।
कंघी करिन दुबारा मूड़े, अउर बनाइन जुल्फी।
स्टेटस मोबाइल म, जल्दी से लगाइन।
बीडियो काल करिन भउजी का, सुन्दर सीन देखाइन।
जलप्रपात रीवा के शान है, पुरवा, केउटी अउर चचाई।
मानवजी कहि रहे हैं सबसे, इया धरोहर का बचाई ।।

● कमलेन्द्र कुमार 'मानव', शिक्षक रीवा

वंदन तिरंगे को

स्वाधीन गगन में लहराए, भारत का प्यारा तिरंगा।
हर रंग में बसी कहानी, बलिदानों का अमर तराना।
केसरिया कहे वीरों की गाथा, श्वेत रंग दे शांति का संदेश।
हरित में महके सपनों की बगिया, जहाँ हो खुशहाली का परिवेश।
गूँज उठे हर गाँव-नगर, 'जय हिंद' की हो गूँज सुनहरी।
हम न भूलें उन वीरों को, जिन्होंने मिट्टी की खातिर जान गंवाई।
आओ मिलकर प्रण ये लें, भारत को और ऊँचाई दें।
सत्य, साहस और एकता से, विश्व में भारत का मान बढ़ाएँ।
जय हिंद

● शिवानी चतुर्वेदी 'रेखा'

हिंदुस्तान तिरंगे को नमन है

सर्व प्रथम हिंदी हिन्दुस्तान तिरंगे को नमन है।
वीरों की गौरव गाथा व मां शारदे को नमन है।
मतवाले भगत सिंह श्री सुखदेव को नमन है।
आजाद चन्द्रशेखर राज गुरु भारती झंडे नमन है।
रानी लक्ष्मीबाई के साहस व वीरता को नमन है।
महात्मा गांधी जी के सहन शीलता को नमन है।
वतन पर हुए कुर्बान मां के हर लाल को नमन है।
सबके पाप हर तारने वाली गंगा मईया को नमन है।
वीर महराणा प्रताप और योद्धा चेतक को नमन है
कवि चंद्रवरदाई पृथ्वी राज चौहान को नमन है
वतन के लिए अपना कतरा कतरा बहा देने वाले
हिंद के वीर सैनिक वा उनके निर्देशक को नमन है।
जम्बूदीप आर्यावर्त भारतवर्ष हिंदुस्तान को नमन है
तिरंगे के तीन रंग वा अशोक चक्र को नमन है
राम प्रसाद बिस्मिल वा खुदीराम बोस को नमन है
भारत की नारी शक्ति वा उनके सम्मान को नमन है
देश पे मिट जानेवाले वाले हर बंदे को नमन है।

● पंडित रावेंद्र तिवारी 'राज', पताई रीवा

एक माँ है

एक माँ है घर मे जो दे रही दुआएँ मुझे,
दूजी माँ की आरती मैं आज यहीं गाऊँगा।
एक माँ पे संकट है दूजी माँ बुला रही है,
दोनों माँ की देखभाल कैसे कर पाऊँगा ?
दोनों माँ के कोख की है इज्जत बचानी आज।
दोनों माँ से किया वादा आज मै निभाऊँगा।
चोटी पे तिरंगा गाड़ एक माँ की लाज बची,
दूजी माँ के पास मैं तिरंगा ओढ़ जाऊँगा।।

● अमित शुक्ला, रीवा

मेरा बेटा सिपाही बना

मेरा बेटा बना सिपाही बड़े गर्व से कहती हूं।
डटकर सीमा पर लड़ता है दुःख को नित सहती हूं।
मेरी ममता हरदम बेटा तुमको हिम्मत भर देगी।
राष्ट्र के मान, शान की शोभा नित वीरों से बढ़ती है।
बेटा जब भी आना वर्दी तानकर तुमको गले लगाऊंगी।
अपने लहू का एक एक कतरा देश पर अर्पण कर
जाऊंगी।
माटी का कर्ज चुकाना बेटा नित अभिमान से कहती हूं।
सीमा पर छिड़े युद्ध को सुनकर छुपकर दर्द को सहती हूं।
आने की आस लगाकर द्वार पर बैठी रहती हूं।
मेरा बेटा चांद सा प्यारा बड़े गर्व से कहती हूं।
बेटा के खातिर अब तक चूल्हे मे रोटी बनाती हूं।
दरवाजे पर आता कोई बस आने की आस लगाती हूं।
दुश्मन तुम पर वार न करे सोचकर घबराती हूं।
बेटा मेरा सरहद पर है,बड़े गर्व से कहती हूं।।

● प्रीतम शुक्ल, सीधी

कान खोलकर सुन लो

लोकतंत्र की हत्या का, षडयंत्र रचाने वालों।
कान खोलकर सुन लेना, और, अधिक अब नहीं चलेगा।
सत्ता कितनी भी बर्बर हो, अंत सुनिश्चित होगा।
मर्यादा का चीर हरण हो, कौन देखना चाहेगा।
यह, प्रश्न आज प्रासंगिक है, बर्बरता से टकराने का।
साहस कौन करेगा।
अंग्रेजी सत्ता की बर्बरता का, हम आज भी रोना रोते हैं।
आजाद, बोस, गाँधी, बिस्मिल, अशफ़ाक उल्ला कुर्बान हुए।
आज नहीं तो कल, सब को, बर्बरता से टकराना होगा।
लोकतंत्र की मर्यादा का, चीरहरण न होने देंगे।
लोकतंत्र की हत्या का, षड़यंत्र रचाने वालों।
कान खोलकर सुन लेना, और,अधिक अब नहीं चलेगा।
लोहिया के वंशज, लोकतंत्र के सेनानी।
सबके सबको, लकवा कैसे मार गया।
लोकतंत्र की मर्यादा का।
चीर हरण सब मौन साधकर देख रहे। मौन तुम्हारा कब टूटेगा।
कब तक जालिम का जुल्म सहेगे।
लोकतंत्र की मर्यादा का, चीर हरण न होने देंगे।
कान खोलकर सुन लेना, और अधिक अब नहीं चलेगा।

● वीरेंद्र सिंह बघेल
पूर्व अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ रीवा

राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित होंगे कई कार्यक्रम

सांसद गणेश सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में बनी रूपरेखा

जागरण, सतना। सांसद गणेश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में जानकारी दी गई कि इस वर्ष भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस मेजर ध्यानचंद की जयंती का तीन दिवसीय आयोजन 29 अगस्त से 31 अगस्त तक पूरे देश में करने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में सतना के सांसद गणेश सिंह द्वारा आगामी 31 अगस्त को दादा सुखेंद्र सिंह स्टेडियम जवाहर नगर सतना में राष्ट्रीय खेल दिवस का विशेष आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में जिले में कार्यरत खेल संगठनों के पदाधिकारियों, खेल विशेषज्ञों, खेल प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों तथा जिले के श्रेष्ठ खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में खेल संवाद प्रतिभाओं का सम्मान तथा प्रदर्शन मैच का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय खेल दिवस के कार्यक्रम के दौरान ही सांसद खेल महोत्सव के आयोजन की घोषणा की जाएगी। जिसके पंजीयन का कार्य 31 अगस्त से ही प्रारंभ होकर 15 सितंबर तक निः शुल्क होंगे। सांसद खेल महोत्सव में इस वर्ष कबड्डीए खो.खो

वॉलीबॉल फुटबॉल तथा एथलेटिक्स सहित पांच खेल विधाओं को शामिल किया गया है। इस संबंध में खेल विशेषज्ञों के साथ एक वृहद बैठक का आयोजन कर कार्यक्रम को है को अंतिम स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। बैठक में उपस्थित खेल विशेषज्ञों से आयोजन को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं हुई है।

हर जनपद से होंगी टीमें : बैठक में यह तय किया गया कि इस बार हर जनपद क्षेत्र से टीमों को आमंत्रित किया जाएगा। शहरी क्षेत्र में नगर परिषद की टीम तथा नगर निगम में पांच वार्डो की संयुक्त टीम शामिल की जाएंगी। सभी टीमों के पंजीयन ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों तरह से निःशुल्क किए जाने की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक विकासखंड मुख्यालय में ऑफलाइन पंजीयन की व्यवस्था रहेगी। सांसद गणेश सिंह ने स्पष्ट किया कि इस बार सभी खेलों का आयोजन दादा सुखेंद्र सिंह स्टेडियम जवाहर नगर में एक साथ किया जाएगा। बैठक में वॉलीबॉल खेल विशेषज्ञों द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत जवाहर नगर स्टेडियम का सुधार किया गया है लेकिन वॉलीबॉल खेल का जो मैदान बनाया गया है वह प्रतियोगिता के अनुकूल नहीं है मैदान में पक्की फ्लोरिंग की गई हैए जिससे खिलाड़ी वहां अभ्यास भी नहीं करते है। ऐसी स्थिति में एक टीम ने मैदान जाकर उसका निरीक्षण किया और यह तय किया गया कि इस वॉलीबॉल खेल के अनुरूप मैदान बनाया जाना चाहिए।

ये रहे मौजूद : बैठक में सांसद खेल ट्राफी प्रभारी एवं सांसद खेल प्रतिनिधि अरुण कुमार सिंह अतुल सिंह,अनूप पाण्डेय, इंजी श्रीराम पांडे, संदर्भ सिंह रजनू, अजय सिंह मिंटू, सुदीप सिंह भोदू, डॉ पंकज सिंह, डॉ हामिद अली, राज सिंह, अंबुज सिंह,आर बी सिंह, मिथलेश चतुर्वेदी, अरविंद शुक्ला, शुभम तिवारी,उमेश सिंह,विक्रम सिंह, शैलेंद्र सिंह, राहुल सिंह, अभिषेक सहित संख्या में खेल विशेषज्ञ एवं वरिष्ठ खिलाड़ी उपस्थित रहे।

वेतन विसंगति सुधार अभियान चलाएगा तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ

जागरण, सतना। म प्र तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ की सम्भागीय बैठक मैहर जिला मुख्यालय पर संगठन के प्रान्तीय अध्यक्ष विजय मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई। जिसमें कार्यकर्ता की अध्यक्ष सम्भागीय अध्यक्ष रीवा प्रतीक पाण्डेय ने की। विशेष अतिथि के रूप में अन्जू सिंह बघेल प्रान्तीय महासचिव म प्र बुलन्द आवाज नारी शक्ति आगनबाडी कार्यकर्ता सहायिका सन्गठन मौजूद रही।सन्गठनात्मक गतिविधियों को बढाने के लिए रीवा सतना मैहर माऊगन्ज सीधी सिगरौली सभी जिला इकाई अध्यक्ष मौजूद रहे है।चर्चा में निर्णय लिया गया कि छठवे वेतन मान व सातवे वेतन मान की विसन्गति को दूर कर आठवे वेतन मान का लाभ सही तरीके से प्राप्त करने के लिए सभी कर्मचारियों के बीच ऐसी बैठक कर कर्मचारी जागरण अभियान चलाया जाएगा । सातवे वेतन मान मे मौजूद पाँच वेतन बैण्ड व 17 लेवल मे विभाजित किया गया है किन्तु तृतीय श्रेणी के वेतन मान मे व्यापक विसन्गति है जिससे व्यापक असन्तोष है । वेतन लेवल 8.9.10.11 के लिए माँग करने का निर्णय लिया गया है । कार्यक्रम में विजय मिश्रा आर डी द्विवेदी विकल्प गौतम अन्जू सिंह बघेल सुषमा श्रीवास्तव सविता शुक्ल प्रतीक पाण्डेय दयावती पटेल अशोक तिवारी कृपा शन्कर गौतम राजेश कुमार तिवारी दयाशन्कर मणि त्रिपाठी देवेन्द्र चतुर्वेदी अवधेश दाहिया ने सम्बोधित किया है।

पुण्यतिथि पर विशाल रक्तदान शिविर आयोजित

जागरण, सतना। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय सतना कृष्णा नगर सेवा केंद्र में ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी डॉ प्रकाशमणि दादी की 18वी पुण्यतिथि के पावन अवसर को विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाया गया तथा इस अवसर पर विशाल रक्तदान महादान शिविर का आयोजन किया गया।जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ सतना जिले के प्रथम नागरिक महापौर योगेश ताम्रकार वरिष्ठ समाजसेवी एवं अमर ज्योति नेत्रदान सेवा संस्थान के डायरेक्टर मनोहर डिगवानी सीएमएचओ डॉ एल के तिवारी सिविल सर्जन डॉ मनोज शुक्ला ब्लड बैंक मैनेजर डॉ देवेंद्र पटेल एवं अंकित पांडेय बिरला हॉस्पिटल डायरेक्टर डॉण् संजय महेश्वरी वरिष्ठ भाजपा कार्यकारिणी सदस्य दीपक वलेजा तथा विंध्य चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश सुखेजा की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ।इसी सन्दर्भ मे सतना ब्राह्मकुमारीज सेवा केंद्र की मुख्य संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी डॉ रानी दीदी जी तथा उपस्थित सभी अतिथियों के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत सुभारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देस्य भारत एवं नेपाल के सभी ब्राह्मकुमरीज सेवा संस्थाओ द्वारा 1लाख यूनिट रक्त संग्रहित कर भारत सरकार को समर्पित करने का संकल्प लिया गया जो की पुरे विश्व मे गिनीज वर्ल्ड बुक रिकॉर्ड बनाने का संकल्प है। इस महा रक्तदान शिविर में सतना सेवा केंद्र के द्वारा कुल 60 यूनिट रक्त संग्रहित रेड क्रॉस सोसाइटी ब्लड बैंक को सुपुर्द किया गया। जिसमे विशेष बात यह रही कि डॉ रानी दीदी ने अपने जन्मदिवस के उपलक्ष्य में स्वयं भी रक्तदान किया और सभी को समाजसेवा हेतु प्रेरित किया।

अग्रवाल समाज द्वारा निः शुल्क नेत्र शिविर 28 को

सतना। अग्रवाल समाज सतना द्वारा सद्गुरु सेवा संघ चित्रकूट जानकीकुंड के संयुक्त तत्वाधान मे 28 अगस्त गुरुवार को निःशुल्क नेत्र शिविर अमृत वाटिका सतना आयोजित हैं। प्रतिमाह होने वाला नेत्र शिविर प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक समाजसेवी घनश्याम दास गोयल के संयोजक एवं मार्गदर्शन में सम्पन्न होगा। आयोजक मंडल के पुरुषोत्तम अग्रवाल ने बताया कि यह नेत्र शिविर पिछले 18 वर्षों से प्रतिमाह जारी है। शिविर में जो मरीज मोतियाबिंद से पीड़ित होंगे उन्हें निः शुल्क ऑपरेशन एवं विदेशी लैंस प्रत्यारोपण हेतु भर्ती कर श्री सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट पहुंचाया जाएगा भर्ती के दौरान मरीजों को भोजन बिस्तर एवं दवा की सुविधा प्राप्त होगी।

नजर के चश्मे होगें निःशुल्क वितरित : उपस्थित मरीजों की नेत्र जांच कर नजर के चश्मे निरूशुल्क वितरित किए जाएंगे। कैंप को.ऑर्डिनेटर भीषम शुक्ला ने बताया कि निःशुल्क ऑपरेशन एवं चश्मा हेतु मरीजों को आधार कार्ड की फोटो कॉपी साथ रखना अनिवार्य है।

पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल का डॉक्टर रश्मि सिंह ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ किया स्वागत

जागरण, सतना। उचेहरा विश्राम गृह सीडब्ल्यू सी मेंबर एवं पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल का डॉक्टर रश्मि सिंह ने कांग्रेस परिवार के साथियों के साथ स्वागत किया।इस अवसर पर उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन की मजबूती एवं भविष्य की रणनीति पर चर्चा की।संगठन को और सशक्त बनाने के लिए कांग्रेस परिवार के सभी साथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और एकजुट होकर पार्टी को और मजबूत करने का संकल्प लिया। प्रमुख रूप से ब्लॉक अध्यक्ष,लाल बहादुर सिंह, सुरेश पाठक, महेश शर्मा, अजीत पटेल, दिलीप सिंह,उमेश गौतम, आदित्य सिंह,विनय ताम्रकार, रामनरेश सिंह, लालबिहारी सिंह,सुनील ताम्रकार,शिवांशु समदरिया, अखिलेश सिंह,लालजी कोल,ददुआ सेन, पुष्पेंद्र ताम्रकार , रमाशंकर सिंह,अखिलेश सिंह,राजकुमार सिंह,मनोज पटेल,मनोज वर्मा,मनोज वर्मा,सुमित परिहार,रज्जन लोधी,अमित पटेल,राजेश यादव, हीरामन सिंह,ज्योति वर्मा आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने सम्भाला पदभार

सतना। जिले की नवागत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती गीता सोलंकी ने शनिवार को पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर उनके पति दमोह के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुभाष सोलंकी व पुत्री उपस्थित रहे। सतना पहुंचने पर जिले के लोक अभियोजक, शासकीय अभिभाषक रमेश मिश्रा (जीपी), एजीपी राघवेंद्र सिंह, रावेन्द्र सिंह, उमेश कुमार शर्मा, सुनील निगम, गिरजेश प्रसाद पाण्डेय, अखिलेश अवधिया, राजेश मिश्रा, कमलेश द्विवेदी ने पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर स्थानीय न्यायाधीशों, न्यायालयीन कर्मचारियों, अधिवक्ताओं ने भेंटकर स्वागत किया।

राज्यमंत्री श्री पटेल ने किये मां शारदा देवी के दर्शन

सतना। मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने रविवार को मैहर जिले के प्रवास के दौरान मां शारदा देवी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। राज्यमंत्री श्री पटेल ने प्रदेश वासियों की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रायोगिक कक्ष निर्माण के लिए 59.73 लाख रुपये जारी

जागरण, अमदरा। जुलाई माह की अंतिम तारीख को सेवानिवृत्त प्राचार्य कर्ण सिंह ने सूचित किया है कि घुनवारा स्थित हायर सेकण्डरी स्कूल हेतु मप्र शासन ने फिजिक्स, केमेस्ट्री व बायोलॉजी की तीन प्रयोगशालाओं के निर्माण के लिए कुल 59 लाख 73 हजार रुपये की राशि को मंजूर किया है। उक्त सम्बन्ध में विगत पंचवर्षीय कार्यकाल से ग्राम पंचायत घुनवारा के तत्कालीन सरपंच गोविन्द मिश्रा के द्वारा पत्रों के माध्यम से प्रयास किया जा रहा था। आखिरकार शासन के द्वारा विद्यार्थियों की उक्त मूलभूत आवश्यक्ता की पूर्ति कर दी गई है। अपने कार्यकाल के दौरान कर्ण सिंह भी अपने पत्रों के माध्यम से उक्त दिशा की ओर शासन का ध्यान लगातार आकर्षित करते रहे हैं। सेवानिवृत्त होने के बाद भी वे इस विद्यालय के विकास हेतु लगातार प्रयत्नशील हैं जिसके लिये ग्राम घुनवारा व क्षेत्रवासियों के द्वारा उनका आभार व्यक्त किया गया है। करीबन बीस.बीस लाख रुपये की लागत से प्रयोगशाला के प्रत्येक कमरों का निर्माण होगा। जिसमें विद्यालय को प्रक्टिकल की समस्त सामग्री रखना होगा। उक्त तीनों विषयों की प्रयोगशालाओं से विज्ञान विषय के विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त होगाए जिससे उनकी प्रतिभा में अभूतपूर्व निखार आयेगा।अधोसंरचना के विकास के लिए जमीन की आवश्यक्ता होती है। यदि जमीन नहीं है, तो विकास सम्भव नहीं हो सकता है। इसी दूरगामी सोच को कार्यान्वित करने के लिये यह विचार किया गया कि जहाँ जमीन है वहाँ स्कूल को स्थानान्तरित कर दिया जावे। इस प्रकार उक्त स्कूल के नाम 10 बीघा जमीन है। स्कूल के नाम पर्याप्त जमीन होने के कारण ही सी एम राइज स्कूल के लिये ग्राम घुनवारा चयनित है। शीघ्र ही इस स्कूल में कामर्स व एग्रीकल्चर का नवीन संकाय भी प्रारम्भ होना है। प्रायोगिक कक्षों के निर्माण की स्वीकृति देने पर पूर्व सरपंच गोविन्द मिश्रा, पूर्व प्रधानाध्यापक महेन्द्र शर्मा,गौ गोविन्द गौशाला घुनवारा के अध्यक्ष अजय शुक्ला, रामलीला मंडल के संचालक ओमप्रकाश त्रिपाठी, अभिभावक संघ के अध्यक्ष अरुण , तोमर समाज के अध्यक्ष शुभकरण तोमर, प्राइवेट हासे स्कूल के संचालक संजय शुक्ला, मिल ओनर शिवम सोनी,मप्र स्वर्णकार संघ के सदस्य सुनील सोनी, वर्तमान् प्रभारी प्राचार्य सतेन्द्र सिंह सहित उक्त स्कूल के समस्त शिक्षक, विद्यार्थियों सहित समस्त अभिभावकों व ग्राम वासियों सहित क्षेत्रवासियों ने शासन के इस कदम का स्वागत किया है।

भूतपूर्व छात्र संगठन सतना का हुआ गठन

सतना। शासकीय लाल पदमधर महाविद्यालय सतना में भूतपूर्व छात्र संगठन सतना का विधिवत गठन किया गया है। यह संगठन तहसील रघुराजनगरए जिला सतना में पंजीकृत हुआ है। इसे मध्यप्रदेश सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1973 क्रमांक 44 सन् 1973 के अंतर्गत 13 अगस्त 2025 को औपचारिक मान्यता प्राप्त हुई। नवगठित संगठन में विजय यादव अध्यक्ष सुधीर सिंह तोमर उपाध्यक्ष सिंघई संजय जैन सचिव विवेक अग्रवाल कोषाध्यक्ष तथा प्रदीप मिश्रा संयुक्त सचिव चुने गए हैं। वहीं सदस्य के रूप में प्रहलाद कुशवाहा श्याम लाल गुप्ता शिखा सिंह तिवारी धर्मेन्द्र सिंह बिसेन और सुधीर जैन शामिल किए गए हैं। समिति ने संकल्प लिया है कि संगठन महाविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करेगा। छात्र.छात्राओंए शिक्षकों एवं समाज से सुझाव और मार्गदर्शन लेकर शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा।

खतरे के बीच पढ़ाई करने को विबश नौनिहाल

प्रत्येक विद्यालय में बिजली फिटिंग के हुए थे निर्देश, निभाई औपचारिकता, नीचे तक झूल रहे तार

जागरण, रीवा। शहर के समस्त शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाईस्कूल व हायर सेकण्डरी स्कूलों में 2012-13 शिक्षा सत्र में बिजली फिटिंग करवाना अनिवार्य कर दिया गया था, लेकिन आज भी कई ऐसे विद्यालय हैं जहां बिजली फिटिंग तो हो गई, किन्तु कनेक्शन नहीं है, और जहां कनेक्शन हो गए हैं वहां व्यवस्थित फिटिंग नहीं। जिम्मेदारों ने शिक्षा प्रशासन के निर्देश का पालन करने में महज औपचारिकता भर निभाई है। जिसका उदाहरण देखा जा सकता है, सच्चा नगर स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय में।

सर्विस लाइन का तार झूल रहा फर्श तक

यह विद्यालय काफी पुराना है, जिसमें बिजली कनेक्शन तो करवाया गया है, किन्तु भवन में फिटिंग के नाम पर दीवार में तार ठोंक दिए गए हैं, सर्विस लाइन का तार कक्ष में नीचे तक झूल रहा है, जो यहां पढ़ने वाले नौनिहालों के लिए खतरा बना हुआ है। बच्चे कभी भी नीचे तक झूलते बिजली के तारों में फैले करंट की चपेट में आ सकते हैं, इसी लापरवाही का एक उदाहरण शुक्रवार को सेमरिया स्थित सीएम राइज विद्यालय में देखने को मिला, यहां कक्षा 10 वीं में अध्ययनरत छात्रा करंट की चपेट में आने से बेहोश हो गई, समय पर उपचार मिल जाने से छात्रा की जान बच गई, अन्यथा उसकी जान सांसत में आ सकती थी।

आश्रम से तार डाल कर रहे उपयोग

बांसघाट स्थित प्राथमिक विद्यालय के कक्ष में बिजली फिटिंग तो है, लेकिन बिजली कनेक्शन आज तक नहीं करवाया गया, समीप के आश्रम से बिजली के तार डालकर यहां कनेक्शन लिया गया है, पतले तारों से आश्रम से विद्यालय तक किए गए कनेक्शन के तार कभी भी टूट सकते हैं, अथवा स्पार्किंग होने से जल सकते हैं जो यहां पढ़ने वाले बच्चों के लिए खतरा साबित हो सकते हैं, जिला मुख्यालय के विद्यालयों में फैली अनियमितताओं से अंचल के विद्यालयों की स्थिति क्या होगी इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

सत्यमेव जयते
मध्यप्रदेश शासन
NATIONAL HEALTH MISSION
सबके लिए सुलभ होतीं आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
श्योपुर, सिंगरौली में नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों का लोकार्पण
पीपीपी मॉडल पर धार, बैतूल, पन्ना एवं कटनी चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना हेतु अनुबंध हस्ताक्षर
8 लाख वय वंदना कार्ड वितरण
एवं
स्मार्ट चैटबॉट 'आयुष्मान सखी' का शुभारंभ
आशा संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ
मातृ गर्भावस्था आहार प्रचार सामग्री एवं मातृ-शिशु सुरक्षा कार्ड का विमोचन
स्वस्थ यकृत मिशन में 1 करोड़ स्क्रीनिंग की उपलब्धि
मुख्य अतिथि
जगत प्रकाश नड्डा
केन्द्रीय मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
25 अगस्त, 2025 | अपराह्न 2:30 बजे
नेताजी सुभाष चंद्र बोस सांस्कृतिक सूचना केन्द्र, घंटाघर, जबलपुर
स्वास्थ्य सेवाओं का सशक्तिकरण प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के प्रत्येक कोने तक उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें, हर जिले में मेडिकल कॉलेज हों, अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण के साथ पर्याप्त स्वास्थ्य अमला भी सुनिश्चित हो।
- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
उपचार की उच्च स्तरीय सुविधा और सभी विशेषज्ञ OPD/IPD सेवाएं
जिला चिकित्सालयों का सुदृढ़ीकरण
प्रदेश के युवाओं को मेडिकल की पढ़ाई प्राप्त करने का अवसर
रोज़गार के नये अवसरों का सृजन
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश
D-11088/25
आकल्पन : म.प्र. माध्यम

विजयराघवगढ़ में धार्मिक स्थलों का अतिक्रमण हटाने आदेश मिला

धार्मिक स्थलों के अस्तित्व को बचाने मे अधिवक्ताओं की अहम भूमिका

जागरण,कटनी। विजयराघवगढ़ धार्मिक नगर का अस्तित्व चंद लालची लोगों की वजह से खतरे मे आ चुका था विभिन्न धार्मिक स्थलों पर जगह-जगह अतिक्रमण कर निज निवास का विस्तार कर लिया गया। मंदिरों से जोड़कर शौचालय का टैंक मंदिर मार्ग पर बगीचा व वाहन स्टैंड बना लिया गया। यह धार्मिक नगरी मानी जाती है किन्तु धर्म और धार्मिक स्थलों के लिए आज तक किसी ने कोई पहल नहीं की। अधिवक्ता राजा उरमलिया की पहल को हमेशा याद रखा जाएगा, ज्ञात हो की पूर्व मे 2007 मे भी राजा उरमलिया ने पचमठा गणेश मंदिर मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराया तथा एसीसी सीमेंट प्लांट के अधिकारियों का सहयोग लेकर रोड निर्माण कराया गया था जिसमे पुनः रोड के बीचो बीच फुलवारी लगाकर वाहन खड़ा करने का स्थान बना दिया गया। अधिवक्ता राजा उरमलिया ने फिर अतिक्रमण हटाने की मुहिम छेड़ी जिसमे विजयराघवगढ़ नगर के विभिन्न मंदिरों का उल्लेख कर अतिक्रमण कराए जाने के लिए पत्राचार किया। अधिवक्ता राजा

उरमलिया ने अपने अधिवक्ता संघ के अधिवक्ताओं का सहयोग प्राप्तकर मुख्यमंत्री से लेकर क्षेत्रीय विधायक, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को सूचित कर अतिक्रमण हटाने की मांग की गयी जिसके जबाब मे कटनी कलेक्टर दिलीप यादव ने अतिक्रमण मुक्त करने के आदेश भी दे दिए किन्तु एसडीएम का स्थानांतरण हो जाने की वजह से आदेश मे देरी हुई। आदेश मे विलम्ब होने की वजह से अधिवक्ता संघ अब बड़े विरोध प्रदर्शन कि तैयारी मे है।

अधिवक्ताओं ने इन मुद्दों पर कार्यवाही की मांग की है, वार्ड क्र.2 में भगवान श्री गणेश जी का मंदिर स्थित है जिसमे ऐतिहासिक मूर्ति विराजमान है। हजारों श्रद्धालुगणों का पूजा अर्चना हेतु आवागमन मंदिर में होता है उक्त मंदिर के पूर्व दिशा की ओर खाली पड़ी भूमि पर मंदिर की दीवार से सटाकर मनोज सोनी द्वारा अवैध निर्माण करते हुए म.प्र.विद्युत मंडल के विद्युत पोल को भी अपने कब्जे में कर लिया गया है। मंदिर के सामने उत्तर दिशा की ओर राजेन्द्र पाटकर द्वारा आवासीय पट्टे में प्राप्त भूमि से अधिक भूमि पर अवैध पक्का मकान का निर्माण कर लोहे की जाली फूल के पौधे लगाकर एवं गाडी खड़ा करने का शेड बनाकर मंदिर के सामने का परिसर अपने कब्जे में कर लिया गया है। मंदिर के सामने उत्तर दिशा की ओर जनपद पंचायत वि.गढ़ द्वारा संचालित स्कूल भवन के बगल में मंदिर के सामने के भू.भाग पर लैटरिंग बाथरूम बनाकर धार्मिक स्थल को प्रदूषणयुक्त कर दिया गया है। उक्त अवैध कब्जा निर्माण कार्य होने से मंदिर के सामने का भू.भाग ढक गया है तथा श्रद्धालुजनों के वाहन खड़ा होने का स्थान समाप्त हो गया है तथा मंदिर के स्थल पर जबरन कब्जा होने के कारण आमजनों की धार्मिक भावना आहत हो रही है।

वार्ड क्र.6 में संकटमोचन श्री हनुमान मंदिर स्थित है उक्त मंदिर में जाने के मार्ग में उत्तर एवं दक्षिण दिशा की ओर दुकान संचालकों द्वारा शेड बनाकर तथा कबाड़ रखकर मार्ग संकीर्ण कर दिया गया है जिसके कारण मंदिर से संचालित होने वाले धार्मिक कार्यों के समय अवागमन में भारी असुविधा उत्पन्न हो रही है। वार्ड क्र.12 में बंजारी माई का मंदिर स्थित है जो कि शासकीय भूमि खसरा नंबर 823 रकवा 0.3080 हेक्टेयर के अंश भाग में स्थित है। उक्त भूमि का सीमांकन मंदिर के पंडा लच्छू चिकवा के आवेदन पर किया जा चुका है। सीमांकन में मंदिर की पूर्व दिशा एवं उत्तर दिशा के भू स्वामियों के द्वारा जबरन कब्जा किया जाना बताया गया थाए परन्तु उक्त अतिक्रमणकर्ताओं के विरूद्ध आज दिनांक तक कोई भी कार्यवाही नहीं की गई है।

भरी बरसात में जल संकट, 2 दिन नहीं चला नल

जागरण, ब्यौहारी। नगर परिषद में एक तरफ भारी बारिश हो रही दूसरी तरफ पेयजल की किल्लत है और बराबर सप्लाई का पानी न आने के कारण भारी बरसात में भी जल संकट है नगर परिषद में नगर वासियों ने बताया कि21, 22 अगस्त को नल नहीं आया जिससे लोगों को काफी परेशानी हुई और टैंकर मंगाना पड़ा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नगर परिषद में पानी की सप्लाई। बाण सागर से होती है और जब पंप खराब हो जाता है या बिजली कम मिलती है तो उसके अगले दिन नगर में पानी की सप्लाई नहीं हो पाती फिल्टर प्लांट में तीन जगह से बिजली सप्लाई हो रही है डायरेक्ट सबस्टेशन से एक विद्युत सप्लाई तीनों जगह जाना चाहिए

इसलिए इस व्यवस्था को और भी फूल प्रूफ बनाने की जरूरत है कि यदि बिजली खराब हो गई तो 1 दिन का पानी अतिरिक्त रहे और सप्लाई चालू हो जाए। वैकल्पिक व्यवस्था तलाशे नगर पालिका - ब्यौहारी नगर परिषद जो अब नगर पालिका घोषित हो चुकी है इसका क्षेत्रफल काफी बड़ा है इसलिए बाणसागर के अलावा भी पानी सप्लाई की वैकल्पिक व्यवस्था सोचना चाहिए बाण सागर का पानी आने के पहले सूखा से सप्लाई पूरे नगर में हुआ करती थी उसे सप्लाई को फिर से वैकल्पिक रूप में शुरू करना चाहिए यदि किसी दिन बाणसागर का पानी नहीं आता तो सुखा से चला कर सप्लाई चालू करवाना चाहिए जिससे परेशानी ना हो नगर वासियों ने कलेक्टर से शीघ्र पानी सप्लाई की व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

शुद्ध मिट्टी के बने गणेश प्रतिमा करें विराजित

कार्यशाला का हुआ आयोजन

जागरण ब्यौहारी। शासन के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला शहडोल के विकासखंड ब्यौहारी में जनपद सभागार कक्ष में पर्यावरण शुद्धता का संदेश देने के लिए माटी गणेश सिद्ध गणेश अभियान अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला समन्वयक जन अभियान परिषद विवेक पाण्डेय विशिष्ट अतिथि के रूप में सरपंच संघ के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार मिश्रा उपस्थित रहे। परामर्शदाता सरस्वती चन्द्र विद्या,रामेश्वर पाल हीरालाल साह अर्पिता बैस ज्योति पांडे की एवं क्षेत्रीय मूर्तिकार संतोष चक्रवर्ती द्वारा गणेश जी की प्रतिमा निर्मित कर सभी उपस्थित जनों को गणेश प्रतिमा निर्मित करना सिखाया गया जिसमें नवांकुर संस्था शैलेन्द्र शर्मा, सुदामा गुप्ता, सुखेन्द्र गुप्ता ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के

अध्यक्ष मंगल सिंह गहरवार, रामचंद्र पाल, बाबूलाल कुशवाहा, अंकित शर्मा, रोहित कुशवाहा, रामायण बैस, एवं मुख्यमंत्री नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम संचालित अंतर्गत बी एस डब्ल्यू, एम एस डब्ल्यू छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्व हिंदू परिषद का स्थापना दिवस मनाया गया

जागरण ब्यौहारी। विश्व हिंदू परिषद प्रखंड ब्यौहारी- में स्थापना दिवस 21 अगस्त को हनुमान मंदिर में मनाया गया पूरे विश्व में सनातन धर्म की रक्षा के लिए विश्व हिंदू परिषद की स्थापना जन्माष्टमी के दिन 1964 में हुई थी तब से पूरे देश में ब्लॉक स्तर पर विश्व हिंदू परिषद की इकाइयां है कार्यक्रम को भक्तों ने संबोधित किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से लाल जी गुप्ता खंड संघ चालक रमेश गुप्ता, राजेंद्र सोनी प्रखंड अध्यक्ष, मीरा बहन, सत्यनारायण गुप्ता,क्षमता सोनी ,रोशन नागपाल, मोनू मिश्रा, दशरथ लखेरा, सहित सैकड़ो कार्यकर्ता स्थापना दिवस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

जिले के 11 लाख 40 हजार से अधिक नागरिकों की समग्र ई.केवाईसी का कार्य पूर्ण

कटनी। शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही को मिल सके इस हेतु कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर जिले में अभियान चलाकर समग्र आईडी से आधार नंबर की ई.केवाईसी का कार्य किया जा रहा है। अभियान के तहत जिले में अब तक 11 लाख 40 हजार 277 नागरिकों की समग्र ई.केवाईसी का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जो कि कुल लक्ष्य का लगभग 79 फीसदी है।

नगर परिषद कैमोर अव्वल : समग्र ई.केवाईसी करने के मामले में नगर परिषद कैमोर जिले में अव्वल है। जहां अब तक 13 हजार 286 नागरिकों की समग्र ई.केवाईसी का कार्य पूरा हो चुका है। जबकि नगर निगम कटनी अंतिम पायदान पर है। जहां अब तक मात्र 1 लाख 56 हजार 912 लोगों की समग्र ई.केवाईसी का कार्य ही पूरा हो सका है। इसी प्रकार नगर परिषद विजयराघवगढ़ में अब तक 7 हजार 804, जनपद पंचायत कटनी में 1 लाख 35 हजार 900 लोगों की समग्र ई.केवाईसी हो चुकी है। जबकि जनपद पंचायत बहोरीबंद मे 1 लाख 87 हजार 323 और जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ में 1 लाख 69 हजार 43, जनपद पंचायत रीठी में 1 लाख 16 हजार 467, जनपद पंचायत ढ़ीमरखेड़ा में 1 लाख 62 हजार 781 समग्र ई.केवाईसी हो चुकी है। इसके अलावा जनपद पंचायत बड़वारा में 1 लाख 78 हजार 247 एवं नगर परिषद बरही में 12 हजार 514 नागरिकों की समग्र ई.केवाईसी सत्यापन का कार्य हो चुका है। जिले के नागरिकों के लिए समग्र आईडी का आधार से ई.केवाईसी का कार्य एमपी ऑनलाईनए कॉमन सर्विस सेंटर, सीएससी, कियोस्क तथा लोक सेवा केन्द्रों के माध्यम से कराया जा सकता है। इसके अलावा यह प्रक्रिया सीधे समग्र पोर्टल एवं समग्र मोबाइल एप पर भी की जा सकती है।

जेसीबी मशीन के बकेट पर बैठकर गर्भवती महिला को कराया नाला पार

जागरण, पन्ना। लगातार बारिश होने के चलते नदी नाले उफान पर हैं जिससे अनेक स्थानों का आवागमन बंद हो गया है तथा लोगों का निकलना मुश्किल हो रहा है इसी दौरान लोगों के ऊपर अनेक समस्याएं पैदा हो जाती है इसी प्रकार का मामला अजयगढ़तहसील अंतर्गत ग्राम पोखरा का सामने आया पोखरा निवासी रामस्वरूप लोधी की पत्नी पुष्पा को प्रसव पीड़ा हुई जिसकी सूचना 108 एंबुलेंस को दी गई एम्बुलेंस भी पहुंच गई लेकिन बीच में नाला पड़ने के चलते नाला को पर नहीं कर पा रही थी जिसकी सूचना सूचना ग्राम पंचायत दुर्गापुर के सरपंच कौशल किशोर लोधी को दी गई सरपंच श्री लोधी ने जेसीबी मशीन बुलाकर गर्भवती महिला को जेसीबी के बकेट पर बिठाकर नाला पार कराया तथा एंबुलेंस में बिठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अजयगढ़ भेजा गया सरपंच के कार्य की सराहना क्षेत्रीय लोगों द्वारा की जा रही है।

गणेश चतुर्थी पर पन्ना जिले में रहेगा स्थानीय अवकाश

जागरण, पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार द्वारा वर्ष 2025 के लिए पन्ना जिले में तीन स्थानीय अवकाश पूर्व में घोषित किए गए थे। इस क्रम में बुधवार, 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी पर्व पर जिले में स्थानीय अवकाश रहेगा। इस दौरान म.प्र. शासन के शासकीय कार्यालय एवं संस्थाएं बंद रहेंगी। स्थानीय अवकाश कोषालय एवं उप कोषालय पर लागू नहीं होगा।

कल्दा ग्राम में जन सुनवाई शिविर का आयोजन किया गया

जागरण, पन्ना। विगत दिवस जनसुनवाई शिविर का आयोजन जिले के ग्राम कल्दा में किया गया था। कलेक्टर पन्ना के निर्देशन में ऊर्जा विभाग की तरफ से कार्यपालन अभियंता पन्ना अमितेश मिश्रा, सहायक अभियंता पवई हेमन्त माहौर एवं कनिष्ठ अभियंता सलेहा वितरण केंद्र शाहिद कमाल उपस्थित रहे उनके द्वारा उपभोक्ताओं की शिकायतों के आवेदन लिए गये एवं वास्तविक शिकायत का शिविर में ही त्वरित निराकरण किया गया जिससे शिविर में उपस्थित सभी उपभोक्ताओं को लाभ हुआ एवं संतुष्टि पूर्वक निराकरण पर खुशी प्रकट की गई।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग खण्ड सीधी (म.प्र.)

सम्राट चौराहा के पास, ई-मेल eephedsid@nic.in फोन नम्बर 07822-292508
निविदा सू.क. 08/नि.प्र./व.ले.लि./का.य./लो.स्वा.यां.वि./25-26 सीधी दिनांक 20.08.2025

निम्न कार्यो हेतु निविदा का आनलाईन बेबसाइड http//mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 05.09.2025 सायं 5:30 बजे तथा निविदा खुलने की तिथि 08.09.2025 को 11:00 बजे है। निविदा में संशोधन की स्थिति उपरोक्त बेबसाईट पर देखी जा सकती है।

Name of work- Balance work of Retrofitting Work of Piped Water Supply Scheme to achieve the target of JJM for supplying water at every doorstep through functional household tap connection (i.e. 100% FHTC's) in Hatwa and Sarda Block-Sihawal District-SIDHI.

S. N.	Tender ID	Name of scheme village	PAC(Rs. in Lakh)	E-EMD in Rs	Cost of Tender	NO.Of Calls
1	EE_PHED_445722_1	हटवा एवं शरदा विकासखण्ड सिहावल	140.67	140670	12500	Ist Call

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग
खण्ड सीधी (म.प्र.)

G-17678/25

शैक्षिक संवाद संपन्न

जागरण, पन्ना। अजयगढ़ 2025-26 के अगस्त माह के प्रथम शैक्षिक संवाद का आयोजन विकास खण्ड अजयगढ़ में संपन्न हुआ हुआ उक्त कार्यक्रम में जिला शिक्षा केंद्र पन्ना से अजय कुमार गुप्ता डी पीसी जन शिक्षा केंद्र बनहरीकला, सब्दुआ डाइट से व्याख्याता श्रीमती कीर्ति खरे,श्रीमती डॉ. गीतांजलि सिंह जन शिक्षा केंद्र हरदी ,सिंहपुर एवं अजयगढ़ बीआरसीसी डॉ.अरविंद सिंह आदि शामिल रहे तत्पश्चात जन शिक्षा केंद्र हरदी, सिंहपुर का निरीक्षण किया गया एवं विकास खंड अकादमिक श् रामपाल पाल जन शिक्षा केंद्र हरदी , मुकेश कुमार धुरिया जन शिक्षा केंद्र बीरा,श्रीमती संगीता गुप्ता जन शिक्षा केंद्र बालक अजयगढ़,श्रीमती दीपा सेन जन शिक्षा केंद्र बनहरी,श्री गजेंद्र कुमार संसिया जन शिक्षा केंद्र खोरा,नरदहा का अवलोकन किया गया।

छपरवाह की शिवधाम कॉलोनी में हथियार बंद चड्डी बनियान गिरोह का धावा

तीन मकानों में चोरी का प्रयास

कटनी। शहर के रंगनाथ थाना अंतर्गत उपनगरीय क्षेत्र छपरवाह की शिवधाम कालोनी में तीन मकानों में नकाबपोश चड्डी बनियान गिरोह के आधा दर्जन हथियार बंद सदस्यो ने धावा बोला। बदमाशों ने संदीप शुक्ला, मनीष शुक्ला, सुधीर शुक्ला के मकान के बाहरी परिसर में लगी लोहे की खिड़की और दरवाजों को काटा। इस दौरान उन्होंने तालों को भी मजबूत कटर से काटा। गनीमत रही की संदीप शुक्ला की नींद खुल गई और बदमाश भाग गए लेकिन सीसीटीवी फुटेज से स्पस्ट हो रहा है कि बदमाश पूरी तैयारी से थे और वो किसी की जान भी ले लेते। बहरहाल सूचना मिलते ही सुबह रंगनाथ नगर थाना प्रभारी नवीन नामदेव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना करने के बाद साइबर टीम और सीसीटीवी फुटेज की मदद से बदमाशो को गिरफ्तार करने के प्रयास में जुट गए हैं।

कार्यालय, मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक, संजय टाईगर रिजर्व,

शिवाजी नगर, नौढ़िया, जिला-सीधी, 486661, (मध्य प्रदेश) फोन नम्बर-7822297542
E.mail. fdsajnp.sdh@mp.gov.in, fdsanjay_tr@rediffmail.com, website. www.sanjaytigerreserve.in
क्र./ई-निविदा/2025/5349 सीधी दिनांक 19/8/25

-: ई-निविदा सूचना :-

कार्यालय मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक, संजय टाईगर रिजर्व, सीधी के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में शासकीय उपयोग हेतु विभिन्न भण्डार सामग्री के लिये निम्नांकित सामग्री के लिये वाणिज्यिक कर अधिनियम के तहत् पंजीकृत, प्रतिष्ठित निर्माताओं तथा अधिकृत विक्रेताओं से संजय टाईगर रिजर्व, सीधी के लिये आनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क.	सामग्री का नाम	प्रदाय स्थल का नाम	मात्रा
1	मेगा फोन उच्च क्वालिटि ब्रांडेड	क्षेत्र संचालक कार्यालय संजय टाईगर रिजर्व, सीधी (म.प्र.)	70 नग
2	सायरन बैट्री चलित उच्च क्वालिटि ब्रांडेड	-----"-----	75 नग
3	नाईट विजन वायनाकुलर उच्च क्वालिटि ब्रांडेड	-----"-----	02 नग
4	हाई बीम टार्च उच्च क्वालिटि ब्रांडेड	-----"-----	70 नग
5	वन्यप्राणी वजन नापने की मशीन जमीन में रखकर 500 कि.ग्रा. कैप्सिटी उच्च क्वालिटी ब्राण्डेड	-----"-----	01 नग
6	वन्यप्राणी वजन नापने की मशीन टागने वाली वजन मशीन 250 कि.ग्रा. कैप्सिटी उच्च क्वालिटी ब्राण्डेड	-----"-----	01 नग
7	एल्यूमीनियम फोल्डिंग सीढी 15 फिट उच्च क्वालिटि ब्रांडेड	-----"-----	05 नग
8	वायनाकुलर दूरबीन उच्च क्वालिटि ब्रांडेड	-----"-----	04 नग
9	डिजिटल कैमरा DSLR + 1nb उच्च क्वालिटि ब्रांडेड	-----"-----	02 नग
10	पेनूडार्ट एक्स केलिवर गन उच्च क्वालिटि ब्रांडेड	-----"-----	01 नग
11	वन्यप्राणी रेस्क्यू जाल बड़ा साइज 10×15 फिट मेंस साइज डबल लेयर (I) लेयर 4 inch (II) 1 inch	-----"-----	02 नग
12	वन्यप्राणी रेस्क्यू जाल छोटा साइज साइज 3×3 मीटर मेंस साइज डबल लेयर (I) लेयर 4 inch (II) 1 inch	-----"-----	02 नग
13	वन्यप्राणी रेस्क्यू मुलायम स्ट्रेचर उच्च क्वालिटि ब्रांडेड	-----"-----	02 नग
14	वन्यप्राणी रेस्क्यू चेस्ट गार्ड उच्च क्वालिटि ब्रांडेड	-----"-----	15 नग
15	वन्यप्राणी रेस्क्यू हेलमेट उच्च क्वालिटि ब्रांडेड	-----"-----	15 नग
16	वन्यप्राणी रेस्क्यू स्नेक रेस्क्यू किट सेट	-----"-----	05 नग

इस निविदा के लिये दिनांक 25.08.2025 से आवेदन केवल ऑनलाईन माध्यम से आमंत्रित किये जा रहे हैं। टेण्डर की विस्तृत जानकारी https://mptenders.gov.in/ के माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 17.09.2025 समय शाम 3.00 तक रहेगी। निविदा खोलने की तिथि 18.09.2025 को दोपहर 3.00 बजे रहेगा। उक्त निविदा वन विभाग की ऑफिशियल वेबसाईट https://mpforest.gov.in/ पर भी देखी जा सकेगी।

क्षेत्र संचालक
संजय टाईगर रिजर्व, सीधी

G-17670/25

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

मानव कल्याण समिति ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

कटनी। समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय समर्पण मानव कल्याण समिति द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ-साथ अनेक आम नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। समिति के अध्यक्ष मो.शादाब खान ने कहा कि संगठन समाज कल्याण की दिशा में निरंतर कार्यरत है। समय-समय पर समिति द्वारा ऐसे शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि श्रक्तदान महादान है इससे न केवल जीवन बचता है बल्कि दान करने वाले को भी आत्मिक संतोष की अनुभूति होती है। शिविर में रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट एवं रिफ्रेशमेंट भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम स्थल पर मानवता की सेवा ही सच्ची पूजा है का संदेश प्रमुखता से दिया गया। शिविर के सफल आयोजन में कार्यक्रम प्रभारी कृष्णकांत नामदेव, महिला प्रमुख साक्षी सोनिया, सचिव संदीप गुप्ता, मीडिया प्रभारी अजय मिश्रा, सांस्कृतिक प्रमुख कनक सोनी, सतीश कुमार, सदस्य दुर्गेश केवट, प्रमोद पटेल, भारत नामदेव, अशोक चौहान सहित समिति के अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

पत्रकारों पर झूठे मामले दर्ज का सिलसिला जारी, सच लिखना बना खतरा

लगातार हो रही कार्रवाई से पत्रकारों में भय और आक्रोश, निष्पक्ष जांच व सुरक्षा की उठी मांग

टीकमगढ़। जिले में पत्रकारों पर झूठे मुकदमे दर्ज करने का सिलसिला तेज हो गया है। हालात ऐसे बन गए हैं कि अब सच लिखना पत्रकारों के लिए जोखिम भरा साबित हो रहा है। पत्रकार संगठनों का कहना है कि प्रशासनिक दबाव और प्रभावशाली लोगों के इशारे पर पत्रकारों को निशाना बनाया जा रहा है, जिससे जिले में पत्रकारिता करना मुश्किल हो गया है।

13 और 14 अगस्त को दर्ज हुए मामले : मामला तब गंभीर हो गया जब 13 अगस्त को पत्रकार लोकेन्द्र परमार और सत्तार खान बाबा के खिलाफ पुलिस ने एनसीआर दर्ज कर दी। इसके ठीक अगले दिन 14 अगस्त को वरिष्ठ पत्रकार डीपी राजपूत और उनकी पत्नी सुमित्रा राजपूत को भी कथित रूप से झूठे मामले में फंसा दिया गया। लगातार दो दिनों में हुई इन कार्रवाइयों ने जिले के पत्रकारों को गहराई से आहत कर दिया है और उनके बीच भय व आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

संगठन ने कहा- सच लिखना बना अपराध : पत्रकार संगठनों ने आरोप लगाया है कि यह कार्रवाई सीधे-सीधे पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर हमला है। उनका कहना है कि जो भी जनता के हित में सच्चाई सामने लाने की कोशिश करता है, उसे दबाने के लिए झूठे मामलों में फंसा दिया जाता है। पत्रकारों ने यह भी कहा कि जिले में अब माहौल ऐसा हो गया है कि कलम उठाना और सच लिखना अपराध की तरह महसूस हो रहा है।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

मैरिज गार्डन किराये से देना है

कोष्ठा रीवा में मैरिज गार्डन किराये से देना है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें:- मो. नं. 6260806864
आरएन. 84240 (29/8)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, कोठी रोड, सिविल लाईंस, सतना (म.प्र.)

PHONE No. 07676-299470 E-mail:-dpepiusatna2@gmail.com
एन.आई.टी. नं.-24/2025/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सीई/पी.डब्ल्यू.डी./भवन/2183 रीवा, दिनांक 18.08.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है:-

स. क्र.	पोर्टल टेण्डर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पी.ए.सी.) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ई.एम.डी.) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_PWPIU _445297_1	आई.टी.आई.कैम्पस सतना जिला सतना में 60 सीटर बालक छात्रावास एवं 30 सीटर बालिका छात्रावास का निर्माण कार्य मय जलप्रदाय, सेनेटरी एवं विद्युतीकरण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	सतना	547.32	547320.00	20000	12 माह	हां

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट http://mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 21-08-2025 समय 10:00 से दिनांक 04-09-2025 समय 18:00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

(इंजी. रोहित मरावी)
कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, सतना

G-17668/25

खंडहर में तब्दील होते चंद्रेह मंदिर के सुधार की जरूरत

जागरण पर्यटन

पर्यटन स्थल में शामिल है प्राचीन चंद्रेह मंदिर

सरकार की ओर से नहीं हो रही कोई पहल

जागरण, सीधी

जिले के रामपुर नैकिन इलाके के चंद्रेह में बने शिव मंदिर और गढ़ी चेदिवंश को राजा प्रबोध शिव द्वारा 950 ई. पूर्व बनाया गया था। पत्थरों को जोड़कर बनाया गया शिव मंदिर आज भी जैसा पहले था वैसा ही खड़ा है। जबकि राजा की गढ़ी अब खंडहरों में तब्दील हो रही है। वहीं पांच साल पहले राज्य शासन ने इसे पर्यटक स्थल के रूप में शामिल किया था। लेकिन अब तक इसके सुधार के लिए कोई पहल नहीं की गई है। यहां एक हजार साल पहले चेदिवंश का राज था। चेदिवंश मुख्य रूप से आर्य के प्राचीन वंश माने जाते हैं। यह राज्य मुख्यतः गंगा नदी से लेकर नर्मदा नदी के बीच में स्थापित था। चेदि अंग्रेजी शब्द जिसे कहा जाता है आर्य। सीधी में सन 850 से लेकर 1075 ईसा पूर्व तक चेदिवंश का राज था। जो सोन नदी किनारे चंदरेह गांव में इसके प्रमाण मिलते है। चेदि अंग्रेजी शब्द है जिसे आर्य कहा जाता था। चेदिवंश के राजा शिशुपाल भी हुआ करते थे। इनका मुख्य राज्य गंगा नदी से लेकर केन, सोन और नर्मदा नदी तक फैला था। सीधी जिले में चंदरेह गांव जो चेदिवंश कहा जाता है। प्रबोध शिव नाम के राजा ने शिव मंदिर और अपने लिए एक गढ़ी यानी महल का निर्माण कराया था। पहाड़ों के बीच बने इस शिव मंदिर और गढ़ी का निर्माण पत्थरों से किया गया है। सबसे पड़ी बात यह है इन पत्थरों को जोड़ने में न चूना का उपयोग किया न ही सीमेंट का उपयोग किया गया है। पत्थरों में कलात्मक शिल्पकला देख कर कोई भी चकित हो जाएगा।

ऐतिहासिक मंदिर को बचाने उठाना होगा कदम

बहरहाल पत्थरों से बना शिव मंदिर और राजा की गढ़ी आज भी सुरक्षित है और लोगों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। इस शिव मंदिर में सैकड़ों पर्यटक दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं लेकिन शासन प्रशासन की उदासीनता के चलते इस भव्य रचना का प्रचार-प्रसार नहीं हो रहा है। जिसके चलते अभी भी पर्यटकों की कमी महसूस की जा सकती है। यदि शासन प्रशासन इस पर ध्यान दें, तो यह स्थल पर्यटक के रूप में विकसित हो सकता है और हजारों लोग इसे देखने के लिए पहुंचेंगे। अब देखना होगा कि जिला शासन इसके जीर्णोद्धार के लिए क्या कदम उठाती है।

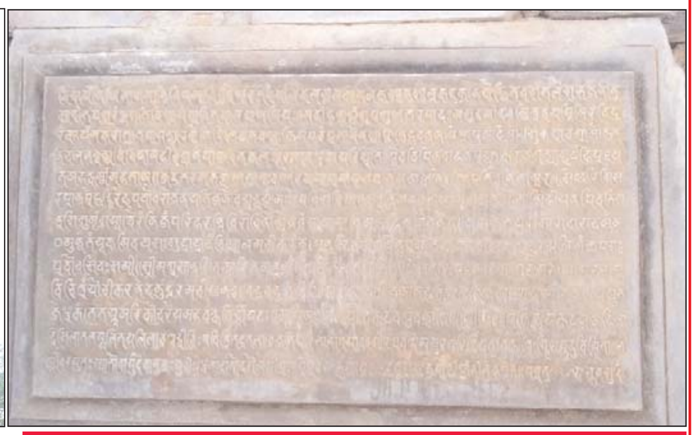

बिना सीमेंट के जुड़े हैं मंदिर के पत्थर

जानकारों का कहना है कि इस मंदिर की बनावट खजुराहो से मिलती जुलती है। सीमेंट का इस्तेमाल किए बगैर पत्थरों को जोड़ा गया है। शिव मंदिर में स्थापित शिव पिंडी अपने आप बेजोड़ दिखाई देती है। गढ़ी के भीतर से एक सुरंग भी बनाई गई थी, जो सोन नदी तक जाती थीए जिसमें महल की रानी सोन नदी में स्नान के लिए जाया करती थी। इसके साथ ही गढ़ी के पीछे एक हवन कुंड बनाया गया है। जहां राजा शिव की उपासना होती थी। बुंदेलखंड से लेकर बघेलखंड तक फैला चेदि साम्राज्य सरकार ने कुछ साल पहले इस ऐतिहासिक परिसर की बाउंड्रीवॉल का निर्माण कराया था। लेकिन पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने के चलते असामाजिक तत्वों द्वारा नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इतिहासकार ने कहा कि बड़े-बड़े पत्थरों को बगैर मशीनों की मदद से किस तरह लाया गया होगा और इन पत्थरों को उठाकर महल तक लाना एक बड़ा शोध का विषय है। भारत प्राचीन काल से समृद्ध इलाका रहा है। जहां अनेक राजाओं ने राज किया है।

सोनगढ़ उत्तर व पूर्व टोला में बरसात का पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

जागरण, सीधी। जिले के कुसमी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनगढ़ के उत्तर टोला व पूर्व टोला के लोग पिछले कई महीनों से पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। दोनों मोहल्ले अलग-अलग हैं, दोनों मोहल्ले मे एक-एक हैडपंप है। दोनों मोहल्ले का मुख्य हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़ा है, जिसके कारण ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। पूर्व टोला वाले हैडपंप से 15 से 20 परिवार उपयोग करते हैं। जबकि उत्तर टोला मे 12 से 16 परिवार उपयोग करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गर्मी शुरू होते ही हैंडपंप खराब हो गया था। इस बीच विभाग को कई बार सूचना दी गई, यहां तक कि कुछ माह पहले विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचकर खराब हैंडपंप का निरीक्षण भी कर चुके हैं। इसके बावजूद अब तक मरम्मत का कोई कदम नहीं उठाया गया। विभाग की यह लापरवाही ग्रामीणों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बनी हुई है। स्थिति इतनी विकट हो चुकी है कि ग्रामीणों को पुराने कुओं का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इन कुओं में बरसात का गंदा पानी भरा हुआ है, जिसे लोग मजबूरी में पीने को विवश हैं। साफ-सफाई के अभाव में यह पानी स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है और किसी भी समय जल जनित बीमारियों का प्रकोप फैल सकता है। महिलाओं व बच्चों को दूर से पानी लाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पेयजल संकट की जानकारी बार-बार देने के बावजूद विभागीय अधिकारियों द्वारा केवल आश्वासन दिया गया, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर हैंडपंप की मरम्मत कराने की मांग की है।

शहर एवं ग्रामीण अंचल की खबरें

खाद की समस्या का जल्द होगा निदान: पवनधर

जागरण, सीधी। जिले के वरिष्ट समाजसेवी एवं भाजपा नेता पवनधर द्विवेदी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री किसानों के हितों के लिए बराबर काम कर रहे हैं। खाद की किल्लत से भी जल्द किसानों को निजात मिलेगी। उन्होने कहा कि किसानों के हित के लिए भाजपा सरकार लगातार काम कर रही है। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री द्वारा किसान सम्मान निधि के माध्यम से हर तीसरे महीने दो-दो हजार रुपए साल में 10 हजार रुपए दिया जा रहा है। वहीं फसल बीमा योजना को लेकर भी प्रधानमंत्री की सोच है कि किसानों की फसल यदि बर्बाद होती है तो उसके लिए भी राशि का प्रावधान किया गया है। श्री द्विवेदी ने कहा कि कुछ कांग्रेसियों को पीड़ा होती है कि भाजपा सरकार में हर वर्ग को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। जिस वजह से झूंठा आरोप लगाना कांग्रेसियों की मानसिकता बनी हुई है। किसानों के साथ भाजपा सरकार सदैव काम करती आ रही है। जिस वजह से किसान खुशहाल हैं। वहीं लाड़ली बहना योजना के तहत राशि वितरण हो रहा है। जिससे महिलाएं भी खुशहाल हैं।

मझौली के तरंग द्विवेदी का इंडियन नेवी में हुआ चयन

जागरण, मझौली। दृढ़निश्चय और आत्मविश्वास से परिपूर्ण लक्ष्य किसी कामयाबी के लिए मोहताज नहीं होता। ऐसा ही कर दिखाया है मझौली के मध्यम वर्गीय द्विवेदी परिवार का लाल जो अब इंडियन नेवी में मचाएगा धमाल। इन्होंने न केवल अपने दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास से भरे लक्ष्य, कठिन परिश्रम से माता-पिता जात-परिवार का नाम रोशन किया है, बल्कि मझौली के हर एक नागरिक का व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बताते चलें कि मझौली नगर परिषद निवासी तरंग द्विवेदी जो मध्यम वर्गीय परिवार के सदस्य है का चयन 19 वर्ष की आयु में भारतीय नौसेना में हुआ है। तरंग के पिता प्रमोद द्विवेदी शासकीय उचित मूल्य दुकान में विक्रेता हैं। माता अन्नपूर्णा गृहणी, बाबा छोटेलाल द्विवेदी जो शास्त्रीजी के नाम से क्षेत्र में जाने जाते हैं सामान्य कृषक हैं। दादी स्व. यशोदा द्विवेदी गृहणी थी। कम सुविधा और संसाधन में अपने दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास से परिपूर्ण लक्ष्य, संस्कार और शिक्षा के बल पर तरंग ने माता-पिता परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इनके इस कामयाबी से पूरे क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का माहौल है। स्थानीय लोगों ने तरंग को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल द्विवेदी परिवार बल्कि मझौली और सीधी जिले की शान है। सभी उनके उज्ज्वल भविष्य और देशसेवा में उत्कृष्ट योगदान की कामना कर रहे हैं। तरंग अपनी इस उपलब्धि का श्रेय बाबा, माता-पिता, बड़े भाई उमंग, बुआ के लड़के दिवश परिवारजनों तथा मडफहा माता रानी के आशीर्वाद को देते हैं।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 सितंबर को

जागरण, सीधी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत 13 सितंबर 2025 का आयोजन जिला न्यायालय सीधी तथा सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में किया जायेगा। न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। श्री शिवहरे ने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरणों, सिविल प्रकरणों, चेक बाउंस प्रकरणों, वैवाहिक एवं पारिवारिक प्रकरणों, विद्युत अधिनियम के प्रकरणों, धन वसूली प्रकरणों आदि का निराकरण पक्षकारों की आपसी सहमति से किया जावेगा। नेशनल लोक अदालत के संबंध में अधिक जानकारी के लिए संबंधित न्यायालय अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है। नेशनल लोक अदालत में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के लिए निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, पांच किलो वाट तक के गैर घरेलू, 10 अश्वशक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को छूट दी जावेगी। इन प्रकरणों में प्री-लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि में 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी। लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि में 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी। सामान्य विद्युत देयकों के विरूद्ध बकाया राशि पर कोई छूट नहीं दी जावेगी। यह छूट मात्र नेशनल लोक अदालत दिनांक 13 सितंबर 2025 में समझौता करने के लिए ही लागू रहेगी। अपराध शमन फीस, अधिनियम के प्रावधान अनुसार वसूल की जावेगी। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री मुकेश कुमार शिवहरे ने अपील की है कि आगामी दिनांक 13 सितंबर 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में बिजली कंपनी, नगर पालिका, एवं राजस्व विभाग द्वारा जुर्माना राशि में छूट प्रदान की जाती है जिसके लिए आमजन को सूचित कर प्रोत्साहित करने का प्रयास कर, शासन द्वारा चलाई जा रही योजना का लाभ लें तथा विवाद विहीन समाज की संकल्पना को पूर्ण करने में सहयोग प्रदान करें।

शांति समिति की बैठक आज

जागरण, सीधी। अपर कलेक्टर ने जानकारी देकर बताया है कि गत वर्षों की भांति धार्मिक त्यौहार गणेश चतुर्थी 27 अगस्त 2025 को, मिलाद-उन-नवी 5 सितंबर 2025 को, दुर्गा मूर्ति स्थापना 22 सितंबर 2025 को, दशहरा (विजयदशमी) 2 अक्टूबर 2025 को एवं दीपावली 20 अक्टूबर 2025 को शांति पूर्ण ढंग से मनाये जाने के संबंध में 25 अगस्त 2025 को सुबह 11 बजे से कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों तथा समिति के सदस्यों को उक्त बैठक में नियत दिनांक, समय व स्थान पर उपस्थित होने हेतु सूचित किया है।

असामाजिक तत्वों ने शिक्षकों से किया मारपीट, दर्ज हुआ मामला

जागरण, सीधी। आदिवासी बाहुल्य जनपद पंचायत कुसमी अंतर्गत संकुल केन्द्र पोंडी के हाई स्कूल पिपराही में पदस्थ शिक्षकों के साथ कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा शनिवार को मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया है। जिसकी शिकायत शिक्षक संघ द्वारा पुलिस थाना मड़वास में दर्ज कराई गई है। घटना के संबंध में पीड़ित माध्यमिक शिक्षक कमलेश विश्वकर्मा द्वारा पुलिस थाना मड़वास में दिए गए शिकायती आवेदन में बताया गया कि मैं शासकीय हाई स्कूल पिपराही में शिक्षक पद पर पदस्थ हूं। बीते शनिवार को सुबह 10:20 बजे विद्यालय पिपराही जा रहा था। जैसे ही रामललित बैगा ग्राम पिपराही के दुकान के पहले पहुंचा तभी ग्राम कुदारिया निवासी चेतन पिता अर्जुन सिंह बरगाही, बब्लू पिता राजभान सिंह बरगाही, मनीष पिता अमरजीत सिंह बरगाही बीच सड़क में मोटर साइकिल लेकर खड़े थे। जब मैं एक किनारे से अपनी बाइक निकालने लगा तो पीछे से मेरी वाइक पकड़कर रोंक लिए और गाली गलौज करने लगे तथा मेरे मना करने पर बाइक की चाभी निकल लिए और लात घूंसे से मुझे मारने लगे। यह देखकर कुछ ग्रामीणों द्वारा बीच बचाव किया जाने लगा। इस बीच मौका पाकर मेरे द्वारा अपने स्थानीय शिक्षक साथी शिवसहाय यादव एवं प्राचार्य कैलाश गुप्ता को दूरभाष के माध्यम से घटना की सूचना दी गई। सूचना उपरांत प्राथमिक शिक्षक शिवसहाय यादव जो की स्थानीय हैं घटना स्थल पर पहुंचे तो तीनों युवकों द्वारा उनके साथ भी मारपीट करने लगे। यह देखकर आस पास के कुछ ग्रामीण जन दौड़े और बीच बचाव करते हुए पुलिस को सूचना देने की बात की जाने लगी। पुलिस का नाम सुनते ही एक ही बाइक में तीनों युवक बैठकर अपने घर की तरफ निकल गए। बताया गया कि तीनों युवक आदतन अपराधी प्रवृत्ति के हैं जो आए दिन लड़ाई झगडे करते रहते हैं। पूर्व में भी शिक्षकों सहित अन्य ग्रामीणों के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दे चुके हैं।

माटी गणेश-सिद्ध गणेश की कार्यशाला आयोजित

जागरण, सीधी। जिले के जनपद सभागार रामपुर नैकिन में प्रस्फुटन समितियों के सक्रियकरण व माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जन अभियान परिषद शासी निकाय के सदस्य कृष्णाकांत दुबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रवीण पाठक सम्भागीय समन्वयक जन अभियान परिषद सम्भाग रीवा द्वारा की गई। कार्यशाला में जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के सीईओ राजीव तिवारी व जिला समन्वयक जन अभियान परिषद शिवदत्त उरमलिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को जन अभियान परिषद की मूल अवधारणा के साथ-साथ माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही उपस्थित मास्टर ट्रेनर सुश्री रेनू पटेल द्वारा सभी प्रतिभागियों को मिट्टी के पार्थिव गणेश जी की प्रतिमा निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला का सम्पूर्ण संयोजन अनिल पाठक विकासखंड समन्वयक रामपुर नैकिन द्वारा किया गया। कार्यशाला में विकासखंड में कार्यरत प्रस्फुटन समिति व नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि, मेन्टर्स, नवांकुर सखी प्रेरक, सहायक व सीएमसीएलडीपी के छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे।

पात्रता विकसित करें युवा, तभी होगा राष्ट्र जागरण: सदानंद

जागरण, सीधी। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में उप जोन पड़खुरी गायत्री आश्रम रामपुर नैकिन के अंतर्गत आयोजित एक दिवसीय युवा उन्नयन वर्कशॉप में युवाओं को संबोधित करते हुए श्री अंबेकर ने युवाओं के उत्थान के लिए युवाओं को सर्वप्रथम पात्रता विकसित करने की बात कही, जिसमें उन्होंने युवाओं को आवाहन करते हुए कहा कि अगर राष्ट्र का जागरण करना है तो युवाओं को आगे आना होगा, किन्तु केवल भीड़ को एकत्रित करना ही युवा नहीं है, अपितु श्रेष्ठ, संकल्पित, प्राणवान और अनुशासित युवा ही देश के कर्णधार हो सकते, लेकिन सबसे पहले उन्हें अपनी स्वयं की पात्रता विकसित करनी होगी। उक्त बातें शांतिकुंज विशेष प्रतिनिधि सदानंद अंबेकर ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा गौरतलब है कि यह कार्यक्रम का केवल एक जिले में ही नहीं वरन संपूर्ण देश में आयोजित हो रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य वर्ष 2026 एवं उसके आगामी पांच वर्ष की कार्य योजना का सफल क्रियान्वयन से संबंधित है। वर्ष 2026 में होने जा रहा तीन महत्वपूर्ण कार्यक्रम परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा, अखंड दीप, अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक वेद मूर्ति, तपोनिष्ठ, पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य की आध्यात्मिक जन्म इन सभी के शताब्दी 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित हो रहा है। साथ ही इस कार्यक्रम के द्वारा हीरो के रूप में निकले हुए हर जिले से आदर्श युवा जिन्हें सुपर 100 मध्य प्रदेश के नाम से संबोधित किया गया है, को खोज निकलना भी है। उक्त कार्यक्रम गायत्री शक्ति पीठ सीधी में आयोजित हुआ। युवाओं के मनोभूमि को तैयार करने के लिए युवाओं में उल्लास को लेकर प्रेरक संगीत गणेश सिंह एवं टीम ने नौजवानों उठो वक्त यह कह रहा, खुद को बदलो जमाना बदल जाएगा गीत के द्वारा तरुणाई को आह्वाहित कर झकझोर दिया। कार्यक्रम के अगले क्रम में कटनी से आए लव सिंह द्वारा युवा जोड़ो अभियान पर जोर दिया गया जिसमें उन्होंने युवाओं को संस्कृति के साथ कैसे जोड़े। उनके साथ वर्तमान की भावी समस्याएं क्या आती हैं जैसे गंभीर विषय पर व्याख्यान दिया गया। जिला समन्वयक अनिल पाण्डेय द्वारा गायत्री परिवार के स्वरूप एवं संचालित गतिविधियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में उप जोन समन्वयक, पड़खुरी आश्रम के व्यवस्थापक प्रभाकांत तिवारी कार्यशाला में युवाओं को गायत्री परिवार संगठन की रीती-नीति और उद्देश्य विषय पर कहानियों के द्वारा व्याख्यान दिया। साथ ही मध्य प्रदेश प्रतिनिधि पंकज द्वारा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जोर देते हुए बताया कि आज का युवा रील के लिए बस सोशल मीडिया का उपयोग कर रहा है जबकि इसके द्वारा सद् विचारों को भी प्रसारित किया जा सकता है। उक्त कार्यक्रम की जानकारी मीडिया प्रभारी आनंद अकेला ने दी। उन्होंने बताया कि रीवा, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, सतना, मैहर जिले से कार्यकर्ता एवं युवा और युवतियां शामिल हुई। साथ ही स्थानीय लोगों की भी उपस्थिति रही। इस दौरान गायत्री शक्ति पीठ के ट्रस्टी गोविंद सिंह तोमर, वंदना अग्रवाल, धीरज सिंह चौहान, महेश सिंह, प्रवीण गुप्ता, वीरेंद खरे, संतोष सोधिया, राजेंद्र मिश्रा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विवाद को लेकर की गई मारपीट, कई लहूलुहान

जागरण, सीधी। जिले के रामपुर नैकिन थाना अंतर्गत दो पक्षों में विवाद हुआ जिसमें जानकारी के अनुसार मुड़हा समाज के लोगों ने सोधिया समाज के महिलाओं एवं पुरुषों पर जानलेवा हमला कर दिया, जिसके कारण सोधिया परिवार को गंभीर चोटे आयी हैं। घटना के बाद आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर नैकिन भर्ती कराया गया, जहां घायलों ने अपनी-अपनी आप बीती सुनाई। घायलों से मिली जानकारी के मुताबिक मारपीट करने वाले आरोपियों में राजेश केवट, मुकेश केवट, दामोदर केवट, अंबिका केवट, आदर्श केवट, बड़े केवट सभी निवासी वार्ड क्रमांक 11 नगर पंचायत रामपुर नैकिन जिला सीधी आदि शामिल हैं। चोंटिलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर नैकिन में भर्ती कराया गया। भर्ती घायलों में सोनम पिता स्व. शंकर सोधिया, प्रिया, काजल, शिला, रीना, कुसुम, बुटनी, लाला उर्फ डब्बू पिता ललन कहार शामिल हैं। यह सभी वार्ड नंबर 11 नगर पंचायत रामपुर नैकिन के निवासी हैं। इस मामले में पुलिस जांच की बात कह रही है।

जिले में दो दिनों की बारिश से नदी-नाले आए उफान पर

जागरण बारिश

ग्रामीण क्षेत्रों के जलाशय भी पानी से लबालब भरे

अतिवृष्टि से कच्चे मकानों को हो रही है लगातार क्षति

जागरण, सीधी

जिले में दो दिनों से लगातार झमाझम बारिश से नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। वहीं कच्चे मकानों की भी क्षति हो रही है। लेकिन बारिश से किसानों के चेहरे में खुशी देखने को मिल रही है। कारण यह कि मघा नक्षत्र का पानी अमृत वर्षा मानी जाती है। जिससे किसान खुश हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कई ऐसे नदी-नाले हैं जिनमें छोटे पुल या रपटे होने के कारण वहां आवागवन बाधित हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति यह है कि वहां के सभी जलाशय भी पानी से लबालब भर चुके हैं। यह गनीमत है कि जिन जलाशयों में पानी का रिसाव हो रहा है वहां जल स्तर ऊपर नहीं उठ रहा है। शुक्रवार से बारिश शुरू हुई जहां कि शनिवार दिए एवं रविवार की सुबह तक जोरदार बारिश हुई। ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह कच्चे घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। यह सिलसिला अब भी बना हुआ है। जो कच्चे घर काफी जर्जर हालत में थे वह या तो गिर चुके हैं अथवा गिरने की कगार पर पहुंच चुके हैं। इस मामले में हल्का पटवारियों की लापरवाही यह है कि उनके द्वारा क्षतिग्रस्त कच्चे घरों की जानकारी अपने तहसील के वरिष्ट अधिकारियों तक समय पर पहुंचाने की जरूरत नहीं समझी जा रही है। ग्रामीणों द्वारा अपेक्षा की जा रही है कि जो घर क्षतिग्रस्त हुए हैं उनकी नुकसानी की राशि राजस्व विभाग द्वारा सर्वे कराकर दिलाई जाए।

धान की फसल के लिए अमृतदायी है वर्षा

दो दिनों से हुई झमाझम बारिश से किसानों के चेहरे में खुशी बनी हुई है। किसानों का कहना था कि धान की फसल काफी अच्छी है। इस वर्ष सभी किसानों को धान की फसल की बंपर पैदावार मिलेगी। यह दीगर बात है कि तिल पहले ही भारी बारिश के चलते नष्ट होने की कगार पर पहुंच गई है, उड़द की फसल को भी काफी क्षति हुई है। लगातार बारिश के चलते अरहर की फसल को भी क्षति पहुंच रही है। कई स्थानों में अरहर की फसल ज्यादा मात्रा में उग भी नहीं सकी। ऐसे में किसानों को इस वर्ष दलहनी फसलों की पैदावार को लेकर चिंता सताने लगी है। धान की फसल जहां किसानों को खुशी प्रदान कर रही है, वहीं दलहनी एवं तिलहनी फसलों की क्षति से उनको चिंता भी है। भादौ मास में झमाझम बारिश होने से मौसम काफी खुशगवार हो चुका है। लोगों को गर्मी एवं उमस से काफी निजात मिल चुकी है। यही सिलसिला यदि आगे भी चला तो मौसम में जल्द ठंडक भी घुल जाएगी। बारिश के मौसम में कई तरह की संक्रामक बीमारियों का प्रकोप भी अब फैलने लगा है। खासतौर से बुखार एवं पेट की बीमारियों से संबंधित सबसे ज्यादा मरीज डॉक्टरों के पास पहुंच रहे हैं। यह सिलसिला अभी करीब एक महीने तक बनी रहने की संभावना जताई जा रही है।

जिले के बहरी तहसील में हुई सर्वाधित वर्षा

अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 24 अगस्त को सीधी जिले में 65.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 36.5 मि.मी., चुरहट 41.0 मि.मी., गोपद बनास में 167.8 मि.मी., सिहावल में 69.4 मि.मी., बहरी में 105.0 मि.मी., मझौली में 6.0 मि.मी. और कुसमी में 31.0 मि.मी. वर्षा हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 1076.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 1 जून से 24 अगस्त तक तहसील बहरी में सर्वाधिक वर्षा 1195.3 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 856.8, चुरहट में 983.0, गोपद बनास में 1135.8, सिहावल में 1147.0, मझौली में 1162.0, मि.मी. और कुसमी में 1052.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 914.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 161.5 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

गणेश

भौतिक ज्ञान (देवी) और आध्यात्मिक आदर्श (शिव) के मिलन का प्रतीक

● देवदत्त पटनायक ●

यह चातुर्मास है, वे चार महीने जब ऋषिगण भ्रमण नहीं करते, घर के अंदर रहते हैं और देवताओं की कथाएँ सुनाते हैं। जैसे ही वर्षा कम होने लगती है, धरती हरियाली से ढक जाती है और अपने पुत्र को जन्म देती है, जो ऋतुओं परिवर्तन के समय सभी बाधाओं को दूर करेगा। वह पुत्र ही गणेश हैं, गौरी के गणेश, जो उनकी गोद में विराजमान हैं, स्थूलकाय, गजमुख, मनोहर और शक्तिशाली। गणेश गण-एष हैं, शिव के गणों में प्रमुख। जबकि बाकी गण - यक्ष, प्रमथ और भूत - अपने असामान्य विकृत रूपों के साथ भयावह और भयावह हैं। गणेश हम सभी को आनंदित करने में सक्षम रहे हैं। कलाकारों को उन्हें विभिन्न रूपों में रचने और पुनः रचने के लिए प्रेरित करते हैं, जिनमें से प्रत्येक का भाव आनंदमय और विस्तार विस्मयकारी है। देवी, शक्ति चाहती हैं कि तपस्वी शिव अपनी आँखें खोलें, सांसारिक चीज़ों में संलग्न हों। गौरी के रूप में, वह प्रार्थना करती हैं, जिससे संन्यासी शिव, को उनका पति, गृहस्थ शंकर, बनने के लिए मजबूर होना पड़ता है। यह शिवरात्रि में वसंत ऋतु में, शीत ऋतु के छँट जाने के बाद घटित होता है और फिर, वह शिव से एक संतान देने के लिए प्रार्थना करती है। लेकिन शिव संतान के महत्व को नहीं समझते। वे अपनी आँखें बंद कर लेते हैं और पुनः तपस्या में लीन हो जाते हैं। हार न मानने वाली देवी, अपने ऊपर लगाए गए हल्दी के लेप को इकट्ठा करती हैं और एक गुड़िया बनाकर उसे पान के पत्ते पर रखती हैं, और देखिए, एक पुत्र का जन्म होता है, 'विनायक' जो बिना पति (नायक)के पैदा हुआ था। वह उसे अपनी गुफा के प्रवेश द्वार की रक्षा करने के लिए कहती हैं। जब शिव देवी की गुफा में लौटते हैं, तो उन्हें एक द्वारपाल देखकर आश्चर्य होता है, जो उन्हें नहीं पहचानता और जिसे वह भी नहीं पहचानते। रक्षक, भगवान और देवी के बीच एक बाधा है। पहली बार, शिव क्रोध और बेचैनी का अनुभव करते हैं और थोड़ी ईर्ष्या भी। इसके बाद एक युद्ध होता है जिसमें विनायक का सिर काट दिया जाता है। शिव को क्षणिक विजय का अनुभव होता है, उसके बाद अपराधबोध होता है जब देवी अपने कटे हुए पुत्र को देखकर विलाप करती हैं। दुःख क्रोध में बदल जाता है- शक्ति मांग करती है कि उसके पुत्र को पुनर्जीवित किया जाए, अन्यथा गौरी काली बन जाएँगी और समस्त सृष्टि का विनाश कर देंगी। विचलित होकर, शिव अपने गणों को उत्तर दिशा में मिलने वाले पहले पशु को ले आने का आदेश देते हैं।

> गणेश के आगमन पर शिव को अनेक भावनाएँ हुईं; गौरीपुत्र का वध करके और उसे पुनर्जीवित करके, शिव एक पिता, समाज के सदस्य और एक सच्चे गृहस्थ बन गए थे। इस प्रकार गणेश भौतिक ज्ञान (देवी) और आध्यात्मिक आदर्श (शिव) के मिलन का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनका रूप सांसारिक धन (पेट) और दैवीय शक्ति (हाथी) को एक करता है। यह धनोत्पादन (सर्प) को बढ़ाता है और धन क्षय (चूहों) को रोकता है।

उत्तर दिशा ही क्यों?

उत्तर दिशा पुनरुत्थान, विकास और स्थायित्व की दिशा है, जबकि दक्षिण दिशा वास्तु के अनुसार यम, राक्षसों, मृत्यु, क्षय और विनाश का क्षेत्र है। उत्तर दिशा में गणों का सामना ऐरावत से होता है, जो वर्षा के देवता इंद्र का हाथी है। उसका सिर विनायक की कटी हुई गर्दन पर रखा जाता है और बालक पुनर्जीवित हो जाता है। गणों के स्वामी शिव इस द्विज पुत्र का नाम गणपति रखते हैं। गणेश का सिर इंद्र के हाथी का होने का भी एक अर्थ है। इंद्र वर्षा के देवता हैं। उनके हाथी का सिर कटना वर्षा के अंत और एक बड़ी फसल की शुरुआत का प्रतीक है। संयोग से, इंद्र पूर्व दिशा के स्वामी हैं। इस प्रकार उत्तर दिशा की यात्रा करते समय, गणों को पूर्व दिशा का एक प्राणी मिला, जिससे भगवान गणेश उत्तर-पूर्व दिशा के स्वामी बने, यानी घर का सबसे शुभ कोना, देवताओं का कोना, ईशान का कोना, जो शिव हैं।

माता के अधिक निकट

जब शिव अर्धनारीश्वर होते हैं, तो देवी उनके रूप का बायाँ भाग बनाती हैं जबकि वे स्वयं दायाँ भाग धारण करते हैं। बाईं ओर हृदय है, जो अंतर्ज्ञान और भावना का प्रतीक हैं। दायाँ भाग, सिर का भाग है, जो सोच, बुद्धि और आत्मा का प्रतीक है। जब गणेश की सूंड उनके हृदय की ओर होती है, तो वे अपनी माँ, देवी गौरी के अधिक निकट होते हैं। लेकिन जब यह दाहिनी ओर होती है, तो वे अपने पिता, शिव एक बौद्धिक भिक्षु, के अधिक निकट होते हैं। यही वजह है कि हृदय की ओर सूंड वाली गणेश की छवि घरों में लोकप्रिय है क्योंकि यह पदार्थ, इंद्रियों और भावनाओं की दुनिया के साथ सहज गणेश को दर्शाती है। दाहिनी ओर मुड़ी हुई सूंड वाले गणेश स्वभाव से अधिक तपस्वी होते हैं, इसलिए उन्हें घरों के अंदर नहीं रखा जाता है, और मंदिरों में स्थापित करना बेहतर होता है; इनमें से सबसे प्रसिद्ध मुंबई का सिद्धि विनायक है।

धन से भरे थैले जैसा 'मोदक'

गणेश के हाथ में एक मोदक है जो मूलतः आटे से बने शंक्वाकार पैकेट में भरा एक मीठा मिश्रण है। यह धन से भरे थैले जैसा दिखता है। इसका यह स्वरूप यक्षों की प्राचीन मूर्तियों से आया है। विशेष रूप से उनके राजा कुबेर की, जो ऐस पाटली में धन-संग्रह धारण करते हैं और खज़ानों के संरक्षक हैं। गणेश का पेट फूला हुआ है, बिल्कुल लाफिंग बुद्धा जैसा। यह समृद्धि का प्रतीक है। इसके चारों ओर लिपटा सांप समृद्धि की रक्षा करता है। गणेश के चूहा एक चंचल और शातिर प्राणी, जिसे नियंत्रित करना असंभव है। यह हमारे जीवन की उन समस्याओं का प्रतीक है जिन्हें केवल द्वारपाल, विघ्नहर्ता गणेश ही दूर कर सकते हैं। विभिन्न कथाओं के अनुसार गणेश की दो पत्नियाँ बताई जाती हैं- ऋद्धि और सिद्धि, जो भौतिक और बौद्धिक विकास की देवियाँ हैं। ये दोनों देवियाँ लक्ष्मी और सरस्वती के रूप में अधिक लोकप्रिय हैं। जो मायने रखता है वह है प्रतीकात्मक अर्थ - गणेश आर्थिक और बौद्धिक विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करते हैं। इस प्रकार, शक्तिशाली आध्यात्मिक विषयों वाले विभिन्न प्रतीक गणेश के रूप और आख्यान को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। वे एक ऐसी भाषा में एक गहन सत्य का बखान करते हैं जो तार्किक मन को दरकिनार कर सहज रूप से आत्मा से जुड़ती है।

विचारों से भरी सफल युवा महिला उद्यमी

लक्ष्मी वेंकटरमन वेंकटेशन

● शोभा डे ●

दूरदर्शी लक्ष्मी वेंकटरमन वेंकटेशन ने जेआरडी टाटा से प्रेरित होकर भारत भर के वंचित युवा उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट (बीवायएसटी) की स्थापना की। बीवायएसटी के माध्यम से 50,000 से ज्यादा लोगों के जीवन में बदलाव लाई हैं। अति विशिष्ट पारिवारिक पृष्ठभूमि और महान उद्देश्यों को लेकर किए जा रहे कार्यों के बावजूद लक्ष्मी सादगी और स्नेहित व्यक्तित्व किसी को भी मंत्रमुग्ध कर देने के लिए काफी है। विचारों से भरी एक युवा महिला लक्ष्मी, एक सफलतम उद्यमी की कहानी बड़े उत्साह से सुनाती हैं।

दोपहर का भोजन इंतज़ार कर सकता है... कृपया जल्दी मत कीजिए... क्या आपको भूख लगी है? महान जेआरडी टाटा ने लक्ष्मी वेंकटरमन वेंकटेशन से पूछा। उस समय उनकी आयु 86 वर्ष थी। जेआरडी ध्यान से उनकी बात सुन रहे थे। उस एक मुलाकात ने सब कुछ बदल दिया। जेआरडी इसमें शामिल हुए और लक्ष्मी का सपना - भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट - 1992 में साकार हुआ।

आज, बीवायएसटी देश के युवाओं को संभावित रूप से आशाजनक व्यावसायिक विचारों को लाभदायक उद्यमों में बदलने के लिए एक ठोस मंच प्रदान करता है। बीवायएसटी के 'ग्रामप्रेन्योर्स' को न केवल वित्तीय सहायता, बल्कि मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और वैश्विक नेटवर्किंग के अवसर भी प्रदान किए जाते हैं। जैसा कि जेआरडी ने एक बार कहा था- अगर हम एक जीवन को छूते हैं, तो उसमें एक अरब लोगों के जीवन को बदलने की क्षमता होती है। इस वर्ष, मुझे वार्षिक बीवायएसटी पुरस्कारों के विजेताओं का चयन करने वाली जूरी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। यह बहुत ही सावधानीपूर्वक की जाने वाली गहन प्रक्रिया है। मैं कोई उद्यमी या कॉर्पोरेट व्यक्ति नहीं हूं, बावजूद इसके मैंने स्वार्थी होकर 'हां' कहा। दरअसल, युवा और महत्वाकांक्षी दिमागों से मिलने का लालच था मेरे मन में, और जैसा कि लक्ष्मी से मिलने वाला हर व्यक्ति इस बात से सहमत होगा कि कोई भी उन्हें 'ना' नहीं कह सकता! बीवायएसटीकी सफलता की कहानी एक महिला के समर्पण और मूल दृष्टिकोण को साकार करने के दृढ़ संकल्प की गाथा है। पिछले 30 वर्षों से, बीवायएसटी ने 50,000 से ज़्यादा उद्यमियों का समर्थन किया है, जिन्होंने सामूहिक रूप से 5,000 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की है और पाँच लाख नौकरियां पैदा की हैं। जब मैंने 11 चयनित फाइनलिस्टों के विस्तृत प्रोफाइल पढ़े, तो मैं उन असाधारण व्यक्तियों की लगन, कड़ी मेहनत और विनम्रता पर चकित रह गई, जिन्होंने अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास जारी रखा। मैं लक्ष्मी से पहली बार जूम कॉल पर मिली थी। जूरी दिल्ली में शॉर्टलिस्ट की जाँच करने और विजेताओं के नाम तय करने के लिए बैठक कर रही थी, जिन्हें एक प्रतिष्ठित समारोह में सम्मानित किया जाएगा। दो घंटे की गहन चर्चा के बाद, मैं उन अद्भुत कहानियों के प्रभाव से अभिभूत थी। लेकिन लक्ष्मी की उपस्थिति ही सबसे अलग थी - इतना नियंत्रण और स्पष्टता! लक्ष्मी ने दिल्ली विश्वविद्यालय और न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय में भौतिकी और इंजीनियरिंग विज्ञान की पढ़ाई की। भारत लौटने का फैसला करने से पहले, वह अमेरिका में मुख्यतः पुरुषों के वर्चस्व वाले

> अति विशिष्ट पारिवारिक पृष्ठभूमि (भारत के पूर्व राष्ट्रपति आर. वेंकटरमन की पुत्री) और महान उद्देश्यों को लेकर किए जा रहे कार्यों के बावजूद लक्ष्मी का सादगी पूर्ण और स्नेहित व्यक्तित्व किसी को भी मंत्रमुग्ध कर देने के लिए काफी है। विचारों से भरी एक युवा महिला और सफलतम उद्यमी लक्ष्मी की कहानी युवाओं को प्रेरित करने के लिए के लिए एक बेहतर उदाहरण है।

पूर्व राष्ट्रपति आर. वेंकटरमन की पुत्री

लक्ष्मी अपने पिता की पहचान को कम महत्व देती हैं। वह भारत के पूर्व राष्ट्रपति आर. वेंकटरमन की पुत्री हैं। संयोगवश, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ इस वर्ष के बीवायएसटी पुरस्कारों में मुख्य अतिथि होने वाले थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। अप्रत्याशित रूप से समारोह से कुछ दिन पहले, धनखड़ ने अचानक इस्तीफा दे दिया। निडर, अविचल लक्ष्मी ने तुरंत उनकी जगह केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को आमंत्रण भेज दिया। मंत्री महोदय समय पर पहुँचे, एक लंबा और आकर्षक भाषण दिया, और लक्ष्मी को बीवायएसटी से ऐतिहासिक संबंधों की याद दिलाई (उनके पिता, माधवराव सिंधिया, उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि थे, और उनके दादा जीवाजीराव सिंधिया जेआरडी के घनिष्ठ मित्र थे)। उद्योग जगत के दिग्गज नेताओं ने अपने व्यक्तिगत विकास की कहानियाँ साझा कीं और दर्शकों में मौजूद ग्राम उद्यमियों की सराहना की।

विशिष्ट लोगों से जुड़े संस्मरण

उसी रात रात्रिभोज के दौरान, मैं लक्ष्मी के जीवन के उन दिनों की विशद कहानियां सुनकर मंत्रमुग्ध हो गइ, जब वे राष्ट्रपति भवन में राष्टपति की बेटी के रूप में राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों, राजाओं और रानियों के स्वागत कार्यक्रमों का हिस्सा होती थीं। उन्होंने सुनाया कि कैसे मिखाइल गोर्बाचेव ने नाश्ते के समय शेखी बघारी थी कि उनकी पत्नी दुनिया की सबसे अच्छी कॉफ़ी बनाती हैं। वेंकटरमन ने हँसते हुए कहा, मेरी पत्नी की कॉफ़ी चखने तक रुको। लक्ष्मी के ब्रिटिश राजघरानों के जीवंत संस्मरणों ने मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया कि उन्होंने उन वर्षों के बारे में कोई किताब क्यों नहीं लिखी। उन्होंने मुस्कुराते हुए विषय बदल दिया। हम जल्दी से उनके जुनूनी प्रोजेक्ट-बीवायएसटी पर चर्चा करने लगे। घर लौटते हुए मुझे उन असाधारण पुरस्कार विजेताओं के कृतज्ञता भरे शब्द याद आ गए, जिनकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई।

दवाएं भी बढ़ा रहीं धरती का तापमान, कई देशों में डेसफ्लुरेन पर पाबंदी

● सुधीर कुमार ●

> 'डेसफ्लुरेन' नामक एनेस्थेटिक, मरीजों की सर्जरी के दौरान बेहोशी के लिए प्रयुक्त की जाने वाली यह दवा पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा बन चुकी है।

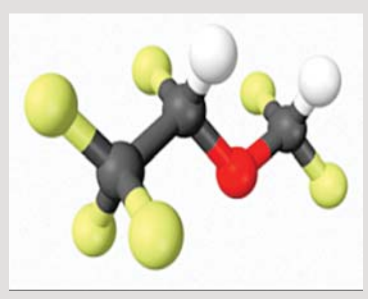

डेसफ्लुरेन का उपयोग 'सर्जिकल एनेस्थेसिया' के रूप में पिछली सदी के अंतिम दशक से किया जा रहा है। सर्जरी के दौरान सांस के माध्यम से दी जाने वाली यह गैस वायुमंडल में उत्सर्जित होने पर शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस के रूप में व्यवहार करती है। एक बोतल (240 एमएल) डेसफ्लुरेन के इस्तेमाल से ग्लोबल वार्मिंग पर उतना ही असर पड़ता है, जितना 440 किलोग्राम कोयला जलाने से होता है। स्कॉटलैंड से प्रेरित होकर 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ ने एक जनवरी, 2026 से डेसफ्लुरेन के उपयोग पर पाबंदी लगाने का निर्णय लिया है।

स्कॉटलैंड मौजूदा समय में 'डेसफ्लुरेन' नामक एनेस्थेटिक के उपयोग और विक्रय पर प्रतिबंध लगाने वाला दुनिया का इकलौता देश है। मरीजों की सर्जरी के दौरान बेहोशी के लिए प्रयुक्त की जाने वाली यह दवा पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा बन चुकी है। स्कॉटलैंड के इस साहसिक कदम से प्रेरित होकर 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ ने एक जनवरी, 2026 से इसके उपयोग पर पाबंदी लगाने का निर्णय लिया है।

डेसफ्लुरेन का उपयोग 'सर्जिकल एनेस्थेसिया' के रूप में पिछली सदी के अंतिम दशक से किया जा रहा है। सर्जरी के दौरान सांस के माध्यम से दी जाने वाली यह गैस वायुमंडल में उत्सर्जित होने पर शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस के रूप में व्यवहार करती है। इससे होने वाले पर्यावरणीय नुकसान का आकलन इस बात से किया जा सकता है कि एक बोतल (240 मिलीलीटर) डेसफ्लुरेन के इस्तेमाल से ग्लोबल वार्मिंग पर उतना ही असर पड़ता है, जितना 440 किलोग्राम कोयला जलाने से होता है। जाहिर है, यह दवा पर्यावरण को जीवाश्म ईंधनों के दहन के मुकाबले कहीं अधिक नुकसान पहुंचाती है। ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के अनुसार, डेसफ्लुरेन की ग्लोबल वार्मिंग क्षमता (ऊष्मा को रोकने के गुण) कार्बन डाइऑक्साइड से 2,590 गुना अधिक है। दूसरी तरफ, वातावरण में पहुंचने के बाद यह गैस लगभग डेढ़ दशक तक वहां विद्यमान रहती है, जो सेवोफ्लुरेन (1.4 वर्ष) और आइसोफ्लुरेन (3.5 वर्ष) जैसी एनेस्थेटिक गैसों के मुकाबले कई गुना अधिक है। व्यापक 'कार्बन फुटप्रिंट' होने के कारण ही इसके उपयोग को प्रतिबंधित करने और वैकल्पिक उपायों को अपनाने की मांग उठने लगी है। स्कॉटलैंड में डेसफ्लुरेन पर लगाए गए प्रतिबंध के नतीजे आशाजनक रहे हैं। वहां की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा की ओर से कहा गया है कि इस प्रतिबंध से प्रतिवर्ष लगभग 6.17 किलोटन कार्बन उत्सर्जन में कमी आई है, जो प्रतिवर्ष 1,700 घरों को बिजली देने के बराबर है। इस तरह डेसफ्लुरेन से दूरी न सिर्फ ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाती है, बल्कि ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान देती है। डेसफ्लुरेन पर प्रतिबंध स्वास्थ्य क्षेत्र में पर्यावरणीय जवाबदेही और सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कम कार्बन उत्सर्जक सर्जिकल एनेस्थेटिक उपायों को अपनाना वैश्विक खुशहाली के लिए जरूरी है। यह पहल चिकित्सा क्षेत्र को पर्यावरण अनुकूल बनाने में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

अब भी नहीं सुधरे तो सिर्फ किताबों में बचेगा हिमालय

● बिंध्यवासिनी पांडे ●

> हिमालय भारत की जलवायु, संस्कृति और जैव विविधता का आधार है। लेकिन आज यह क्षेत्र विकास की आंधी, जलवायु परिवर्तन और हमारी अनदेखी की वजह से पिस रहा है। धराली जैसी घटनाएं बताती हैं कि अगर अब भी हम नहीं सुधरे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए हिमालय सिर्फ किताबों में बचेगा।

हाल ही में उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में बादल फटने की भयावह घटना हुई, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लापता हो गए। इस आपदा ने एक बार फिर इस प्रश्न को हमारे सामने ला खड़ा किया है कि क्या हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्र जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित विकास का बोझ झेल सकते हैं? यह हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के असंतुलन की एक गंभीर चेतावनी है।

हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र आज जलवायु परिवर्तन के सबसे तीव्र प्रभावों का सामना कर रहा है। आंकड़े बताते हैं कि गंगोत्री ग्लेशियर हर साल औसतन 34 मीटर पीछे हट रहा है। पिछले 25 वर्षों में यह लगभग 850 मीटर तक सिकुड़ चुका है। ग्लेशियर पिघलने से एक ओर जहां ग्रीष्म ऋतु में जल की उपलब्धता प्रभावित हो रही है, वहीं ग्लेशियरों के नीचे बन रही झीलें (ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड) गंभीर खतरा बन चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्व जल विकास रिपोर्ट, 2025 के अनुसार, हिमालय क्षेत्र में तेजी से बदलती बर्फमंडली (क्रायोस्फीयर) का प्रभाव, नीचे की ओर स्थित समुदायों पर गंभीर रूप से पड़ेगा, जो इस पर सीधे तौर पर निर्भर हैं। उत्तरकाशी के धराली क्षेत्र में आई आपदा में करीब 36 करोड़ क्यूबिक मीटर मलबा और पानी एकसाथ नीचे आया। यह क्लासिक ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड की स्थिति है। इससे सड़कें टूट गईं, संचार बाधित हो गया और राहत कार्यों में बाधा आई। सेना ने ड्रोन, हेलिकॉप्टर और रस्सी के सहारे कई लोगों को बचाया, पर आपदा का प्रभाव बहुत व्यापक था। इसके कई कारणों में मुख्य रूप से भारी बारिश, बादल फटना, और पहाड़ों का कमजोर होना शामिल है। इसके अलावा, गंगोत्री घाटी में वनों की कटाई और अनियंत्रित विकास भी स्थिति को भयावह बनाते हैं। बीते कुछ दशकों में हिमालयी क्षेत्र में सड़कें, सुरंगें और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट्स तेजी से बन रहे हैं। पहले लोग पहाड़ियों की ऊपरी सतह पर गांव बसाते थे, ताकि बाढ़ या भूस्खलन से बच सकें। लेकिन अब सड़क की पहुंच और आधुनिक जीवनशैली की मांग ने यह पैटर्न उलट दिया है। अधिकतर निर्माण नदियों के किनारे और निचले इलाकों में किए जा रहे हैं। बिना भूगर्भीय सर्वेक्षण के पहाड़ों को काटा जा रहा है। इससे भूमि की स्थिरता कमजोर हो रही है और आपदाओं की आशंका कई गुना बढ़ गई है।

ग्लेशियर ला रहे तबाही

हिमालय की निचली सतह पर मौजूद ग्लेशियर जब पिघल जाता है, तो उसका मलबा वहीं बना रहता है। बादल फटने की स्थिति में पानी का तेज बहाव अपने साथ ग्लेशियर के मलबे को भी बहाकर ले आता है और वही तबाही का असली कारण बनता है। मानसून के पैटर्न में बदलाव के चलते अब बारिश की तीव्रता और समय, दोनों अनिश्चित होते जा रहे हैं। पिछले एक दशक में भारत में अत्यधिक वर्षा की घटनाएं 20 फीसदी तक बढ़ी हैं। हिमालयी क्षेत्रों के लिए भारी बारिश अधिक खतरनाक है, क्योंकि यहां की ढलानें और अस्थिर मिट्टी जल-दबाव को झेलने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। 2024-25 में हिमालयी राज्यों में बादल फटने, लैंडस्लाइड और बाढ़ की 100 से अधिक घटनाएं दर्ज हुई हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में नदियों के जलग्रहण क्षेत्र का लगभग 15 फीसदी हिस्सा नदी की मं?ाई व भूस्खलन से बने मलबे से बनता है, जो विकास कार्यों के लिए अनुपयुक्त है। हमारे पूर्वजों ने भी इन स्थलों पर कभी निर्माण नहीं किया, लेकिन अब काफी अतिक्रमण हो रहा है।

एआई और मशीन लर्निंग की लें मदद

संवेदनशील क्षेत्रों की भू-स्थानिक तकनीकों से पहचान कर इन्हें 'लाल क्रॉस' से चिह्नित किया जाना चाहिए, ताकि लोगों को भविष्य की आपदाओं से बचाया जा सके। आपदा जोखिम न्यूनीकरण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग की भूमिका लगातार बढ़ रही है। चरम घटनाओं के पूर्वानुमान और जोखिम मानचित्रों के विकास से लेकर वास्तविक समय में घटनाओं का पता लगाने, लोगों को परिस्थितिजन्य जागरूकता प्रदान करने और निर्णय लेने में सहायता तक, ये सभी कार्य इसमें शामिल हैं। इसके अलावा, पहाड़ों के पर्यावरण की जिम्मेदारी पंचायतों को सौंपी जाए। उनमें आज भी प्रकृति और पर्यावरण के प्रति आध्यात्मिक संवेदना मौजूद है। उन्हें विकास के निर्णय में ज्यादा हिस्सेदारी देनी चाहिए, ताकि क्षेत्र का सर्वांगीण, समतापूर्वक और प्रकृति अनुरूप विकास हो सके। वन पंचायत जैसी व्यवस्था को और प्रगाढ़ करने की आवश्यकता है। हिमालय भारत की जलवायु, संस्कृति और जैव विविधता का आधार है। लेकिन आज यह क्षेत्र विकास की आंधी, जलवायु परिवर्तन और हमारी अनदेखी की वजह से पिस रहा है। धराली जैसी घटनाएं बताती हैं कि अगर अब भी हम नहीं सुधरे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए हिमालय सिर्फ किताबों में बचेगा। हमें विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना ही होगा। यही एकमात्र रास्ता है प्रकृति के कोप से खुद को बचाने का।

(लेखक सेंटर फॉर हिमालयन स्टडीज, डीयू के निदेशक हैं।)

रेड जोन बनाकर निर्माण प्रतिबंधित करें

हिमालय में बांध बनाना और सुरंग खोदना बेहद खतरनाक है, क्योंकि उत्तराखंड और हिमाचल का पहाड़ी इलाका भूगर्भीय रूप से कमजोर है और भूस्खलन की आशंका हमेशा बनी रहती है। यूरोप के पहाड़ अपेक्षाकृत कम ऊंचे और चट्टानी हैं, जिससे वहां सुरंग निर्माण संभव है, पर हिमालय में यह विनाशकारी हो सकता है। इसके बावजूद विकास की अंधी दौड़ और टूरिज्म लॉबी के दबाव में प्राकृतिक असंतुलन की अनदेखी हो रही है। प्राकृतिक आपदाओं को कोई नहीं रोक सकता, लेकिन इससे होने वाले भारी नुकसान को कम करना हमारे हाथ में है। इसके लिए सरकार और हिमालयी रेंज में रहने वाले लोगों को खुद ही आगे बढ़ना होगा। सर्वप्रथम जिन इलाकों में पहले बाढ़ या भूस्खलन की घटनाएं हो चुकी हैं, उन्हें रेड जोन घोषित कर निर्माण कार्य पूरी तरह से रोका जाए। घटनाओं की पूर्व चेतावनी देने वाले सिस्टम का विकास और स्थानीय प्रशासन को उनका प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। जोखिमों को लेकर जनता को जागरूक करना जरूरी है। उत्तराखंड और हिमाचल में पर्यटकों की भीड़ और हादसों पर नियंत्रण के लिए भूटान मॉडल अपनाने की सिफारिश की गई है। इसमें पर्यटकों से भी प्रति रात शुल्क लिया जाता है, निजी वाहन की अनुमति नहीं होती, स्थानीय टैक्सी, गाइड, तय होटल और भोजन व्यवस्था अनिवार्य होती है। इससे पर्यटन सुरक्षित और पर्यावरण-संवेदनशील बन सकता है।

संक्षिप्त खबरें

11 हजार की रिश्वत लेते सहायक सचिव गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। लोकायुक्त पुलिस की उज्जैन यूनिट ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत रिश्वत लेते हुए

एक सहायक सचिव को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एशपी लोकायुक्त उज्जैन को विगत 19 अगस्त को राजेश दांगी नामक व्यक्ति ने शिकायत में बताया था कि उसके भाई बालचंद दांगी के नाम पर प्रधानमंत्री आवास योजना में एक आवास स्वीकृत हुआ था। इसकी पहली किस्त 25 हजार पहले ही मिल चुकी थी। दूसरी किस्त जारी करने के एवज में ग्राम पंचायत कंवराखेड़ी तहसील सुसनेर जिला आगर मालवा का सहायक सचिव भगवान सिंह सोंधिया 15 हजार की रिश्वत मांग रहा था। शिकायत के बाद लोकायुक्त पुलिस ने शनिवार को भगवान सिंह सोंधिया को आवेदक राजेश दांगी से 11 हजार की रिश्वत लेते हुए शनि मंदिर उज्जैन के पास रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान घूस की राशि आरोपी से बरामद होने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज कर इसकी जानकारी जिले के कलेक्टर को भेजी है।

उज्जैन में आध्यात्मिक पर्यटन सम्मेलन होगा

जागरण, भोपाल। महाकाल की पवित्र नगरी उज्जैन में 27 अगस्त को प्रदेश के द्वितीय वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन सम्मेलन का आयोजन होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। आध्यात्मिक पर्यटन पर पीएचडीसीसीआई-केपीएमजी की रिपोर्ट आस्था और प्रवाह भारत के पवित्र स्थलों में जनसमूह का मार्गदर्शन का विमोचन किया जाएगा। आध्यात्मिक गुरु गौरांग दास प्रभु सम्मेलन के मुख्य वक्ता होंगे। यह सम्मेलन पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) द्वारा पर्यटन मंत्रालय और मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। पर्यटन मंत्रालय के अपर सचिव एवं महानिदेशक श्री सुमन बिल्ला और मध्यप्रदेश के प्रमुख सचिव पर्यटन श्री शिव शेखर शुक्ला सहित वरिष्ठ अधिकारी सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सम्मेलन के अंतर्गत सरकार-उद्योग गोलमेज कॉन्फ्रेंस, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, जिम्मेदार आतिथ्य और आध्यात्मिक पर्यटन में सांस्कृतिक संवर्धन पर बातचीत के लिए मंच प्रदान करेगा।

हाईकोर्ट ने साक्षात्कार में शामिल करने दिए निर्देश

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति मनिंदर सिंह भट्टी की एकलपीठ ने मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टैक्नालाजी, भोपाल को निर्देश दिया है कि याचिकाकर्ता को साक्षात्कार में शामिल किया जाए। साक्षात्कार की तिथि 25 अगस्त है। साक्षात्कार का परिणाम विचाराधीन याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा। याचिकाकर्ता रायपुर निवासी आयुष अग्रवाल की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टैक्नालाजी, भोपाल ने असिस्टेंट ग्रेड-टू पद के लिए विज्ञापन निकाला था। जिसके आधार पर याचिकाकर्ता ने आवेदन प्रस्तुत किया। उसके पास एमटेक की मास्टर डिग्री है। लेकिन उसकी इस डिग्री को मास्टर डिग्री न मानते हुए साक्षात्कार में शामिल होने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया। इसी रवैये को याचिका के जरिए चुनौती दी गई है। ऐसा इसलिए क्योंकि एमटेक की डिग्री मास्टर डिग्री की श्रेणी में आती है। इस सिलसिले में दिल्ली हाई कोर्ट का न्यायदृष्टांत मार्गदर्शी है। हाई कोर्ट ने तर्क सुनने के बाद अंतरिम राहत प्रदान कर दी। साथ ही मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टैक्नालाजी सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया।

5 करोड़ का सोना चोरी करने वाले गिरफ्तार

जागरण, इंदौर। क्राइम ब्रांच पुलिस ने अहमदाबाद के एक सोने के व्यापारी से 5 करोड़ रुपए का सोना चोरी करने वाले दो आरोपियों को राजस्थान से धर दबोचा है। क्राइम ब्रांच की त्वरित कार्रवाई से चोरी हुआ पूरा सोना बरामद कर लिया गया है।
दरअसल 9 जुलाई को एक सनसनीखेज वारदात हुई थी। अहमदाबाद के सोना व्यापारी अंकित गोल्ड ज्वेलर्स के ड्राइवर ने एक साथी के साथ 4 किलो 800 ग्राम सोना चुरा लिया था। सोने की कीमत लगभग 4 करोड़ 79 लाख रुपए थी। व्यापारी धर्मेंद्र भाई जयंतीलाल की शिकायत पर इंदौर क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया। टीम को पता चला कि आरोपी मसरू राबारी और प्रेमपाल सिंह घटना के बाद से राजस्थान और गुजरात के सीमावर्ती इलाकों में छिपकर रह रहे थे।

गडकरी ने जबलपुर में प्रदेश के सबसे बड़े फ्लाईओवर का लोकार्पण किया, 60 हजार करोड़ के नए प्रोजेक्ट्स की घोषणा

मध्यप्रदेश में बनेगा टाइगर कॉरीडोर, एक ही रोड से जुड़ेंगे कान्हा, बांधवगढ़, पन्ना और पेंच

जागरण, भोपाल/जबलपुर। केन्द्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को 4250 करोड़ से अधिक की लागत वाली 174 किमी लंबी 9 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें देश का सबसे बड़ा दमोह नाका-रानीताल-मदनमहल-मेडिकल रोड फ्लाय ओवर भी शामिल है। जबलपुर के महानद्दा में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गडकरी ने मध्यप्रदेश के लिये 60 हजार करोड़ से अधिक लागत की विभिन्न सड़क परियोजनाओं की घोषणाएं भी की। केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि आज जबलपुर से 15 हजार करोड़ रुपए लागत की सड़क परियोजनाओं की घोषणा की जा रही है। जबलपुर से मंडला और छत्तीसगढ़ सीमा तक 2.5 हजार करोड़ रुपए का 150 किमी का 6 लेन के चौड़ीकरण का कार्य किया जाएगा, यह कार्य 6 महीने में शुरू होगा। सिवनी-छिंदवाड़ा-सावनेर 4 लेन चौड़ीकरण का कार्य 2.5 हजार करोड़ रुपए से 6 माह में शुरू किया जाएगा। खरगोन-देशगांव-जुलवानिया मार्ग के 108 किलोमीटर 4 लेन चौड़ीकरण का कार्य 2300 करोड़ रुपए से किया जाएगा तथा महाराष्ट्र सीमा तक बैतूल-परसवाड़ा 2 लेन मार्ग को भी मंजूरी दी गई है। बालाघाट से मंडला के बीच बेहतर संपर्क के लिए सड़क बनाई जाएगी। मध्य प्रदेश में टाइगर कॉरिडोर बनाया जाएगा। इसके अंतर्गत जबलपुर से बांधवगढ़ तक 4600 करोड़ रुपए की लागत से 4 लेन सड़क बनाई जानी थी, जिसे बढ़ाकर अब 5500 करोड़ रुपए किया गया है। यह रोड कान्हा, बांधवगढ़, पन्ना और पेंच टाइगर रिजर्व को कनेक्ट करेगी। इससे मध्यप्रदेश के टूरिज्म, आर्थिक विकास और रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी होगी। गडकरी ने कहा कि देश को 2047 तक शक्तिशाली और विश्वगुरु बनाने के संकल्प के साथ कार्य जारी है। भारत अभी 22 लाख करोड़ रुपए का ईंधन आयात कर रहा है, लेकिन हाइड्रोजन हमारे भविष्य का ईंधन है। हाइड्रोजन के बल पर हम ऊर्जा का निर्यात करेंगे, हमारा अन्नदाता, ऊर्जा उत्पादक होगा और वह समृद्ध भी होगा। देश में केवल स्मार्ट शहर नहीं, स्मार्ट विलेज भी बनेंगे। गांव का युवा गांव में ही रोजगार पाए, यही हमारा सपना है। मध्यप्रदेश कृषि प्रधान राज्य है। देश में 2000 अमृत सरोवर बने हैं, जिनमें से 109 मध्य प्रदेश के हैं। इनसे निकली मिट्टी सड़कों के निर्माण में उपयोग की गई और मिट्टी निकालने से बनीं संरचनाओं को जल संचय कर आसपास के क्षेत्रों का भूजल स्तर बढ़ाने के लिए तालाब के रूप में उपयोग किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित अन्य मंत्रियों ने जबलपुर में प्रदेश के सबसे बड़े ब्रिज सहित अन्य परियोजनाओं को उद्घाटन किया।

साढ़े 4 घंटे में पहुंचेंगे ग्वालियर से दिल्ली

गडकरी ने कहा कि मप्र के लिए 3 लाख करोड़ की सड़क परियोजनाएं स्वीकृत की हैं, जिनमें से 75 हजार करोड़ के कार्य पूरे किए हैं और 65 हजार करोड़ के कार्य प्रगति पर हैं। आगामी समय में डेढ़ लाख करोड़ रुपए से करीब ढाई हजार किलोमीटर के कार्य डीपीआर के लिए रखे हैं। मध्यप्रदेश में 33 हजार करोड़ रुपए की लागत से 5 ग्रीन फील्ड इकोनॉमिक कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। इंदौर से हैदराबाद कॉरिडोर पर ओंकारेश्वर के पास नर्मदा नदी पर भव्य ब्रिज का निर्माण किया गया है। जल्द ही इसका उद्घाटन किया जाएगा। उज्जैन-गरोठ 4 लेन ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे, भोपाल से कानपुर 440 किमी लंबा 4 लेन इकोनॉमिक कॉरिडोर बनने पर 15 घंटे की यात्रा 8 घंटे में पूरी होगी। आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेस-वे का भूमिपूजन भी जल्द होगा। साढ़े 4 घंटे में ग्वालियर से दिल्ली पहुंचेंगे।

जिला स्तर पर शुरू होंगे ड्राइविंग सेंटर

गडकरी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से कहा कि भारत सरकार प्रदेश में जिला स्तर तक ड्राइविंग सेंटर आरंभ करने की इच्छुक है। इसके लिए प्रस्ताव राज्य सरकार की ओर से शीघ्रता से भेजे जाएं। केंद्र द्वारा इन्हें तत्काल स्वीकृति प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सीआरएफ फंड से 1500 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की घोषणा की जा रही है। इससे उज्जैन, जबलपुर और रीवा में नए फ्लाई ओवर बनाए जाएंगे। उज्जैन में 510 करोड़ रुपए की लागत से नई सड़क और फ्लाई ओवर बनेंगे। अशोकनगर से विदिशा के बीच 96 करोड़ रुपए की लागत से सड़क बनाई जाएगी। उज्जैन में कालभैरव मंदिर की कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए ब्रिज बनाया जाएगा। इंदौर से भोपाल 160 किलोमीटर ग्रीन फील्ड कॉरिडोर को स्वीकृति दी जा रही है। इसकी लागत 12 हजार करोड़ रुपए होगी।

60 हजार करोड़ से ये मुख्यमार्ग होंगे पूरे

- सतना-चित्रकूट 4 लेन मार्ग
- रीवा-सीधी 4 लेन
- ग्वालियर-भिंड 4 लेन
- उज्जैन-झालावाड़ मार्ग
- बदनावर-टिमरनी मार्ग
- बमीठा-पन्ना-सतना 4 लेन
- खजुराहो और बांघवगड़ मार्ग
- खंडवा-बैतूल 4 लेन
- इंदौर 6 लेन पूर्वी बायपास
- जबलपुर-दमोह
- संदलपुर-नसरुल्लागंज-बुधनी-शाहगंज
- जबलपुर-डिंडौरी 4 लेन 200 किलोमीटर
- इंदौर से हरदा 4 लेन
- ग्वालियर में पश्चिमी बायपास 1300 करोड़
- इंदौर में 6 लेन बायपास

सड़कों के आधार पर बदलता है देश का भाग्य: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सड़कों के आधार पर देश का भाग्य बदलता है। यह हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सड़क आधोसंरचना निर्माण और विस्तार का दायित्व केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी संभाल रहे हैं। यह गडकरी के प्रबंधन का चमत्कार है कि देश में सड़क और अधो-संरचना निर्माण के लिए वह कभी पैसे की कमी होने नहीं देते। देश की सीमा पर जवान और खेत में किसान की सजगता और मेहनत से ही देश की ताकत बनती है। बेहतर रोड नेटवर्क दोनों की ही सक्रियता और सामर्थ्य का आधार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के सुगम संपर्क, तेज विकास, बेहतर सुरक्षा और सब की समृद्धि सुनिश्चित करने के प्रण को पूरा करने हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने महाकौशल सहित प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों और निवासियों की रोड नेटवर्क संबंधी आकांक्षा-अपेक्षा को पूर्ण किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश को दी गई रोड नेटवर्क संबंधी सौगातों के लिए प्रदेशवासियों की ओर से केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी का अभिवादन करते हुए आभार माना।

स्कूलों के बाहर वाहनों की पार्किंग पर कोर्ट सख्त

जागरण, जबलपुर। सड़कों पर स्कूल की पार्किंग के खिलाफ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें कहा गया कि स्कूल परिसर के अंदर पार्किंग न होने व सड़कों में वाहन पार्क होने से नौनिहालों का जीवन खतरे में है। आरोप है कि बच्चें सड़क पार कर निकलते है, जिससे वह कभी भी हादसे का शिकार बन सकते हैं। जबकि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा साल 2022 में जारी गाइडलाइन के अनुसार पढ़ने वाले छात्रों की वाहनों की पार्किंग स्कूल के अंदर होनी चाहिये। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने सुनवाई दौरान पाया कि मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग को नोटिस की तामीली नहीं हुई। जिस पर न्यायालय ने फ्रेश नोटिस जारी कर उनके पैरोकार को शपथपत्र पर जवाब देने के निर्देश दिये है। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की गई है। दरअसल यह जनहित का मामला जबलपुर निवासी अधिवक्ता जसबीन गुजराल सहित अन्य की ओर से दायर किया गया है। जिसमें कहा गया है कि कि बचपन बचाओ आंदोलन विरुद्ध भारत सरकार के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय ने बच्चों की सुरक्षा व उनकी देखभाल के संबंध में आवश्यक गाईडलाइन जारी की थी। सर्वोच्च न्यायालय ने उक्त गाईडलाइन देश के सभी प्रदेशों के लिए जारी की थी। इसके अलावा साल 2022 में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा भी गाईडलाईन जारी की गयी थी। जिसके अनुसार जिन वाहनों से छात्र आते है, उनकी पार्किंग स्कूल के अंदर होनी चाहिए। इस संबंध में प्रदेश के सभी कलेक्टर को निर्देश भी जारी किये गये थे। याचिका में कहा गया था कि शहर के अधिकांश स्कूलों की पार्किंग सड़क में होती है। स्कूल बच्चों को स्कूल के बाहर सड़कों पर उतार दिया जाता है। जिसके कारण सड़क में जाम की स्थिति निर्मित होती है।

श्रम कानूनों के पालन में पारदर्शिता पर कार्यशाला

भोपाल। श्रम कानूनों को बेहतर ठंग से लागू करने और श्रमिकों के हितों की सुरक्षा तय करने श्रम विभाग के अफसरों और निरीक्षकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला शनिवार को ग्लोबल स्किल पार्क में शुरू हुई। इस कार्यशाला का आयोजन श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल के निर्देश पर किया गया है। कार्यशाला का उद्घाटन श्रम विभाग के सचिव रघुराज राजेंद्रन और श्रमायुक्त रजनी सिंह ने किया। इस कार्यशाला में श्रम अधिनियम, ग्रेज्युटी अधिनियम, उपकर निर्धारण और औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से जुड़े विषयों पर जानकारी दी गई। ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टेंडडर्स (बीआईएस) ने भी इस दौरान श्रमिकों की सुरक्षा, निर्माण कार्यों में सुरक्षा, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण और दुर्घटनाओं से बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी।

पांड्याखेड़ी में 2 पक्षों के बीच विवाद, एक को मारी तलवार, 4 अन्य घायल

जागरण, उज्जैन। जिले के पांड्या खेड़ी क्षेत्र में शुक्रवार रात को दो पक्षों में विवाद हो गया। इस दौरान जमकर पत्थरबाजी हुई। नारायण सिंह (50) को तलवार लगी है। वह गंभीर घायल हैं। झगड़े में चार लोगों को चोट आई है। इलाके में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं मामले में 8 लोग हिरासत में लिए गए हैं। दरअसल विवाद धार्मिक नारे से शुरू हुआ, जिसके बाद इलाके में तनाव फैल गया। दोनों पक्षों की ओर से लोग आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते भीड़ जमा हो गई और पत्थर चलने लग गए।

पानी जैसी दाल, कच्ची रोटी..पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में लगा इस पर ब्रेक

स्टाफ से छीनकर प्रशिक्षुओं के हवाले किया भोजन का इंतजाम

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के अधिकांश पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण लेने वाले प्रशिक्षुओं को भोजन में अब पानी जैसी दाल और कच्ची रोटी मिलने की शिकायत खत्म हो गई है। लगातार आई शिकायतों के बाद पीएचक्यू की ट्रेनिंग ब्रांच के चीफ ने सालों से चली आ रही व्यवस्था को बदल दिया है। प्रदेश के सरकारी होस्टलों की तर्ज पर अब यहां मेस की व्यवस्था संचालित होने लगी है और इसकी जिम्मेदारी ट्रेनिंग ले रहे आरक्षक खुद उठा रहे हैं। इसके लिए सभी पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में ट्रेनी आरक्षकों की मेस कमेटी बनाई गई है, जो खाने का मेन्यू तय करने से लेकर खाने की क्वालिटी और उस पर आ रहे खर्च पर नजर रखती है। अब तक पुलिस ट्रेनिंग स्कूलों में भोजन की व्यवस्था का जिम्मा वहां पर तैनात कुछ कर्मचारियों के हवाले था।

चंद अफसरों की मिलीभगत से हो रहा खेल

प्रदेश में आठ पुलिस ट्रेनिंग स्कूल हैं। यहां पर लगभग 5000 से ज्यादा आरक्षक 9 माह लंबी ट्रेनिंग के लिए आते हैं। इस प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूर्ण होने के बाद ही इन्हें पुलिस फोर्स की अलग अलग यूनिट में तैनाती मिलती है। इन सभी के भोजन के लिए सरकार की तरफ से कोई फंड नहीं दिया जाता बल्कि इसका इंतजाम प्रशिक्षण ले रहे आरक्षक को ही करना होता है। पुलिस ट्रेनिंग स्कूलों में यह व्यवस्था अब तक ट्रेनिंग स्कूल के स्टाफ के हवाले थी। स्टाफ के कई लोग मिलीभगत कर मनमर्जी से खाना तैयार कराते थे। ऐसे में पतला दूध, कच्ची और जली रोटी, पतली दाल के साथ बाजार में मिलने वाली सबसे सस्ती सब्जी बनाकर इन्हें परोस दी जाती थी। प्रशिक्षु अनुशासन और डर के मारे चुपचाप इसे सहन कर रहे थे। इस भोजन के लिए स्टाफ के लोग मनमाना पैसा भी वसूलते थे जो ट्रेनिंग ले रहे आरक्षकों को मजबूरी में देना पड़ता था।

प्रशिक्षुओं के लिए अब ये है दिनभर का मेन्यू

- सुबह 6 बजे: मॉर्निंग टी
- सुबह 8.30 बजे: नाश्ता में दूध और केला अनिवार्य, इसके अलावा पोहा, दलिया या अंकुरित अनाज
- सुबह 11 बजे: टी ब्रेक में चाय और बिस्किट
- दोपहर 1.30 बजे: लंच में दाल, चावल, सब्जी, रोटी, सलाद , सप्ताह में कम से कम दो बार पनीर की सब्जी
- शाम 5 बजे: चाय और बिस्किट
- शाम 7.30 बजे: डिनर में दाल, चावल, सलाद, सब्जी और रोटी, सप्ताह में दो बार खीर या हलवा

" पुलिस ट्रेनिंग स्कूलों में भोजन व्यवस्था में स्टाफ की शिकायतें आईं थीं। खाने की क्वालिटी और क्वांटिंटी में सुधार के लिए यह बदलाव किया है। इससे खाने की गुणवत्ता सुधरी है।

■ **राजाबाबू सिंह**, एडीजी एवं कंप्लेन

कमेटी लेती है खान-पान के फैसले, एसपी करते हैं मॉनिटरिंग

सभी ट्रेनिंग स्कूल में ट्रेनिंग ले रहे आरक्षकों की मेस कमेटी ने ही अपने स्तर पर केटरिंग वालों से संपर्क कर उन्हें खाना बनाने का ठेका दिया है। गुणवत्ता बनी रहे इसलिए कमेटी के एक या दो मेंबर खाना पकाते समय किचन में रहते हैं। प्रशिक्षुओं के लिए आने वाले दूध, आटा, दाल, चावल, सब्जी, फल की गुणवत्ता की भी जांच मेस कमेटी रेगुलर तौर पर करती है। यदि खाने-पीने के सामान में किसी तरह की गड़बड़ी मिलती है तो तत्काल इसकी जानकारी ट्रेनिंग स्कूल के एसपी को दी जाती है। इसके साथ ही सभी ट्रेनिंग स्कूलों के एसपी को भोजन व्यवस्था की रेगुलर मॉनिटरिंग के निर्देश भी जारी किए गए हैं। भोजन व्यवस्थआ के बदलाव के बाद अब ट्रेनी को महीने भर के इस भोजन के बदले केवल 3 हजार से 3200 रुपए चुकाने पड़ रहे हैं, जबकि इससे पहले आरक्षक इसके लिए 3500 रुपए तक दे रहे थे। इसके अलावा इन आरक्षकों को मेन्यू में ज्यादा पौष्टिक सामग्री को शामिल करने की जानकारी भी दी जा रही है।

72 करोड़ का गांजा जब्ती मामला: बैंकॉक में बैठे ऑपरेटर के खिलाफ जारी होगा रेड कॉर्नर नोटिस

तस्करों को ट्रिप के हिसाब से होता था भुगतान

मुख्य संवाददाता, भोपाल। डीआरआई द्वारा भोपाल रेलवे स्टेशन के साथ बेंगलुरु के केसीआर स्टेशन से गिरफ्तार तस्कर ने खुलासा किया है कि उन्हें गांजे की खेप ले जाने के लिए ट्रिप के हिसाब से भुगतान होता था। दिल्ली में बैठा सरगना ही बेंगलुरु और अन्य स्थानों पर बैंकॉक से आने वाले गांजे (हाइड्रोपोनिक वीड) को लाने और ले जाने का इंतजाम करता था। डीआरआई के सूत्रों के पूछताछ में तस्करों ने यह भी उजागर किया है कि उन्हें ट्रेन छूटने के समय पर ही स्टेशन के बाहर आकर पार्सल दिया जाता था, जिसे वे अपने बैग में छिपा लेते थे। दिल्ली वाला सरगना ही इनके बेंगलुरु और दिल्ली आने-जाने और ठहरने का इंतजाम करता था। इन तस्करों को इस बात की जानकारी नहीं है कि यह गांजा बेंगलुरु तक कैसे आता था। उन्हें एक ट्रिप के लिए 10 से 15 हजार रुपए मिलते थे और होटल में ठहरने और टिकट बुक कराने का जिम्मा सरगना का होता था। दिल्ली में तस्करों से स्टेशन के बाहर निकलते ही डिलेवरी ले ली जाती थी। इन तस्करों की सिर्फ मोबाइल पर ही सरगना से बात होती थी और उससे कभी मुलाकात नहीं हुई। तस्करों ने बताया है कि वे सोशल मीडिया के जरिए उसके के संपर्क में आए थे। इस मामसे में डीआरआई की इंदौर यूनिट को कार्रवाई के लिए भोपाल भेजा गया था। इस टीम ने भोपाल स्टेशन पर बेंगलुरू से आ रही राजधानी एक्सप्रेस में सवार दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से लगभग 25 करोड़ का गांजा जब्त किया था। इसके बाद डीआरआई की बेंगलुरू यूनिट ने वहां के केसीआर स्टेशन पर छापा मारकर ट्रेन में सवार होने जा रहे दो तस्करों और अगले दिन एक होटल में बैंकॉक से आए एक तस्कर को गिरफ्तार कर लगभग 47 करोड़ का गांजा जब्त किया था। इस बीच पुख्ता इनपुट के जरिए डीआरआई की दिल्ली यूनिट ने गिरोह के सरगना को भी गिरफ्तार कर उसके पास से एक करोड़ से अधिक का कैश बरामद किया था। भोपाल में पकड़े गए तस्करों को टीम भोपाल से इंदौर ले गई थी।

ऑपरेटर के खिलाफ भी एक्शन की तैयारी

डीआरआई ने सरगना से पूछताछ में गिरोह के बारे में जानकारी हासिल की है। सरगना के अनुसार वह दिल्ली-एनसीआर के इलाके में ही गांजा मंगाकर ग्राहकों को बेचता था। इस गिरोह का मुख्य ऑपरेटर बैंकॉक में है और वही गांजे को भारत तक भेजने का इंतजाम अपने नेटवर्क के जरिए करता था। पूछताछ में ये साफ हो गया है कि पहले ये ऑपरेटर अपने नेटवर्क के जरिए बैंकॉक से मुंबई में गांजे की डिलेवरी करता था लेकिन कुछ समय से इसने बेंगलुरू को अपना नया ठिकाना बना लिया है। इस ऑपरेटर का नाम डीआरआई को पता चल गया है और उसके बारे में रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की तैयारी है।

फालोअप जगदीशपुर में ड्रग्स फैक्ट्री से 92 करोड़ का मेफेड्रोन जब्त होने का मामला

रज्जाक-फैजल के खाते में करोड़ों का ट्रांजेक्शन

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी में 92 करोड़ रुपए की मेफेड्रोन ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ होने के बाद मामले में नित नए खुलासे हो रहे हैं। जांच में सामने आया है कि इस पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड तुर्किए में बैठा दाउद इब्राहिम का करीबी सलीम डोला है। चौंकाने वाली बात यह है कि सलीम डोला के नेटवर्क के जरिए लगातार करोड़ों रुपए इस फैक्ट्री के लिए भेजे जाते थे। इसके बावजूद ड्रग्स बनाने वाले आरोपी रज्जाक और फैजल कुरैशी खुद आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। डीआरआई कई बार उनके घरों और पुश्तैनी ठिकानों पर जाकर भी छानबीन कर चुकी है। इस जांच में यही पता चला है कि रज्जाक और फैसल आर्थिक तंगी से परेशान थे। डीआरआई की छानबीन में खुलासा हुआ है कि पिछले एक साल में मनी ट्रांजेक्शन के जरिए गुजरात से रज्जाक और फैजल के खातों में करोड़ों रुपए भेजे गए थे। हालांकि, यह पैसा उनके निजी इस्तेमाल के लिए नहीं था बल्कि इसका इस्तेमाल केवल कच्चे माल के सप्लायर को पेमेंट, फैक्ट्री के लिए जगह खरीदने और मशीनें लगाने के लिए किया जाता था। दोनों को इन लाखों रुपयों में से सिर्फ अपने गुजारे भर का पैसा ही मिल पाता था। आलम ये था कि उन्हें भेजे गए एक-एक पैसे का हिसाब देना पड़ता था। अपनी आर्थिक तंगी के चलते रज्जाक ने लगभग चार महीने पहले ही अपने परिवार से पुश्तैनी जायदाद में हिस्सा या तीन लाख रुपए मांगे थे।

सीधे-सादे छात्र से बन गया तस्कर

विदिशा के दाउद बसौदा गांव के एक किसान परिवार से नाता रखने वाले रज्जाक ने विदिशा से पॉलिटेक्निक डिप्लोमा किया था। यहीं पर उसकी मुलाकात अशोकनगर निवासी फैजल कुरैशी से हुई थी। परिवार का दावा है कि रज्जाक को फैजल ने फंसाया है। हालांकि, रज्जाक के सोशल मीडिया पोस्ट से पता चला है कि वह साल 2023 और 2024 में कई बार गुजरात और मुंबई गया था। बताया जा रहा है कि वह फैजल से मिलने के लिए ही वहां गया था। रज्जाक के परिवार वालों को उसके भोपाल स्थित फ्लैट की जानकारी भी नहीं है।

नौकरी छोड़कर फैजल ने डाला था रज्जाक के फ्लैट पर डेरा

जांच में सामने आया है कि दाउद इब्राहिम के करीबी सलीम डोला के कहने पर ही फैजल ने गुजरात में अपनी नौकरी छोड़कर भोपाल में डेरा डाला था। फैक्ट्री के लिए जगह तलाशने के लिए फैजल करीब दो महीने तक रज्जाक के भोपाल स्थित फ्लैट में ही रहा था। इस दौरान दोनों ने भोपाल में एक महीने तक कई स्थानों पर मकान देखे और अंत में जगदीशपुरा का वो मकान पसंद किया, जहां कोई रहने को तैयार नहीं था। आसपास के लोग इस मकान को मनहूस मकान कहते थे क्योंकि पिछले आठ सालों में इसका सौदा तीन बार होने के बाद भी कोई खरीदार यहां नहीं रुका था।

बरेली के 280 कांग्रेसियों ने थामा भाजपा का दामन

मुख्य संवाददाता, भोपाल। रायसेन जिले के उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र के बरेली से कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष राजेश उपाध्याय सहित 280 से अधिक कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद और प्रदेश शासन के मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल की मौजूदगी में इन सभी ने भाजपा की सदस्यता ली। इस दौरान नव-सदस्यता लेने वालों का स्वागत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष खण्डेलवाल ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में अब जमीनी कार्यकर्ताओं का मूल्यांकन नहीं है और वहां सिर्फ सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वालों का सम्मान होता है, जबकि भाजपा में कोई कार्यकर्ता छोटा-बड़ा नहीं होता, सबको समान सम्मान मिलता है।

कांग्रेस में नहीं कार्यकर्ताओं की परख

इन सभी कार्यकर्ताओं को बीजेपी में शामिल होने पर संबोधित करते हुए खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर गरीबों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस सबसे लंबे समय तक शासन के बाद भी गरीबों के लिए मकान, सड़क और बिजली जैसी बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं किया। इस दौरान कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश उपाध्याय ने कहा कि कांग्रेस में अब कार्यकर्ताओं की कोई पूछ-परख नहीं होती, इसलिए उन्होंने यह फैसला लिया। कांग्रेस छोड़कर भाजपा ज्वाइन करने वालों में रायसेन के जिला यूथ कांग्रेस महामंत्री आदित्य स्थापक, सेक्टर अध्यक्ष राजेश पचौरी, माखन धाकड़, अशोक घनघोरिया, रिटायर्ड डीएसपी सुरेश धामले, रामकिशोर राजोरिया, नवनीत भार्गव (वकील) आदि शामिल हैं।

लगातार बारिश से नर्मदा नदी सहित छोटे नदी-नाले उफान पर

प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर ने निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए निर्देश

जागरण, डिंडोरी । जिले में हो रही लगातार बारिश के चलते नदी नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। छोटे-बड़े नदी-नाले उफान पर हैं और नर्मदा नदी का जलस्तर भी खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। नर्मदा किनारे बने मंदिर एवं घाट जलमग्न हो चुके हैं, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नर्मदा किनारे एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें तैनात की गई हैं। कई स्थानों पर पुल के ऊपर से पानी बह रहा है, जिससे आवागमन बाधित हुआ है। जिला प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए लगातार पल-पल की जानकारी एकत्रित कर रहा है।प्रभारी कलेक्टर व सीईओ जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर ने रविवार को डिंडोरी मुख्यालय सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर परिषद एवं राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने डेम घाट, बड़ा पुल, इमली कुटी घाट, और जोगी टिकरिया घाट जैसे प्रमुख स्थलों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए, ताकि आपदा की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।इस अवसर पर उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे जलमग्न पुल-पुलियों पर आवागमन न करें तथा नर्मदा नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए किनारे पर जाने से बचें। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुजन भी दूर से ही मां नर्मदा नदी का दर्शन करें और स्वयं तथा अपने परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

श्रद्धालुओं को मिले स्वच्छ पेयजल इसलिए एसबीआई ने भेंट किए चार वाटर कूलर

छतरपुर । दुनिया भर से बागेश्वर धाम आने वाले धर्म प्रेमियों को अब स्वच्छ पेयजल मिल सकेगा, इसके लिए भारतीय स्टेट बैंक ने चार वाटर कूलर बागेश्वर धाम जन सेवा समिति को सौंपे हैं। ऐसा नहीं है कि पूर्व में बागेश्वर धाम में स्वच्छ पेयजल नहीं मिल रहा था लेकिन प्रमुख स्थानों में एसबीआई द्वारा सौंपे गए वाटर कूलर लगाने से पेयजल और आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अविनाश कुमार सिंह ने वाटर कूलर की चाबियां बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को सौंपी। एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक अविनाश कुमार सिंह ने बताया कि प्रत्येक वॉटर कूलर की क्षमता 400 लीटर है। भारतीय स्टेट बैंक की बागेश्वर धाम शाखा की ओर से सिद्ध तीर्थ बागेश्वर धाम में लगाये जा रहे 4 वॉटर कूलर से कुल 1600 लीटर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। श्री सिंह ने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक का उद्देश्य है कि देशभर से आने वाले श्रद्धालु स्वच्छ पेयजल ग्रहण करें ताकि वे बीमारियों से बच सकें। उन्होंने बागेश्वर महाराज को वाटर कूलर की चाबियां भेंट कीं। उल्लेखनीय है कि समय-समय पर भारतीय स्टेट बैंक सोशल बैंकिंग के तहत समाज हित के ऐसे कार्य करता रहता है। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक के अलावा मुख्य प्रबंधक रविंद्र श्रीवास, शाखा प्रबंधक बागेश्वर धाम संजय भाटिया व अंकित मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

जागरण, मंडला । स्वास्थ्य परीक्षण स्वस्थ विद्यालय परिकल्पना को साकार करता है और नीट परीक्षा प्रतिभागियों के समक्ष डॉक्टर्स की टीम बैठी हो तो विद्यार्थियों में नवीन ऊर्जा का संचार होता है नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा ने स्वास्थ्य शिविर के उद्घाटन सत्र में यह बात कही। स्वस्थ मन मस्तिष्क से ही सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है। दैनिक गतिविधियों को अनुशासित कर हम रुग्णता से बच सकते हैं। मेंटल हेल्थ पर केंद्रित हो आज की जरूरत है। यह बात आर.एम.ओ. जिला चिकित्सालय डॉक्टर प्रवीण कुमार उइके ने कहीं। प्राचार्य श्रीमती कल्पना नामदेव ने विद्यार्थियों को अवगत कराया कि वर्षाकाल में वायरल संक्रमण बढ़ता जा रहा है इस कारण विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण आवश्यक था। विद्यार्थियों की अन्य समस्या का भी पता चलेगा। डॉक्टर्स के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। करियर काउंसलर श्री अखिलेश उपाध्याय ने मंच संचालन कर शरीरम खलु धर्म साधनम के दर्शन पर बात की। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय मंडला के डॉक्टर्स ने विद्यालय के विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान जिन बच्चों में मौसमी बुखार, जुकाम के लक्षण देखे गए उन्हें दवाइयां वितरित की गईं। जिन बच्चों के स्वास्थ्य में कुछ जटिल समस्याएं परिलक्षित हुई जिला चिकित्सालय आने की सलाह दी गई। स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में रेडक्रॉस, स्काउट, एनएसएस, इको क्लब ओजस क्लब के बच्चों का विशेष योगदान रहा। स्वास्थ्य शिविर के दौरान चिकित्सकों की टीम के अलावा विद्यालय स्टॉफ से श्री कन्हैया बरमैया, श्री शैलेष जयसवाल, श्री आशीष बाजपेई, श्री देवेंद्र कछवाहा, श्री प्रवीण अग्रवाल, श्री दिलेन्द्र सिंगौर, श्री नागेंद्र चैहान, श्री नाथू सिंह धोसी, श्री प्रखर पटेल, श्रीमती शालिनी साहू, श्रीमती रंजना पांडे, श्रीमती सोनल अग्निहोत्री, श्रीमती मातेश्वरी परस्ते, श्री संजय धनगर, श्रीमती कीर्ति शुक्ला, श्रीमती शालिनी साहू, श्री अरुण दुबे का योगदान रहा।

गणेश चतुर्थी और ईद मिलादुन्नवी को लेकर थाने में हुई शांति समिति की बैठक

लवकुशनगर । गणेश चतुर्थी और ईद मिलादुन्नवी के पर्व को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से एसडीओपी नवीन दुबे, टीआई अजय अम्बे,तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित समाज के मुखिया और नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे । नगर में तीन स्थानों में गणेश जी की प्रतिमा रखी जायेगी। गणेश पंडाल के सभी समिति के लोग उपस्तिथ रहे। टीआई अजय अम्बे ने कहा कि सावधानी पूर्वक टेंट, लाइट लगवाए। टीआई ने बताया कि मूर्ति विसर्जन के दिन छतरपुर रोड में ऑक्टोहा तिगैला, बस स्टैंड, सहित शहर के अन्य स्थानों में पुलिस बल मौजूद रहेगा इसके अलावा आसामाजिक तत्वों पर पुलिस की नजर रहेगी । इसके अलावा ईद मिलादुन्नवी के निलकने वाले जुलूस की जानकारी ली जिसमे पुलिस व्यवस्था रहेगी। टीआई ने कहा की पर्व को शांति पूर्ण तरीके से मनाए।

गणेश चतुर्थी पर मिट्टी की मूर्तियों से करें बप्पा का स्वागत

छतरपुर । गणेश चतुर्थी का पर्व नजदीक है और इस बार छतरपुर की श्री संकट मोचन सेवा समिति पर्यावरण के अनुकूल उत्सव की दिशा में एक खास पहल कर रही है। दरअसल समिति के तत्वावधान में विश्वविख्यात मूर्तिकार दिनेश शर्मा, लोगों को अपने हाथों से मिट्टी की गणेश प्रतिमाएँ बनाना सिखाएंगे, जो पर्यावरण संरक्षण में योगदान देंगी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक श्री संकट मोचन सेवा समिति के तत्वावधान में छतरपुर में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मूर्तिकार दिनेश शर्मा लोगों को मिट्टी से गणेश प्रतिमाएँ बनाने की कला सिखा रहे हैं, ताकि गणेश चतुर्थी पर घर-घर में मिट्टी की मूर्तियाँ स्थापित की जाएंग। उल्लेखनीय है कि दिनेश शर्मा की बनाई छोटी-बड़ी और विशाल मूर्तियाँ देश-विदेश में संग्रह की जाती हैं। वे पिछले दो महीनों से वे आकर्षक मिट्टी की मूर्तियाँ बना रहे हैं, जो हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना के लिए स्थापित की जाएंगी। वे पर्यावरण प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए, प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) और प्लास्टिक की मूर्तियों पर प्रतिबंध को देखते हुए मिट्टी की मूर्तियों पर जोर दे रहे हैं। ये मूर्तियाँ पानी में आसानी से घुल जाती हैं, जिससे नदियाँ और पर्यावरण सुरक्षित रहता है।

प्रकाशमणि दादी की 18वीं पुण्यस्मृति पर डेढ़ दर्जन लोगों ने किया रक्तदान

जागरण, खजुराहो । ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यस्मृति पर रक्तदान शिविर आयोजित कर सच्ची श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर डेढ़ दर्जन लोगों ने रक्तदान के माध्यम से पुण्य कार्य में हिस्सा लिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक खजुराहो सेवा केंद्र में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ दादी प्रकाशमणि को श्रद्धा सुमन अर्पित कर और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष कविता सिंह रानी साहिबा, रेडिसन होटल की जीएम विजया दत्ता, मिसेज मध्यप्रदेश 2025 (ब्यूटी विद पर्पस और मिसेज ग्रेसफुल) शिल्पी जैन, जो भारतीय जनता पार्टी खजुराहो की मंडल उपाध्यक्ष और अरिहंत एवं स्वर्णोदय महिला मिलन परिषद की अध्यक्ष हैं, आरडीएस स्कूल की प्राचार्य रेखा सिंह, सूर्या होटल के संचालक नितिन जैन, यश वर्धन सिंह, प्रभात सिंह, मयूर अग्रवाल, सौभाग्य अग्रवाल, अर्जुन सिंह परमार, रागिनी परमार, प्रमोद विश्वकर्मा, अर्जुन सिंह बुंदेला, दीपक साहू, दिनेश सोनी, धर्मेंद्र कुमार, अशोक पुष्पक और आकाश कुमार ने रक्तदान किया। कविता सिंह रानी साहिबा ने कहा कि रक्तदान से किसी का जीवन बचाना सौभाग्य की बात है। शिल्पी जैन ने रक्तदान को महापुण्य बताते हुए आयोजकों का आभार जताया। विजया दत्ता ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के इस नेक कार्य में समय निकालकर शामिल होना गर्व की बात है। कार्यक्रम के अंत में सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र और मेडल से सम्मानित किया गया।

मिट्टी से जीवनोपयोगी वस्तुएँ तैयार करने की कला आत्मनिर्भर भारत की भावना को सशक्त करती है : मंत्री संपतिया उईके

मंडला । लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने कहा कि कुम्भ कार समाज का यह कार्यक्रम अपने आप में महत्वपूर्ण है। कुम्भकार समाज केवल कला और परिश्रम का ही प्रतीक नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मिट्टी से जीवनोपयोगी वस्तुएँ तैयार करने की कला आत्मनिर्भर भारत की भावना को सशक्त करती है। यह समाज अपनी मेहनत और कौशल से देश की अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक धरोहर को मजबूती प्रदान करता है। मंत्री श्रीमती उईके पीएमश्री कालेज आफ एक्सीलेंस के आडिटोरियम हाल में अखिल भारतीय प्रजापति कुम्भकार संघ के कुम्भकार महोत्सव में उपस्थित जनों को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा कारीगरों और परंपरागत हस्तशिल्प से जुड़े समाजों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएँ चलाई जा रही हैं। 'वोकल फॉर लोकल', 'प्रधानमंत्री मुद्रा योजना', 'स्टार्टअप इंडिया' और विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से इस समाज को आर्थिक सशक्तिकरण और नए अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार भी प्रशिक्षण, विपणन और वित्तीय सहयोग के जरिए कुम्भकार समाज की प्रतिभा को प्रोत्साहन दे रही है।इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज के नागरिकों को सम्मानित कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

पिपरिया एकलव्य विद्यालय कांड : शिल्पा मरावी की मौत पर गोंडवाना पार्टी का आक्रोश, निवास में उग्र प्रदर्शन

जागरण, मंडला । निवास विकासखंड के ग्राम पिपरिया स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में छात्रा शिल्पा मरावी की मौत और डेढ़ दर्जन से अधिक छात्र-छात्राओं के बीमार होने का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। उचित कार्यवाही न होने से आक्रोशित गोंडवाना गणतंत्र पार्टी और गोंडवाना यूनियन स्टूडेंट ने शुक्रवार को निवास में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की शुरुआत शिल्पा मरावी को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने रैली निकालते हुए प्रशासन के खिलाफ नारेबाज़ी की। बरसते पानी में भी प्रदर्शनकारी लगातार विरोध करते रहे। आक्रोश इतना बढ़ा कि राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह तिराहे पर चक्का जाम कर दिया गया। लगभग डेढ़ घंटे तक मार्ग बंद रहने से तीनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि दोषियों पर केवल निलंबन की कार्यवाही न होकर सीधे बर्खास्तगी और आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाएँ। साथ ही मृतिका के परिजनों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग भी रखी गई। प्रदर्शन के दौरान गुस्साए कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का पुतला भी दहन किया। स्थिति को काबू करने के लिए नगर परिषद की फायर ब्रिगेड द्वारा वाटर कैनन का उपयोग किया गया, हालांकि तब तक पुतला जल चुका था। इस बीच प्रदर्शनकारियों और पुलिस बल के बीच गहमागहमी भी देखने को मिली। आंदोलन के दौरान निवास क्षेत्र के साथ ही टिकारिया, बीजाडांडी, मोहगांव और मनेरी चौकियों से भारी पुलिस बल तैनात किया गया। बाद में राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन निवास एसडीएम सी.एल. वर्मा को सौंपा गया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद ही प्रदर्शनकारियों ने मुख्य मार्ग खाली किया।

सफाई कर्मचारियों पर हमलों के विरोध में हुआ प्रदर्शन

छतरपुर । पिछले दिनों शहर के अलग-अलग स्थानों पर सफाई कर्मचारियों के साथ हुई मारपीट और अभद्र व्यवहार की घटनाओं से नाराज भारतीय सफाई मजदूर संघ ने शनिवार को कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है। दो दिन में कार्रवाई न होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी गई है। भारतीय सफाई मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष आदित्य वाल्मीकि के नेतृत्व में सैकड़ों नगर पालिका कर्मचारियों ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। आदित्य ने बताया कि 14 अगस्त को नगर पालिका सुपरवाइजर अमर वाल्मीकि के साथ पुष्पेंद्र कुशवाहा ने गाली-गलौज और मारपीट की, जिसकी शिकायत सिटी कोतवाली में दर्ज की गई, लेकिन पुष्पेंद्र के राजनीतिक प्रभाव के कारण अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके अलावा, 22 अगस्त को पन्ना रोड पर एक अन्य कर्मचारी उमेश के साथ तीन अज्ञात लोगों ने मारपीट की, जिसकी रिपोर्ट सिविल लाइन थाने में दर्ज है, लेकिन आरोपियों की पहचान नहीं हुई। आदित्य ने कहा कि सफाई कर्मचारी पूरी निष्ठा से शहर को स्वच्छ रखते हैं, फिर भी असामाजिक तत्वों द्वारा उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की जाती है। कई मामलों में कार्रवाई नहीं होती, और दोषी खुलेआम घूमते हैं, जिससे कर्मचारियों का मनोबल टूटता है और वे असुरक्षित महसूस करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर दो दिन में आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो जिले भर में सफाई कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी जिला और पुलिस प्रशासन की होगी।

लाडली बसेरा बालिका अनाथालय की बच्चियों के भेंट की पाठ्य सामग्री

जबलपुर, जागरण । जबलपुर स्थित एक बालिका अनाथालय की बच्चियों को केनरा बैंक द्वारा पाठ्य व अन्य जरूरत की सामग्री भेंट की गई। यह उल्लेखनीय कार्य कैनरा बैंक आफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव रवि कुमार, संयुक्त महासचिव केके त्रिपाठी के आयोकत्व में किया गया। समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए जबलपुर स्थित लाडली बसेरा बालिका अनाथालय में एक एसोसिशन द्वारा सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम के दौरान केनरा बैंक के रीजनल हेड आर डी शर्मा, सीबीओए के रीजनल सेक्रेटरी रूपक कमल गौतम, जिला सचिव अभिषेक तिवारी, रीजनल चेयरमैन दीपशिखा मालवीय तथा अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अनाथालय की बच्चियों से आत्मीय संवाद किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर बच्चियों को आवश्यक वस्तुएँ जैसे स्टेशनरी, खाद्य सामग्री, स्वच्छता किट प्रदान की गईं। साथ ही मनोरंजक एवं प्रेरणादायी गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिससे बच्चियों में आत्मविश्वास और उत्साह का संचार हुआ। इस अवसर पर सीबीओए के रीजनल सेक्रेटरी रूपक कमल गौतम ने कहा कि कैनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन सदैव समाज सेवा और मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता देता है। लाडली बसेरा जैसी संस्थाएँ न केवल बच्चों को आश्रय देती हैं, बल्कि उनके भविष्य को सुरक्षित और सशक्त बनाने का कार्य भी करती हैं। हमें गर्व है कि हमें इनके साथ सहयोग का अवसर मिला। लाडली बसेरा प्रबंधन ने इस पहल की सराहना की। कैनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन ने कहा कि समय-समय पर विभिन्न सामाजिक एवं जनहितकारी गतिविधियों का आयोजन करता रहा है और आगे भी ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। इस अवसर पर पूर्णिमा त्रिपाठी, सत्यदीप जैन, सनत मिश्र, रवींद्र सिंह दांगी सहित अन्य मौजूद रहे।

डिंडोरी कलेक्टर और शाहपुरा विधायक के बीच आपसी वर्चस्व को लेकर जुवानी तलवार खींची ,परेशान कर्मचारी और आम जनमानस

जागरण, डिंडोरी । डिंडोरी कलेक्टर और शाहपुरा से बीजेपी विधायक ओमप्रकाश धुर्वे के बीच आपसी वर्चस्व को लेकर जुवानी तलवार खींची गई बीते मंगलवार को विधायक शाहपुरा ने जनसुनवाई मे पहुंच कर कलेक्टर डिंडोरी के ऊपर कई आरोप लगाए जिनमे क्षेत्र के विकास और कई मुद्दे उसके बाद जुलाई मे शिक्षको के ट्रांसफर किये गए फिर उन पर रोक लगी मध्यप्रदेश शासन जनजातीय कार्य विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा 21 अगस्त 2025 को जारी आदेश के तहत जिले से संबंधित 0× प्राचार्य एवं 12 उ'च माध्यमिक शिक्षकों के प्रशासनिक स्थानांतरण, 4×8 अतिशेष शिक्षकों की पदस्थापना एवं 1×9 छात्रावास अधीक्षकों की पदस्थापना को निरस्त कर दिया गया है। रोक लगने के तुरंत दूसरे दिन कलेक्टर डिंडोरी ने फिर पत्र लिखा जिसमें शासन की स्थानांतरण नीति वर्ष 2025 के अनुसार स्पष्ट किया गया है कि किए गए स्थानांतरण नीति अनुरूप और निर्धारित प्रतिशत के अंतर्गत थे। वहीं, 4×8 अतिशेष शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण शासन निर्देशानुसार किया गया था, जिसका स्थानांतरण नीति से कोई संबंध नहीं है। जिला प्रशासन की चिंता डिंडौरी प्रशासन का कहना है कि आदेश निरस्त होने से जिले की अधिकांश शालाएँ पुनः शिक्षक विहीन या एक शिक्षकीय स्थिति में पहुँच जाएंगी। पूर्व में किए गए युक्तियुक्तकरण से जिले की 10× शालाएँ शिक्षक विहीन एवं ×96 शालाएँ एक शिक्षकीय थीं, जिन्हें सुधारने में 2 से × माह का समय लगा था। यदि अब बीच सत्र में यह प्रक्रिया दोबारा होती है तो शैक्षणिक सत्र 2025-26 गंभीर रूप से प्रभावित होगा।न्यायालयीन याचिकाओं की आशंका स्थिति को देखते हुए शिक्षकों द्वारा न्यायालयीन याचिकाएँ व अभ्यावेदन प्रस्तुत किए जाने की संभावना भी जताई जा रही है। इससे आने वाले दो माह और नष्ट होंगे तथा जिले की शैक्षणिक व्यवस्था अव्यवस्थित हो जाएगी।

आज से आम आदमी पार्टी का धरना प्रदर्शन

जागरण, मंडला । आज से तीन दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन आम आदमी पार्टी के द्वारा कलेक्ट्रेट मार्ग में किया जा रहा है। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान बताया कि जनहित कारी मुद्दों को लेकर आम आदमी पार्टी काम करते आ रही हैं। विगत एक साल से आम आदमी पार्टी जिले की चिकित्सा व्यवस्था पर सुधार को लेकर पत्राचार कर रही है। इसी के साथ धरना प्रदर्शन और ज्ञापन आदि भी दिए जा चुकें हैं। लेकिन कोई ठोस परिणाम सामने नही आए हैं। जिला चिकित्सालय मंडला में डॉक्टरों की कमी के साथ रिफर सेंटर का तमंगा लग चुका है छोटी-छोटी बीमारी ईलाज और ऑपरेशन के लिए मरीजों को जबलपुर मेडीकल कॉलेज रेफर किया जा रहा है जिससे मरीज और उनके परिजन परेशान हो जाते हैं। जबकि अनेक रोगो को ईलाज यहां पर किया जा सकता है। लेकिन चिकित्सक ऐसा नही करते हैं। न तो समय पर चिकित्सक अस्पताल आ रहे हैं और न ही मरीजों का सही तरीके से उपचार कर रहे हैं। जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर हो और आम नागरिकों को सही और सटीक ईलाज उपलब्ध हो इसको लेकर आंदोलन किया जा रहा है। वहीं इस आंदोलन के समर्थन में प्रदेश अध्यक्ष श्रीमति रानी अग्रवाल का मंडला आगमन हो रहा है। प्रदेश अध्यक्ष महोदया 27 अगस्त को मंडला आ रही हैं। जो कि धरना प्रदर्शन में शामिल होंगी इसी के साथ कार्यकर्ता बैठक सम्मेलन भी आयोजित किया गया है। आम आदमी पार्टी 25 अगस्त से 27 अगस्त तक जिला अस्पताल मंडला की अव्यवस्था को लेकर जन आंदोलन करने जा रही है।

अतिथि शिक्षकों के नियमितीकरण की फाइल अटकी, संगठन ने सरकार से लगाई गुहार

जागरण, डिंडोरी । मध्यप्रदेश सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग लोक शिक्षण संचालनालय में अतिथि शिक्षकों के नियमितीकरण की प्रक्रिया एक बार फिर अफसरशाही की भेंट चढ़ गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 10 साल की सेवा पूर्ण करने वाले एवं डीएड-बीएड धारक अतिथि शिक्षकों को नियमित करने के स्पष्ट निर्देश दिए थे, लेकिन विभागीय स्तर पर 16 जनवरी 2024 के आदेश के बाद भी अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो सकी है।शासकीय शिक्षक संगठन के जिला अध्यक्ष राम कुमार गर्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा जारी निर्देशों के बावजूद फाइल विभागीय दफ्तरों में लंबित है। उन्होंने मध्यप्रदेश सरकार से मांग की है कि अतिथि शिक्षकों को शीघ्र नियमित करने के आदेश का पालन करवाते हुए शिक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए। संगठन का कहना है कि वर्षों से सेवा दे रहे अतिथि शिक्षकों के नियमितीकरण से न केवल शिक्षकों को स्थायित्व मिलेगा, बल्कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित होगी।

सूने घर में हुई चोरी लाखों के जेवर और नकदी ले उड़े चोर

छतरपुर । शहर के देरी रोड पर चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाकर लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर और नकदी चुरा ली। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह वारदात देर रात उस समय हुई जब घरवाले गांव गए थे। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सिविल लाइन थाना क्षेत्र के देरी रोड निवासी महेश प्रसाद पटैरिया अपने परिवार के साथ भगवां गए थे। इसी दौरान रात करीब 2 बजे चोरों ने उनके सूने घर को निशाना बनाया।

कलेक्टर द्वारा की गयी कार्यवाही पर श्रीकान्त दीक्षित का बयान

बीमारी की स्थिति में आर्थिक रूप से तोड़ने का प्रयास
जुर्माने की कार्यवाही को बताया सुनियोजित षड़यंत्र
कहा इतनी ही दमदारी है तो सिर्फ मुझ पर ही कार्यवाही आखिर क्यों?

जागरण, पन्ना। क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यवसाई व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य श्रीकान्त दीक्षित पर विगत दिवस कलेक्टर द्वारा खनिज जुर्माने को लेकर की गई कार्यवाही की चर्चाएं आम जहां-तहां आसानी से सुनीं जा सकती हैं। इन सबके बीच आज श्री दीक्षित द्वारा उनके ऊपर हुई इस कार्यवाही को लेकर कलेक्टर की कार्यप्रणाली को आड़े हाथों लिया गया और बताया गया कि उनके हार्ट का 12 घण्टे ऑपरेशन चलने के बाद उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि चिकित्सक द्वारा उन्हें किसी भी प्रकार का तनाव न लेने और बेड रेस्ट की सलाह दी गयी है। श्री दीक्षित ने कहा कि अगर इतने ही दमदार कलेक्टर हैं तो मेरे अलावा अन्य जगह चल रहे अवैध उत्खनन पर कार्यवाही की हिम्मत आखिर वे क्यों नहीं दिखा रहे।

श्री दीक्षित ने प्रेस नोट जारी करते हुए बताया कि उनके स्वास्थ्य सम्बंधी जानकारी होने के बावजूद जान बूझकर उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। श्री दीक्षित ने कलेक्टर की कार्यवाहियों पर निशाना साधते हुए कहा कि मेरी 2004 में खरीदी गई जमीन को बिना किसी वैधानिक प्रक्रिया, बिना नोटिस और मेरी अनुपस्थिति में बैक डेटेड आदेश पारित कर शनिवार की रात को शासन के नाम दर्ज कर लिया गया। रविवार को अवकाश के दिन, बारिश की स्थिति में मेरी जमीन पर शासकीय सम्पत्ति का बोर्ड लगाकर कर्मचारियों को धमकाकर भगा दिया गया। यह सब कलेक्टर की मलाईदार पोस्टिंग की लालसा और मेरे विरोधियों के दबाव में किया गया। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से श्री दीक्षित ने बताया कि मेरे सुनहरा स्थित भवन को तोड़ने की साजिश रची गई, जिसे न्यायालय के स्टे ऑर्डर ने रोका। इतने में जब कलेक्टर का मन नहीं भरा तो खनिज अधिनियम के नियमों का खुला उल्लंघन करते हुए, बिना कोई नोटिस और बिना मेरा पक्ष सुने, अवैध उत्खनन का झूठा प्रकरण मेरे खिलाफ बनाया। मेरे द्वारा तीन साल पहले बेची गई जमीन और दो साल पहले शासन को सौंपी गई खदानों में दूसरों द्वारा किए गए उत्खनन का दोष भी मुझ पर मढ़ दिया गया। स्वीकृत क्षेत्र में उत्खनन को अवैध बताकर मेरे खिलाफ फर्जी केस बनाया गया। यह सब मेरी जान लेने की साजिश का हिस्सा है। श्री दीक्षित ने कहा कि कलेक्टर द्वारा आज तक रेत की अवैध निकासी पर कार्यवाही नहीं की गयी, जबकि रोज बड़ी मात्रा में रेत की अवैध निकासी व अवैध परिवहन हो रहा है। यह बात किसी से छुपी नहीं है परंतु रेत माफियाओं से कमीशन फिक्स होने के कारण ही उन पर कोई कार्यवाही नहीं की जाती।

प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास

श्री दीक्षित ने अपने जारी बयान में बताया कि कलेक्टर पन्ना ने उनके खिलाफ कार्यवाही से पहले ही सोशल मीडिया और प्रेस नोट के जरिये मेरी प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास किया गया। श्री दीक्षित ने कहा कि हैरानी की बात है कि जिले के अन्य भाजपा नेताओं की क्रेशरों और अवैध उत्खनन की जांच करने का साहस कलेक्टर में नहीं दिखा, जो उनके पक्षपातपूर्ण रवैये को उजागर करता है। श्री दीक्षित ने कलेक्टर की कार्यवाही को पक्षपातपूर्ण बताते हुए कहा कि जिनके खिलाफ कलेक्टर के यहां स्वयं जिला बदर के प्रकरण चल रहे हैं, ऐसे असामाजिक तत्वों की शिकायतों पर कलेक्टर की कार्यवाही उनकी निष्पक्षता पर सवाल उठाती है। श्री दीक्षित ने चेतावनी देते हुए कहा कि इस उत्पीड़न और अन्याय के खिलाफ मैं चुप नहीं बैठूंगा। श्री दीक्षित ने माननीय न्यायालय से इस मामले में स्वतंत्र जांच की मांग करते हुए पद का दुरुपयोग करने वाले प्रशासनिक मुखिया को बेनकाब करने को लेकर मीडिया व आमजन के सहयोग की अपेक्षा की गयी।

नकाबपोश बदमाशों ने नगर के करही रोड स्थित गायत्री नगर में शिक्षक के घर बोला धावा

लूटकर हुए फरार, सुबह पड़ोसियों ने कराया मुक्त

जागरण, पवई। नगर के करही रोड स्थित गायत्री नगर में शनिवार और रविवार की दरमियानी रात नकाबपोश बदमाशों ने एक शिक्षक के घर पर धावा बोल दिया। बदमाशों ने शिक्षक को बंधक बनाकर आभूषण और मोबाइल लूट लिया और मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी सुबह तब हुई जब दूध वाला घर पहुंचा और पड़ोसियों की मदद से पीड़ित को बंधन से मुक्त कराया गया। इस वारदात के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। जनशिक्षक के रूप में शासकीय उ'चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्णगढ़ में पदस्थ राजेंद्र कुमार कोंदर पिता शंकर प्रसाद कोंदर निवासी वार्ड क्रमांक 08 अजयगढ़, हाल निवासी करही रोड स्थित गायत्री नगर पवई ने थाने में आवेदन देकर बताया कि रात लगभग दो बजे अचानक नकाबपोश बदमाश घर में घुस आए। उन्होंने मारपीट कर हाथ-पैर बांध दिए और मुंह पर कपड़ा ठूंसकर कमरे में बंद कर दिया। बदमाश घर में रखी दो चांदी की अंगूठी, एक मोबाइल फोन और एक जोड़ी चांदी की पायल लेकर भाग निकले। शिक्षक ने बताया कि बदमाशों के जाने के बाद वे पूरी रात कमरे में बंधक बने रहे। सुबह दूध वाला जब दरवाजा खुला देख आवाज देने लगा और कोई उत्तर नहीं मिला तो वह सामने रहने वाले रुद्रप्रताप शर्मा को लेकर आया। दोनों घर के अंदर पहुंचे और बंधक बने शिक्षक को मुक्त कराया। घटना की खबर फैलते ही इलाके में सनसनी मच गई। पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। वहीं पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर जांच शुरू कर दी है और बदमाशों की तलाश जारी है।

75 साल से गांव में नहीं बना मुक्तिधाम, बारिश में पन्नी तानकर करना पड़ा अंतिम संस्कार

ग्राम पंचायत मातौल के ग्रामीणों की बड़ी समस्या, प्रशासन से तत्काल निर्माण की मांग

जागरण, टीकमगढ़। जिले की ग्राम पंचायत मातौल में आज़ादी के बाद से अब तक श्मशान भूमि का निर्माण नहीं होना ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या बन गया है। यहां के लोगों को अपने परिजनों के अंतिम संस्कार के समय भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ताजा मामला 87 वर्षीय बुजुर्ग रामस्वरूप तिवारी के निधन के बाद उजागर हुआ, जब रविवार को उनका अंतिम संस्कार लगातार हो रही बारिश के बीच करना पड़ा।

बारिश से बचाने पन्नी ताननी पड़ी : परिजनों और ग्रामीणों ने बताया कि चिता जलाने के दौरान चारों ओर बारिश हो रही थी। मजबूरी में उन्होंने चिता के ऊपर पन्नी तानकर अंतिम संस्कार किया। इस दृश्य ने न केवल परिजनों को पीड़ा दी बल्कि पूरे गांव को सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर 75 साल से श्मशान भूमि क्यों नहीं बनी।

साहब! बचपन से ही नहीं देखा मुक्तिधाम : गांव के बुजुर्ग लाखन सिंह ने बताया कि उन्होंने बचपन से लेकर अब तक गांव में कभी भी मुक्तिधाम नहीं देखा। इस बीच कई लोग सरपंच बने और पंचायतों की कई बार नई-नई योजनाएं आईं, लेकिन मुक्तिधाम निर्माण पर कभी ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यह गांव के लिए बेहद संवेदनशील और जरूरी विषय है, लेकिन हमेशा अनदेखा किया गया।

अंतिम यात्रा में अति है कठिनाई-ग्रामीण : गांव के लोगों का कहना है कि मुक्तिधाम न होने से हर अंतिम संस्कार एक चुनौती बन जाता है। बरसात, गर्मी या ठंड ड्ड हर मौसम में शवयात्रा और अंतिम संस्कार के दौरान लोगों को कठिनाई झेलनी पड़ती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और जनपद पंचायत से मांग की है कि तत्काल गांव में मुक्तिधाम का निर्माण कराया जाए।

जांच कर जल्द निर्माण कराया जाएगा मुक्तिधाम : इस मामले में जनपद पंचायत सीईओ मनीष शेंडे ने कहा कि गांव में अब तक मुक्तिधाम क्यों नहीं बना, इसकी जांच करवाई जाएगी। सरपंच और सचिव से पूछताछ की जाएगी। बहुत जल्द मातौल में मुक्तिधाम का निर्माण कराया जाएगा।

विधायक निधि से विकास कार्यों को मिली रफ्तार, दो ग्राम पंचायतों में भूमि पूजन संपन्न

क्षेत्र के हर गांव तक पहुंचाएंगे विकास- यादवेन्द्र सिंह

जागरण, टीकमगढ़। टीकमगढ़ विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए विधायक निधि से लगातार योजनाओं को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। रविवार को दो ग्राम पंचायतों में करोड़ों की लागत से विकास कार्यों की शुरुआत हुई। विधायक निधि से स्वीकृत कार्यों का विधिवत भूमि पूजन कर ग्रामीणों को बेहतर सुविधाओं का भरोसा दिया गया।

बाउंड्रीवाल का किया भूमिपूजन : वही ग्राम पंचायत राधापुर पोटया में 5 लाख रुपये की लागत से देवी जी माता मंदिर की बाउंड्री वॉल निर्माण का भूमि पूजन संपन्न हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से मंदिर प्रांगण में सुरक्षा दीवार की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसे विधायक निधि से पूरा किया जा रहा है। इस अवसर पर सूर्य प्रकाश मिश्रा, लक्ष्मण रैकवार, नितेश बिलगईयां, घनश्याम लोधी, मान सिंह लोधी (सरपंच), रवि लोधी, जिला पंचायत सदस्य मंगल गौड़, सरपंच गोकुल लोधी, शर्मन लोधी, बैजनाथ लोधी, नत्थू लोधी सहित सैकड़ों ग्रामीणजन और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बरसात में हो रही थी परेशानी विधायक ने किया भूमिपूजन : वहीं ग्राम पंचायत दरी नगारा में 8 लाख रुपये की लागत से श्री अमर सिंह बदान बब्बा जी स्थल तक सीसी रोड निर्माण का भूमि पूजन किया गया। ग्रामीणों ने कहा कि बरसात के दिनों में आवागमन में काफी परेशानी होती थी, अब इस सड़क के बन जाने से लोगों को सुविधा मिलेगी और ग्राम का स्वरूप भी निखरेगा। भूमि पूजन के दौरान सूर्य प्रकाश मिश्रा, महेंद्र सिंह (जसवंत नगर), लक्ष्मण रैकवार, शिवचरण लोधी (सरपंच), पवन कुमार जैन (सचिव), मंगल गौड़ (जिला पंचायत सदस्य), रवि लोधी, घनश्याम लोधी, मान सिंह लोधी (सरपंच), पुष्पेंद्र यादव (सरपंच-अंतोरा), नितेश बिलगईयां, प्रमोद राय, शर्मन लोधी, प्रसून क्षत्रिय, राहुल जैन, महेश रैकवार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे।

सर्वांगीण विकास पर किया जाएगा खर्च- विधायक यादवेन्द्र सिंह : इस अवसर पर विधायक यादवेन्द्र सिंह ने कहा कि टीकमगढ़ विधानसभा क्षेत्र के हर गांव और हर बस्ती का विकास हमारी प्राथमिकता है। विधायक निधि का एक-एक रुपया जनता के हित और ग्रामों के सर्वांगीण विकास पर खर्च किया जा रहा है। आने वाले समय में भी जिन ग्राम पंचायतों में बुनियादी सुविधाओं की कमी है, वहां शीघ्र ही कार्य कराए जाएंगे। हमारा लक्ष्य है कि गांवों को बेहतर सड़क, पानी, बिजली और सामुदायिक सुविधाएं उपलब्ध हों। उन्होंने आगे कहा कि धार्मिक आस्थाओं से जुड़े स्थलों का संरक्षण और वहां मूलभूत व्यवस्थाएं विकसित करना भी हमारी जिम्मेदारी है। राधापुर पोटया में मंदिर की बाउंड्री वॉल और दरी नगारा में सीसी रोड इसका उदाहरण है।

ग्रामीणों ने विधायक की आभार : वही ग्रामीणों ने विधायक को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि क्षेत्र में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं, जिससे गांवों का स्वरूप बदल रहा है। इन योजनाओं से न केवल आवागमन सुगम होगा बल्कि धार्मिक और सामाजिक स्थलों को भी संरक्षित रूप मिलेगा।

कुपोषित बच्चों की परवरिश के लिए महिलाओं को वितरित किए गए पोषण आहार किट

कलेक्टर ने जेके सीमेंट के सहयोग से नगद राशि एवं पोषण आहार किट भेंट की पोषण पुनर्वास केंद्र पन्ना में हुआ आयोजन

जागरण, पन्ना। जिले में कुपोषण एक गंभीर समस्या है इसे दूर करने के लिए निरंन्तर प्रयास किये जा रहे हैं पोषण पुनर्वास केंद्र पन्ना में उपचार कराकर स्वस्थय हो चुके ब'चों में दोबारा कुपोषण न हो इस उद्देश्य से जागरूकता एवं प्रोत्साहन के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया सर्वप्रथम कार्यक्रम का संचालन करते हुए पोषक प्रशिक्षक रश्मि त्रिपाठी ने कार्यक्रम की जानकारी दी तत पश्चात अतिथियों का स्वागत किया कलेक्टर सुरेश कुमार एवं जेके सीमेंट यूनिट के हेड कपिल अग्रवाल ने दीप प्र'वलित किया, मंन्चासीन अतिथियों को पुष्प गु'छ भेंट किए गए जेके सीमेंट के प्रोजेक्ट हेड कपिल अग्रवाल ने कहा कि हमारी कंम्पनी अपने सामाजिक दायित्व के अंन्तर्गत जनहित में ऐसे कार्य करती है उसी क्रम में हमने इन कुपोषित परिवारों को चुनकर सहयोग किया है इस तरह के कार्यक्रम हम निरंतर करते रहेंगे

बच्चों के स्वास्थ्य की देखरेख माताओं की पहली जिम्मेदारी : कलेक्टर

पन्ना कलेक्टर सुरेश कुमार ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि ब'चों में कुपोषण गंम्भीर चिंता का विषय है इसके लिए प्रथम जिम्मेदारी उनके अभिभावकों की है जिन्होंने गर्भावस्था के दौरान माताओ को अ'छा आहार नहीं दिया गया जिससे उनके ब'चे कमजोर हुए अब उन्हें स्वस्थ रखने के लिए हम लोग इस तरह के कार्यक्रम कर रहे हैं, कलेक्टर ने आगे कहा ब'चों का कुपोषण दूर करने के लिए सरकार की योजना के तहत पोषण पुनर्वास केंद्र में ब'चे एवं माता को भर्ती कराकर स्वास्थ्य किया जाता है जो ब'चे स्वस्थ होकर चले गए हैं उन्हें दोबारा ऐसी समस्या न हो इसलिए इस कैंप का आयोजन कर पोषण किट और 1हजार नगद राशि वितरित की है कलेक्टर ने कहा कि हमें उम्मीद है कि अब माता अपने ब'चों की अ'छे से परवरिश करेंगी कलेक्टर सुरेश कुमार एवं जेके सीमेंट के यूनिट हेड कपिल अग्रवाल के साथ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश तिवारी,महिला एवं बाल विकास के जिला परियोजना समन्वयक अवधेश कुमार सिंह,सिविल सर्जन डॉक्टर आलोक गुप्ता एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर जितेंद्र खरे ने महिलाओं को पोषण किट वितरित करते हुए ब'चों को लंम्बे समय तक स्वस्थ कैसे रखा जाए इसकी जानकारी प्रदान की अतिथियों ने पोषण पुनर्वास केंद्र में हो रहे कार्यों की तारीफ की इस दौरान जेके सीमेंट के कमर्शियल हेड मनोज सोनी, सीएसआर हेड मनीष कुमार शर्मा, पराग त्रिपाठी,शुमरथ, जिला अस्पताल प्रशासक दिव्या नागवंशी, स्टुअर्ट आरके सोनी, पोषक प्रशिक्षक रश्मि त्रिपाठी, महिला बाल विकास की सुपरवाइजर किरण खरे, अंजली गुप्ता, नीलम रेले, बड़ी संख्या में हितग्राही, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं जिला चिकित्सालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

कल्दा के आधार शिविर में 120 व्यक्ति हुए लाभांवित

जागरण, पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार के निर्देशन में पवई विकासखण्ड की ग्राम पंचायत कल्दा में जन समस्या निवारण शिविर के दौरान आधार केन्द्र का संचालन भी किया गया। इस दौरान 120 व्यक्ति लाभांवित हुए। कलेक्टर ने गत दिवस आधार केन्द्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवेदकों की सहूलियत एवं सुविधाओं के दृष्टिगत जरूरी निर्देश भी दिए। जिला लोक सेवा प्रबंधक पंकज शिवहरे ने बताया कि आधार सेंटर में 21 व्यक्तियों ने नवीन आधार के लिए नामांकन कराया, जबकि 88 ने बायोमैट्रिक अपडेट कराया। इसके अलावा 11 व्यक्तियों के डेमोग्राफिक अपडेट की कार्यवाही की गई। अब जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार शिविर की अवधि को निरंतर तीन दिवस के लिए बढ़ाया गया है, जिससे किन्हीं कारणोंवश छूटे हुए लोग भी इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकें।

गड्ढे में पेड़ गाड़कर दी चेतावनी-प्रशासन की नींद अभी तक नहीं टूटी

बस स्टैंड मार्ग की हालत खस्ताहाल, रोज गुजरते हैं अफसर फिर भी मरम्मत नहीं

जागरण, टीकमगढ़। टीकमगढ़ शहर की सबसे व्यस्त सड़क पुराना बस स्टैंड से नया बस स्टैंड मार्ग इन दिनों हादसों का अड्डा बन चुकी है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं। आलम यह है कि सोमवार को एक अनजान शख्स ने सड़क पर बने गहरे गड्ढे में पेड़ की टहनी गाड़ दी, ताकि वाहन चालक दुर्घटनाओं से बच सकें। यह दृश्य न सिर्फ सड़क की बदहाली को उजागर करता है, बल्कि प्रशासन की लापरवाही पर भी बड़ा सवाल खड़ा करता है।

दिन व दिन बढ़ता जा रहा हादसों का खतरा : इस मार्ग से रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं, जिनमें जिले के कलेक्टर और अधिकारी भी शामिल हैं। बावजूद इसके सड़क की मरम्मत की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया। टू-व्हीलर चालकों और स्कूली बच्चों को सबसे ज्यादा जोखिम उठाना पड़ रहा है। बरसात में गड्ढे पानी से भर जाते हैं और इनका अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि छोटे-बड़े हादसे आए दिन होना आम बात हो गई है।

क्या हमें ही भरने होंगे गड्ढे? : वही नागरिको का कहना है कि यदि प्रशासन इसी तरह अनदेखी करता रहा, तो शायद गड्ढों को भरने और चेतावनी संकेत लगाने का जिम्मा भी जनता को ही उठाना पड़ेगा। राहगीरों ने तंज कसते हुए कहा की प्रशासनिक अधिकारियों की गाड़ियां तो निकल जाती हैं, लेकिन आम जनता की जान रोज दांव पर लगती है।

लोगो की कलेक्टर से है आस : इस सड़क से रोजाना कलेक्टर का भी आना-जाना होता है। बावजूद इसके सड़क की दुर्दशा जस की तस है। लोगों ने कलेक्टर से मांग की है कि वे तत्काल संज्ञान लेकर सड़क की मरम्मत करवाएं। आमजन का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

फ्यूचर सक्सेस ट्रेनिंग सेंटर के संचालकों पर ठगी का आरोप

छात्रों से लाखों रुपये लेकर सेंटर बंद कर भागे

जागरण, पवई। नगर में चल रहे फ्यूचर सक्सेस ट्रेनिंग सेंटर पर छात्रों से ठगी करने का गंभीर मामला सामने आया है। मोहंद्रा रोड स्थित सुशील बढ़ोलिया के मकान में संचालित इस सेंटर के खिलाफ आधा दर्जन से अधिक छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से पवई थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। छात्रों का आरोप है कि सेंटर संचालकों ने उन्हें पढ़ाई के नाम पर ?5000-5000 की राशि ली थी और स्कूटी दिलाने का लालच भी दिया था। इतना ही नहीं, कुछ छात्रों से ?6500 तक वसूले गए। छात्रों का कहना है कि दर्जनभर से अधिक विद्यार्थियों से इस तरह लाखों रुपये हड़प लिए गए हैं। आवेदकों ने बताया कि सेंटर न तो पढ़ाई कराता था और न ही वादे के अनुसार स्कूटी दी गई। अब तो हालात यह हैं कि संचालक अचानक सेंटर बंद कर वहां से फरार हो गए हैं। जिससे ठगे गए छात्रों और उनके परिजनों में आक्रोश व्याप्त है।पीड़ित छात्रों ने थाने में लिखित आवेदन देकर पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। छात्रों का कहना है कि यदि शीघ्र ही दोषियों पर कठोर कदम नहीं उठाए गए तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। पुलिस ने छात्रों की शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, नगर में इस घटना की चर्चा तेज हो गई है और लोग इसे शिक्षा के नाम पर बड़ा धोखा बता रहे हैं।

यातायात पुलिस ने साप्ताहिक बाजार में लगे माल वाहनों को हटवाया

16 वाहनों पर चालानी कार्यवाही कर वसूल किए 18500 रुपये

जागरण, पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना साई कृष्णा एस थोटा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती वंदना सिंह चौहान अनुविभागीय अधिकारी एस.पी.सिंह बघेल के दिशा निर्देशन में थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक श्रीमती नीलम लक्षकार द्वारा शहर के छत्रसाल पार्क के समीप लगने वाले साप्ताहिक बाजार में लगने वाली दुकानों को सुव्यवस्थित तरीके से लगवाने की कार्यवाही की गयी साथ ही बाजार में आने वाले भारी वाहनो को साप्ताहिक बाजार से हटवाकर थाना यातायात रखवाया जाकर चालानी कार्यवाही की गयी । साप्ताहिक बाजार को लेकर होने वाली यातायात व्यवधान से निजात पाने के लिए भारी माल वाहनों को साप्ताहिक बाजार के अंदर न लाने हेतु दिशा निर्देश दिये गये थे ताकि यातायात सुगम व सुव्यवस्थित हो सके । इसी बाजार व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी यातायात श्रीमती नीलम लक्षकार द्वारा बाजार में दुकानदारों द्वारा खड़े किये गये भारी वाहनों जिस पर बिक्री की जानी होती है उन्हे बाजार से हटवाकर साप्ताहिक बाजार में लगने वाली दुकानों को व्यवस्थित तरीके से लगवाकर इन सभी माल वाहन मालिकों/ चालकों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु थाना यातायात खड़ा किया गया जिस पर चालानी कार्यवाही की गई । साप्ताहिक बाजार के दौरान सभी दुकानदारों को निर्देशित किया कि वह अपनी-अपनी दुकानें नियत स्थानों पर ही लगावें एवं अपने अपने वाहनों को निर्धारित स्थान पर पार्क करें कोई भी माल वाहन बाजार में खड़ा न करें ताकि साप्ताहिक बाजार के दौरान अतिक्रमण की स्थिति निर्मित न हो ।

रेंजर सहित 25 कर्मचारियों ने जरूरतमंदों के लिए किया ब्लड डोनेट

जागरण, पवई। ब्रम्हकुमारी संस्था पन्ना के तत्वाधान मे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पवई मे ब्लड डोनेट शिविर आयोजित किया गया जिसमे वन परिक्षेत्र अधिकारी नीतेश पटेल सहित वन विभाग एवं पुलिस विभाग के 25 कर्मचारियों ने ब्लड डोनेट किया जो जिला चिकित्सालय मे गर्भवती महिलाओं तथा अन्य जरूरतमंद लोगो के लिए काम आता है ।

भगवान श्री जुगल किशोर मंदिर में धूमधाम से मनाया गया छठ उत्सव

जागरण, पन्ना। बुंदेलखंड के आस्था के केंद्र श्री जुगल किशोर जी मंदिर पन्ना में प्रत्येक वर्ष जन्माष्टमी के बाद छठ उत्सव धूमधाम के साथ मनाया जाता है यह कार्यक्रम नगर के उप यंत्री तथा समाजसेवी अनुपम शुक्ला द्वारा आयोजित कराया जाता है जिसमें बाहर से नाम जद भजन गायको को बुलाया जाता है इस वर्ष प्रसिद्ध भजन गायक सवाई भट्ट राजस्थान सुरभि गुप्ता मुंबई दीपक सिंह मुंबई लक्ष्मी सिंह झांसी सहित अनेक भजन गायक शामिल हुए कार्यक्रम रात्रि का 8ः00 बजे से प्रारंभ हुआ तथा रात्रि 12ः00 बजे तक चलता रहा भजनों एवं धार्मिक गीतों को सुनकर उपस्थित श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए इस दौरान सभी दर्शनार्थियों तथा श्रोताओं को गुड़ के लड्डू का वितरण किया गया।

शंकर, पार्वती, गणेश जी की प्रतिमाओ से सज गया बाजार

जागरण, पन्ना। हरितालिका व्रत एवं गणेश चतुर्थी समीप आने से बाजार में शंकर-पार्वती एवं गणेश जी की प्रतिमाये सज गई है। मूर्तिकारो के द्वारा प्रतिमाएं तीन-चार माह पूर्व से ही निर्मित करना प्रारंम्भ कर दिया गया था। दो दिन पश्चात सुहागिन महिलाये हरतालिका व्रत रखेंगी सुहाग की मंगल कामना के साथ शंकर पार्वती का पूजन देर रात्रि को किया जाता है। इन सभी महिलाओं के द्वारा रात भर मंगल गीत-गा कर रात्रि जागरण किया जाता हैं। दिन भर व्रत रखने के पश्चात दूसरे दिन सुबह मूर्ति विसर्जन के पश्चात अन्न आहार ग्रहण किया जाता है। दूसरे दिन गणेश चतुर्थी को सनातनियों द्वारा मूर्ति स्थापित कर गणेश जी की भव्य झांकी सजाकर प्रार्थना कर उनकी स्थापना करते हैं। मूर्ति स्थापना के पश्चात अनंत चतुर्दशी तक गणेश जी की पूजा- अर्चन कर मोदक का प्रसाद लगाते हैं। अनन्त चतुर्दशी को गणेश विसर्जन किया जाता है और गणेश जी के पुनः अगले वर्ष आगमन के लिए प्रार्थना की जाती है।

टाइगर रिजर्व पन्ना छह दिवसीय हाथी राजूबेशन कैम्प का हुआ समापन

जागरण, पन्ना। टाइगर रिजर्व में छह दिवसीय हाथी रिजर्वेशन कैंप का आयोजन 18 अगस्त से किया गया था जिसका विधिवत समापन 2× अगस्त को संपन्न हुआ कार्यक्रम में टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक नरेश सिंह यादव तथा उपसंचालक मोहित सूद उपस्थित रहे छह दिवसीय कार्यक्रम के दौरान अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया इस दौरान हाथियों के महावतों के बीच खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें कबड्डी वॉलीबॉल खो-खो रस्सा खींच सहित अनेक प्रतियोगिता संपन्न हुई इस दौरान हाथियों को उनकी पसंद के अनुसार फल जैसे किला गन्ना तथा मेवे के लड्डू आदि खिलाए गए कार्यक्रम के दौरान महावतों चारा काटने वालों तथा ना कर्मचारियों को वर्दी एवं कैप वितरित किए गए।

भाषा के स्किल्स को अपग्रेड करना आज के दौर में बहुत जरूरी : थापर

बच्चों ने अंग्रेजी में विभिन्न विषयों पर प्रस्तुत किए अपने सोच-विचार

डीपीएस निगाही में अंग्रेजी तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

जागरण, निगाही

दिल्ली पब्लिक स्कूल निगाही में अँग्रेजी भाषा में अन्तर.सदनीय तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसकी जानकारी देते हुए प्राचार्य सुखवन्त सिंह थापर ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने उनके अभिव्यक्त की क्षमता का विकास करने सामाजिक .राष्ट्रीय एवं सम. सामयिक मुद्दों पर सोचने और बच्चों की अँग्रेजी भाषा की सम्प्रेषण.क्षमता को परिमार्जित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष यह प्रतियोगिता कराई जाती है। कार्यक्रम का आयोजन नवनिर्मित ऑडिटोरियम में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र.छात्राओं शिक्षकों के अलावा अभिभावक भी उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि तात्कालिक भाषण की इस प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदनों के समूह बी की चौथी और पाँचवीं समूह सी की छठी से आठवीं एवं समूह डी की नौवीं से बारहवीं तक के छत्तीस प्रतिभागियों ने भाग लिया और तत्काल दिए गए विषयों पर अपनी अँग्रेजी वक्तृता शैली की प्रस्तुति की। इसके पूर्व अँग्रेजी शिक्षिका जसबीर कौर मान ने प्रतियोगिता का परिचय दिया और तत्संबंधी नियमों के बारे में बताकर विद्यालय के विद्यार्थी परिषद के कनिष्ठ वर्ग की प्रधान छात्रा भार्गवी श्रीवास्तव को स्वागत भाषण के लिए आमंत्रित किया। तत्पश्चात विद्यालय के विद्यार्थी परिषद के वरिष्ठ वर्ग की प्रधान छात्रा अभिरूपा विश्वास तथा सांस्कृतिक सचिव रोचक जैन को मंच.संचालन के लिए निर्देशित किया। तीनों समूहों के प्रतिभागियों के लिए उनके मानसिक स्तर के अनुकूल विषय विभिन्न पुरजों में निर्धारित थे जिन्हें वे चुनकर अपनी प्रस्तुति कर रहे थे। प्रतिभागियों ने सामाजिक सम.सामयिक साहित्यिक तकनीकी तथा कुछ अन्य विषयों पर अपने विचार रखे। इनके विचारों और शैलियों से श्रोतागण प्रभावित थे और तालियों से उत्साहवर्धन भी कर रहे थे। निर्णायक मण्डल के सदस्यों में प्राचार्य श्री थापर मनोज कुमार मिश्र जसबीर कौर मान और रूमा ठाकुर ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति में निहित विषयएशैलीएआत्मविश्वास आदि का निरीक्षण करके समुचित निर्णय दिये। जसबीर कौर मान एवं मनोज कुमार मिश्र ने अपने सम्बोधन में बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन और सम्प्रेषण की क्षमता के अभ्यास के लिए निर्देशित किया और बताया कि उन्हें भाषण के पूर्व के मिले समय में विषय को भली.भाँति समझकर तथा उनसे संबंधित आत्मबोध को मन में सजा लेना चाहिए और तब उन्हें प्रकट करना चाहिए जिससे वे विषयांतर से बच सकेंगे। एक अच्छे वक्ता के लिए भाषा का शुद्ध प्रयोग उच्चारण की स्पष्टता और आत्मविश्वास सबसे जरूरी है। उन्होंने प्रतिभागियों को सलाह दी की वह प्रतिदिन अंग्रेजी पत्रिका और समाचार पत्र पढ़े शब्दावली को मजबूत करें तथा मंच पर बोलने का नियमित अभ्यास करें। साथ ही भाषण देते समय भावनाओं को स्वाभाविक रूप से व्यक्त करना अत्यंत आवश्यक है। प्राचार्य श्री थापर ने अपने सम्बोधन में बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु श्रवण पाठन और लेखन कौशल पर विशेष बल देने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि इन तीनों क्षमताओं के संतुलित अभ्यास से भाषा दक्षता और आत्मविश्वास का विकास संभव है। भाषा के स्किल्स को अपग्रेड करना आज के दौर में बहुत जरूरी है। अच्छी भाषा स्किल्स विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने में मदद करती है। भाषा की स्किल से हम व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में खुद को बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने बच्चों को भविष्य में और अधिक मेहनत करने तथा ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने व्यक्तित्व और संप्रेषण कौशल को निखारने की प्रेरणा दी । इसके पश्चात विद्यालय के विद्यार्थी परिषद के वरिष्ठ वर्ग के प्रधान छात्र सत्यम आनंद ने धन्यवाद ज्ञापन किया और अंतर सदनीय प्रतियोगिता प्रभारी जसबीर कौर मान द्वारा विजित प्रतिभागियों के नामों की घोषणा की गई। जिसके अनुसार समूह बी के गंगा सदन के अन्वित पांडे ने तीसरा रावी सदन के आरुष सिंह ने दूसरा एवं झेलम सदन की प्रतिष्ठा पांडे ने पहला समूह सी के सतलज सदन के तनिष्क जायसवाल तथा दिव्यांशु साह ने तीसरा झेलम सदन की अंशी सेठ ने दूसरा तथा गंगा सदन के रुद्र प्रताप सिंह ने पहला जबकि समूह डी के रावी सदन की अवनि पांडे ने तीसरा सतलज सदन के आदर्श श्रीवास्तव ने दूसरा एवं रावी सदन की भाव्या तरुन ने पहला स्थान प्राप्त किया। अन्तर सदनीय प्रतियोगिता प्रभारी मनोज कुमार मिश्र और प्रियंका राज के प्रबन्ध.सहयोग द्वारा विजित प्रतिभागियों को प्राचार्य ने स्मृति.चिह्न प्रदान कर प्रोत्साहित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ और प्रतियोगिता सम्पन्न हुई।

हरतालिका तीज पर्व 26 को

महिलाएं अखंड सौभाग्य की कामना करने और अपने पति की लंबी आयु के लिए रखती हैं निर्जला-निराहार उपवास

जागरण, बैढ़न। वर्ष भर का सबसे महत्वपूर्ण एवं प्रसिद्ध व्रत पर्व हरतालिका तीज भाद्रपद शुक्ल पक्ष तृतीया 26 मंगलवार को है। ज्योतिषविद् पं डॉ एन पी मिश्र महाप्रबंधक शिवधाम मंदिर के अनुसार सौभाग्यवती महिलाएं अपने सौभाग्य को अक्षुण बनाए रखने तथा कन्याएं भावी जीवन के सुखी दांपत्य जीवन को प्राप्त करने के लिए इस व्रत पर्व को तपस्या की तरह निर्जल निराहार रहकर पूर्ण करती हैं। इस दिन महिलाएं अखंड सौभाग्य की कामना करने और अपने पति की लंबी आयु के लिए निर्जला.निराहार उपवास रखती हैं और भगवान भोलेनाथ का व्रत करती हैं। इस बार तीज के दिन एक या दो नहीं बल्कि पांच बेहतरीन और अद्भुत संयोग का निर्माण हो रहा है। जिससे तीज व्रत का फल कई गुना बढ़ जाएगा। ज्योतिषविद् पं डॉ एन पी मिश्र बताते हैं कि इस साल 26 अगस्त को चार विशिष्ट योग का निर्माण हो रहा है उन्होंने बताया कि उस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग शोभन योग गजकेसरी योग और पंचमहापुरुष योग का निर्माण हो रहा है इसके साथ ही इस बार का तीज व्रत मघा नक्षत्र में पड़ने के कारण और भी अधिक फलदाई हो गया है। इस बार तृतीया तिथि 25 सोमवार को दिन में 11.39 से प्रारंभ होकर 26 मंगलवार को दोपहर 12.39 तक रहेगी उदयकाल में तृतीया तिथि होने के कारण व्रत का मान 26 मंगलवार को ही होगा। व्रत की पूर्णता अर्थात पारण 27 बुधवार को प्रातः काल किया जाएगा। ज्योतिषविद् पं डॉ एन पी मिश्र के अनुसार हरतालिका तीज एक पावन और भावनात्मक पर्व है जो भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन का प्रतीक माना जाता है। यह पर्व विशेष रूप से महिलाओं के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। हर साल भाद्रपद शुक्ल तृतीया के दिन मनाया जाने वाला यह त्योहार इस बार 26 को पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस दिन विवाहित महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं और अपने पति की लंबी उम्र सुख.समृद्धि की कामना करती हैं। वहीं कई कुंवारी कन्याएं भी उत्तम वर की प्राप्ति के लिए यह व्रत करती हैं। आज के समय में कई पुरुष भी अपनी पत्नियों के साथ यह व्रत रखकर इस पर्व की भावना को और मजबूत बना रहे हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार इसी दिन माता पार्वती ने कठोर तपस्या कर शिवजी को अपने जीवनसाथी के रूप में प्राप्त किया था। यही कारण है कि यह व्रत स्त्री.शक्ति श्रद्धा और अटूट प्रेम का प्रतीक बन गया है।

एक करोड़ 49 लाख की लागत से बनेगा गोड़बहरा हाई स्कूल

जागरण सरई। जिले के तहसील क्षेत्र सरई अंतर्गत ग्राम पंचायत गोड़बहरा में बीते सत्र शासकीय माध्यमिक शाला गोड़बहरा को हाई स्कूल में उन्नयन किया गया है गोड़बहरा विद्यालय को बीते सत्र में हाई स्कूल का दर्ज प्राप्त हुआ है। ग्रामीणों का मानना है कि इसका श्रेय क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र मेंश्राम को जाता है। इस विद्यालय के भवन निर्माण के लिए विधायक द्वारा एक करोड़ 49 लाख की लागत से बनने वाली विद्यालय भवन का आज भूमिपूजन विधायक के द्वारा संपन्न किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि देवसर विधायक राजेंद्र मेश्राम कार्यक्रम के अध्यक्ष भाजपा मंडल सरई के अध्यक्ष रामधनी यादव ग्राम पंचायत गोड़बहरा के सरपंच जागेश्वर सिंह सचिव रामलाल शाह रोजगार सहायक अनुज कुमार मिश्रा के साथ ग्रामीण जनता एवं भाजपा पदाधिकारी शामिल रहे।

ग्राम पंचायत के सार्वजनिक हैंडपंप पर कब्जा

ग्रामीणों को पानी के लिए तरसना पड़ रहा

जागरण, निवास। पापल पंचायत में ग्रामीणों की प्यास बुझाने वाला सार्वजनिक हैंडपंप अब निजी स्वार्थ की भेंट चढ़ चुका है। जानकारी के अनुसार सुरेन्द्र साहू नामक व्यक्ति ने सार्वजनिक हैंडपंप को अपने कब्जे में लेकर उसे निजी उपयोग में बदल दिया है। हैरानी की बात यह है कि उन्होंने हैंडपंप में समर्शियल पंप डालकर खेतों की सिंचाई शुरू कर दी है। ग्रामीणों को पीने तक का पानी नसीब नहीं हो रहा जबकि हैंडपंप मूल रूप से सार्वजनिक हित में लगाया गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि सुरेन्द्र साहू अपने आप को भाजपा का नेता बताकर दबाव बनाते हैं और किसी को पानी भरने तक की अनुमति नहीं देते। लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं लेकिन प्रशासन चुप्पी साधे बैठा है। इससे पहले भी इस मामले की खबर प्रकाशित हो चुकी है बावजूद इसके जिम्मेदार अधिकारियों ने न तो हैंडपंप को मुक्त कराया और न ही अवैध कब्जा हटाने की जहमत उठाई। यह स्थिति साफ तौर पर प्रशासनिक लापरवाही और राजनीतिक संरक्षण का नतीजा है। सवाल यह है कि आखिर कब तक गरीब और प्यासे ग्रामीण नेताओं की मनमानी का शिकार बनते रहेंगे जनता के लिए लगाए गए हैंडपंप पर निजी कब्जा लोकतांत्रिक मूल्यों और शासन.प्रशासन की जिम्मेदारी पर करारा तमाचा है। अब देखना होगा कि प्रशासन कब जागता है और ग्रामीणों को उनके हक का पानी दिलाता है।

उज्ज्वला योजना की पोल खोलती निगरी गैस एजेंसी की मनमानी

जागरण, निवास। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना गरीब और आदिवासी महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन देने की महत्वाकांक्षी योजना है लेकिन निगरी गैस एजेंसी की हकीकत इस योजना की पोल खोल रही है। आज भी आदिवासी ग्रामीण महिलाएं टोकन लेकर गैस की तलाश में दर.दर भटक रही हैं परंतु उन्हें लाभ नहीं मिल पा रहा है। एजेंसी संचालक की मनमानी और लापरवाही से योजना का उद्देश्य ही खोखला साबित हो रहा है। ग्रामीण महिलाओं का आरोप है कि एजेंसी ने गैस चूल्हा तो दे दिया लेकिन सिलेंडर के नाम पर केवल टोकन थमा दिया गया। महीनों से इंतजार करने के बावजूद आज तक उन्हें सिलेंडर नहीं मिला। एक माह पूर्व भी यह मामला उजागर हुआ था लेकिन न शासन ने ध्यान दिया और न ही प्रशासन ने कोई कार्यवाही की। इंडियन गैस एजेंसी का गोदाम नियम अनुसार गांव से बाहर होना चाहिए और गोदाम है भी लेकिन एजेंसी संचालक पकड़ के बल पर मैन बाजार स्थित एजेंसी में ही गाड़ियां खाली कराता है। यह नियमों का घोर उल्लंघन है और कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे हुए हैं। योजना के तहत सिलेंडर घर.घर मुफ्त पहुंचना चाहिए लेकिन यहां उल्टा गरीबों से शोषण किया जा रहा है। घर पर सिलेंडर पहुंचाने के नाम पर ग्राहकों से तय दर से 50 रुपए अतिरिक्त भाड़ा वसूला जा रहा है। गरीब और आदिवासी महिलाओं के हक पर खुला डाका डालने का यह खेल लंबे समय से चल रहा है। सरकार की गरीब हितैषी योजना पर एजेंसी संचालकों की मनमानी और प्रशासन की चुप्पी सवाल खड़े कर रही है। यदि समय रहते जिम्मेदार विभाग और प्रशासन सख्त कार्यवाही नहीं करता तो यह लापरवाही किसी बड़ी दुर्घटना या जनहानि का कारण बन सकती है। अब सवाल उठता है कि आखिर कब तक गरीब महिलाएं टोकन लेकर गैस की उम्मीद में भटकती रहेंगी

विश्व हिन्दू परिषद ने हर्षोल्लास के साथ मनाया 61 वां स्थापना दिवस

जागरण शक्तिनगर। विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल जिला ईकाई रेनुकूट काशी प्रान्त के प्रखण्ड शक्तिनगर में स्थित ज्वालामुखी मंदिर के धर्मशाला में विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग ने अपना 61वां स्थापना दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जनार्दन प्रांत उपाध्यक्ष विशिष्ट अतिथि मान हेमंत मिश्रा प्रांत प्रमुख प्रशानिक सम्पर्क विभाग रहे। प्रांत उपाध्यक्ष द्वारा विश्व हिन्दू परिषद् की स्थापना कब और कैसे किन परिस्थितियों में हुई किनके उपस्थिति में हुई इसके बारे में विस्तृत रूप से बताया। प्रमुख प्रशानिक सम्पर्क विभाग हेमंत मिश्रा ने विश्व हिन्दू परिषद द्वारा समाज में किये जाने वाले कार्य मठ मंदिरो की रक्षा गौ.माता की रक्षा धर्मान्तरण पर रोक लव जिहाद पर रोक लैंड जिहाद पर रोक जैसे अनेकों कार्यक्रमो की जानकारी दिये कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखण्ड अध्यक्ष राजेश ने किया ।इस बैठक में मुख्य रूप से पंकज चौबे प्रखण्ड मंत्री रंजीत सिंह उपाध्यक्ष बिमलेश सिंह उपाध्यक्ष सुशील पांडे बरमेश्वर तिवारी प्रखंड शाह मंत्री शिवम सह संयोजक मुकेश प्रजापति आकाश केशरी अभिषेक शुभम तुषार भोला सजन सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सब राजन के राजा, तुम हो सब राजन के राजा...

श्री ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश पर्व गोरबी गुरुद्वारे में धूमधाम से मनाया गया

जागरण, सिंगरौली। गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा गोरबी में श्री गुरु ग्रंथ साहिब का प्रकाश पर्व आज मनाया गया लेकिन इसे लेकर तैयारियां पहले ही शुरू हो चुकी थी। पूरे देश के गुरुद्वारों में प्रकाश पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाता है प्रकाश पर्व में गुरुद्वारे को फूलों से सजाया गया अखंड पाठ साहब शुक्रवार को रखा गया है इसके समाप्ति आज सुबह 9. 00 बजे गुरुद्वारा साहिब में की गई प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य पर बाबा जसवंत सिंह धर्मेंद्र सिंह बाबा संतोष सिंह ने शब्द कीर्तन किया ।श्री गुरु ग्रंथ साहिब के पहले प्रकाश पर्व पर आज सुबह कीर्तन करने के लिए बनारस गुरुबाग से आये रागी जत्था भाई रक़म सिंह कीर्तन करने पहुंचे। इस अवसर के लिए भाई रक़म सिंह द्वारा संगत को कीर्तन वाणी से निहाल कर दिया । इस दौरान सिख परंपराओं की सेवा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहने वाला है। सिखों के 5वें गुरु अर्जन देव जी ने 1604 में स्वर्ण मंदिर में पहली बार गुरु ग्रंथ साहिब का प्रकाश किया था। 1430 अंग पन्ने वाले इस ग्रंथ के पहले प्रकाश पर संगत ने कीर्तन दीवान सजाए और बाबा बुड्ढा जी ने बाणी पढ़ने की शुरुआत की। पहली पातशाही से छठी पातशाही तक अपना जीवन सिख धर्म की सेवा को समर्पित करने वाले बाबा बुड्ढा जी इस ग्रंथ के पहले ग्रंथी बने।

गुरु अर्जन देव जी के शब्दों को भाई गुरदास ने लिखा

1603 में 5वें गुरु अर्जन देव ने भाई गुरदास से गुरु ग्रंथ साहिब को लिखवाना शुरू करवाया जो 1604 में संपन्न हुआ। नाम दिया आदि ग्रंथ 1705 में गुरु गोबिंद सिंह ने दमदमा साहिब में गुरु तेग बहादुर के 116 शब्द जोड़कर इन्हें पूर्ण किया। 1708 में दशम गुरु गोबिंद सिंह ने हजूर साहिब में फरमान जारी किया था सब सिखन को हुकम है गुरु मान्यो ग्रंथ। प्रकाश पर्व कार्यक्रम का कीर्तन तथा लंगर भारी बारिश के कारण गोरबी ग्राउंड के बगल में बने हॉल में किया गया । कीर्तन तथा अरदास का समापन दोपहर 3.30 बजे किया गया । जिसके बाद प्रसाद एवं लंगर गुरुद्वारा में आई समूह साध संगत को वितरित किया गया। जिसमे सिंगरौली के कई साध संगत उपस्थित रहे । समस्त कार्यक्रम बहुत धूमधाम के साथ गोरबी गुरुद्वारा में मनाया गया । जिसमें मुख्य रुप से प्रकाश पर्व में एसडीपीओ मोरवा गौरव पांडेय आईपीएस सीडीओ सोनभद्र जागृति अवस्थी आईएएस एनसीएल गोरबी के अधिकारीगण के साथ ही कमिटी के हरचरण सिह गुरुबचन सिंह देवेंद्र पाल सिंह तेजिंदर सिंह तरसेम सिंह मनमोहन सिंह हरमीत सिंह के साथ ही सिंगरौली की सेकड़ो संगत उपस्थित रही।

जल भराव वाले क्षेत्रों की लागतार करते रहे निगरानी नगर निगम अध्यक्ष

जागरण बैढ़न। जिले विगत दिवस से अतिवृष्टि से तथा प्रातः अत्यधित वर्षा से कचनी में शगुन गार्डन के पीछे जल भराव की स्थिति उत्पन होने पर निगम की टीम द्वारा तत्परता से कारवाही करते हुए आरसीसी सड़क को काटकर जल निकासी की व्यवस्था कराई गई। साथ ही वार्ड निवासी श्रीकांत द्विवेदी के घर में पानी भर जाने के कारण नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेय के निर्देश पर उन्हें प्रधानमंत्री आवास में शिफ्ट कराया गया। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों की निगम अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि जल भराव वाले क्षेत्रों की लागतार निगरानी करते रहे। अगर कही से भी ऐसी स्थिति निर्मित होने की जानकारी मिलती हैं तो तत्परता से निराकरण कराए। इस दौरान पार्षद अनिल बैस उपायुक्त आर पी बैस सहायक यंत्री सन्तोष पांडेय स्वच्छता निरीक्षक कैलाश शाह उपस्थित रहे।

एनसीएल खड़िया क्षेत्र ने यंग अचीवर्स टॉक का किया आयोजन

आईएएस जागृति अवस्थी ने युवाओं को समय प्रबंधन से सफलता का दिया मंत्र

जागरण, सिंगरौली। नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड एनसीएल के खड़िया क्षेत्र में यंग अचीवर्स टॉक श्रृंखला के अंतर्गत प्रणादायी सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आईएएस जागृति अवस्थी मुख्य विकास अधिकारी सोनभद्र एवं यूपीएससी 2020 की टॉपर ऑल इंडिया रैंक 2 बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुई। कार्यक्रम कोल इंडिया लिमिटेड की स्वर्ण जयंती व्याख्यान श्रृंखला का हिस्सा था। इस अवसर पर 250 से अधिक छात्र.छात्राएँ शिक्षकगण और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य उपस्थित रहे। सभी ने सुश्री अवस्थी की असाधारण जीवन यात्रा से गहरी प्रेरणा ली। छात्रों को संतुलित दिनचर्या अपनाने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि थकान कभी प्रतिभा का मार्ग नहीं बनती पढ़ाई के साथ विश्राम और मनोरंजन भी उतना ही ज़रूरी है। अपने व्याख्यान द्वारा सुश्री जागृति अवस्थी ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास धैर्य और अनुशासन के साथ अपने सपनों की राह पर आगे बढ़ने की नई ऊर्जा प्रदान की। सत्र के दौरान छात्रों ने यूपीएससी तैयारी तनाव प्रबंधन और करियर विकल्प जैसे विषयों पर सवाल पूछे जिसके तारतम्य मंई सुश्री अवस्थी ने सरल और स्पष्ट उत्तर से उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया इस संवाद से विद्यार्थियों को व्यावहारिक मार्गदर्शन और गहरी प्रेरणा मिली। इस अवसर पर एनसीएल खड़िया क्षेत्र के महाप्रबंधक के.डी. जैन ने कहा कि ऐसे प्रेरणादायी सत्र विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समय प्रबंधन केवल पढ़ाई ही नहीं बल्कि जीवन जीने की कला है। कार्यक्रम में डीएवी खड़िया की प्राचार्या एवं एआरओ डीएवी ईस्ट ज़ोन डी. श्रीमती संध्या पांडे ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यालय की छात्रों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया। गौरतलब है कि कोल इंडिया स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य पर एनसीएल की विभिन्न परियोजनाएं निरंतर प्रेरक व्याख्यान कार्यक्रमों का आयोजन कर रही हैं जो विद्यार्थियों के लिए सफलता का रोडमैप तैयार करने के साथ उन्हें राष्ट्र के एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में संवार भी रही हैं।

ट्रांसपोर्ट व्यवसायी परितोष बनर्जी को किया गया सम्मानित

सतना। ट्रांसपोर्ट व्यवसायी परितोष बनर्जी को ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन द्वारा सम्मानित किया गया है। श्री बनर्जी परिवहन व्यवसाय में अनवरत समर्पण एवं यातायात गतिविधियों में सहभागिता देकर अतुलनीय सुदृढ़ता प्रदान की है। उनके इस अथक प्रयासों से ट्रांसपोर्ट जगत में विशेष प्रतिष्ठा स्थापित की है। श्री बनर्जी के इस सम्मान से ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज शर्मा, महामंत्री अभिषेक जैन, जयंत चटर्जी सहित समस्त एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै घूरा कुमार शाह पिता जयनाथ शाह उम्र 38 वर्ष ग्राम नवजीवन बिहार पो. व थाना विन्ध्यनगर तहसील व जिला सिंगरौली म.प पिन कोड 486886 का निवासी.हूँ। मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि दीपक कुमार शाह मेरा पुत्र है जिसका मैं पिता/सरंक्षक हूँ। मेरा उक्त पुत्र कक्षा 02 की परीक्षा नियमित छात्र के रूप में अमृत विद्या पीठ स्कूल विन्ध्यनगर जिला सिंगरौली से उत्तीर्ण कर मूल प्रति टी. सी. ट्रांसफर सर्टिफिकेट प्राप्त कर उक्त डी.ए.व्ही.स्कूल दुधीचुआं जिला सिंगरौली म.प्र. में प्रवेश लिया है जो वर्तमान समय मे कक्षा 08 वीं की छात्र है जो सही व सत्य है। मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि उक्त टी.सी.ट्रांसफर सर्टिफिकेट में मेरे उक्त पुत्र के नाम की स्पेलिंग अंग्रेजी अक्षरों में Deepak Shah लेख किया गया है जिससे डी.ए.व्ही स्कूल दुधीचुआ जिला सिंगरौली म.प्र. के रिकार्ड में Deepak Shah दर्ज होता आ रहा है जबकि मेरे उक्त पुत्र के नाम की सही व वास्तविक स्पेलिंग अंग्रेजी अक्षरों में Deepak Kumar Shah है मैं शपथ पूर्वक कथन करता हैं कि उक्त डी.ए.व्ही स्कूल दुधीचुआ जिला सिंगरौली म.प्र. के विद्यालयीन रिकार्ड में उक्त पुत्र के नाम की स्पेलिंग अंग्रेजी अक्षरों में Deepak Shah के स्थान पर Deepak Kumar Shah लेख कराए जाने बाबत मैंने शपथ पत्र निष्पादित कराया है।

भारतीय क्रिकेट में धैर्य और एकाग्रता की प्रतिमूर्ति रहे पुजारा

2013-14 से 2023 तक 100 से ज्यादा टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजी की धुरी चेतेश्वर का संन्यास

जेएनएन, नई दिल्ली

चेतेश्वर पुजारा ना तो विराट कोहली की तरह दिलकश कवर ड्राइव लगाते थे, ना ही रोहित शर्मा की तरह पुल शॉट लगाते थे, उनके पास रिषभ पंत की तरह सांसे रोक देने वाले गिरते हुए हुक शॉट खेलने की भी क्षमता नहीं थी, लेकिन टी-20 क्रिकेट के युग में उन्होंने अपनी बेहतरीन तकनीक, मजबूत मानसिकता और अदम्य धैर्य के साथ टेस्ट क्रिकेट के हर पैमाने पर खुद को साबित किया। पुजारा ने रविवार को तत्काल प्रभाव से भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया है। भारतीय टीम में सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण और सौरव गांगुली जैसे दिग्गजों के दौर के बाद कलात्मक बल्लेबाजों के बीच पुजारा 2013-14 से 2023 तक 100 से ज्यादा टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजी की धुरी बने रहे। भारतीय क्रिकेट में उनका योगदान छक्कों या स्ट्राइक रेट से नहीं, बल्कि क्रीज पर बिताया समय, धैर्य और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आक्रमणों का दिलेरी से सामना करने से मापा जाता है। उस दौर में भारतीय बल्लेबाजी की तुलना अगर किसी भव्य इमारत से करें तो कोहली उसके वास्तुकार थे, लेकिन इसकी नींव निश्चित रूप से पुजारा थे। धैर्य के साथ खेले जाने वाले टेस्ट क्रिकेट को पसंद करने वालों के लिए पुजारा उस दौर की याद दिलाते थे, जब टी-20 क्रिकेट का कोई अस्तित्व ही नहीं था। पुजारा के पिता अरविंद ने प्रथम श्रेणी के कुछ मैच खेले थे और सीमित संसाधनों के बावजूद चेतेश्वर के लिए, उनके सपने बड़े थे। टी-20 क्रिकेट की लोकप्रियता के बाद मौजूदा दौर के प्रशंसकों ने पुजारा की बल्लेबाजी को अप्रत्याशित रूप से अपरंपरागत करार दिया, लेकिन दाएं हाथ के इस बल्लेबाज के पिता ने बचपन में उनके दिमाग में यह बात बैठा दी थी, टेस्ट क्रिकेट ही असली क्रिकेट है। उनकी पत्नी पूजा ने अपनी किताब द डायरी ऑफ ए क्रिकेटर्स वाइफः एन अनयूजअल मेमॉयर में संक्षेप में कहा है, पुजारा कम बोलने वाले और भावनाओं का कम इजहार करने वाले व्यक्ति हैं। अगर एक मुस्कान से काम चल सकता है, तो वह बोलना पसंद नहीं करते। अगर एक वाक्य तीन शब्दों में खत्म हो सकता है, तो वह एक और शब्द जोड़ने की कोशिश नहीं करेंगे।

नंबर 3 पर भारतीय टीम के स्तंभ

लगभग 15 वर्षों तक, पुजारा नंबर तीन पर भारतीय टीम के स्तंभ थे, कई मौकों पर उन्होंने भारत को संकट से उबारा था। वह टीम के ऐसे भरोसेमंद योद्धा थे, जिसे आप युद्ध में जाते समय अपने साथ रखना चाहेंगे। जब कोहली ने कमान संभाली, तो पुजारा जानते थे कि उन्हें क्या करना है। गाबा में जब पंत ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की बखिया उधेड़ी तो दूसरी ओर पुजारा ना सिर्फ क्रीज पर डटे रहे बल्कि तेज गेंदों की 11 गेंदें अपने शरीर पर झेलीं। उनकी 211 गेंद में 56 रन की पारी ने उनके व्यक्तित्व को बखूबी दर्शाया। पुजारा उन कुछ खिलाड़ियों में से एक थे, जिन्होंने नियमित रूप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला, लेकिन ज्यादातर टेस्ट मैच खेले, जबकि दुनिया भर में टी-20 लीग और आईपीएल की बढ़ती लोकप्रियता के साथ सफेद गेंद वाले क्रिकेट ने महत्व हासिल करना शुरू कर दिया था। पुजारा ने अगस्त 2013 से जून 2014 तक पांच वनडे खेले। आईपीएल में उन्होंने तीन टीमों के लिए खेला-कोलकाता नाइटराइडर्स (2010), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (2011 से 2013) और किंग्स इलेवन पंजाब (2014)। वह 2021 में चेन्नई सुपरकिंग्स का भी हिस्सा थे, लेकिन उस साल उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। घरेलू सर्किट में, उन्होंने आखिरी बार दिसंबर 2023 में 50 ओवर का मैच और नवंबर 2022 में एक टी-20 मैच खेला था।

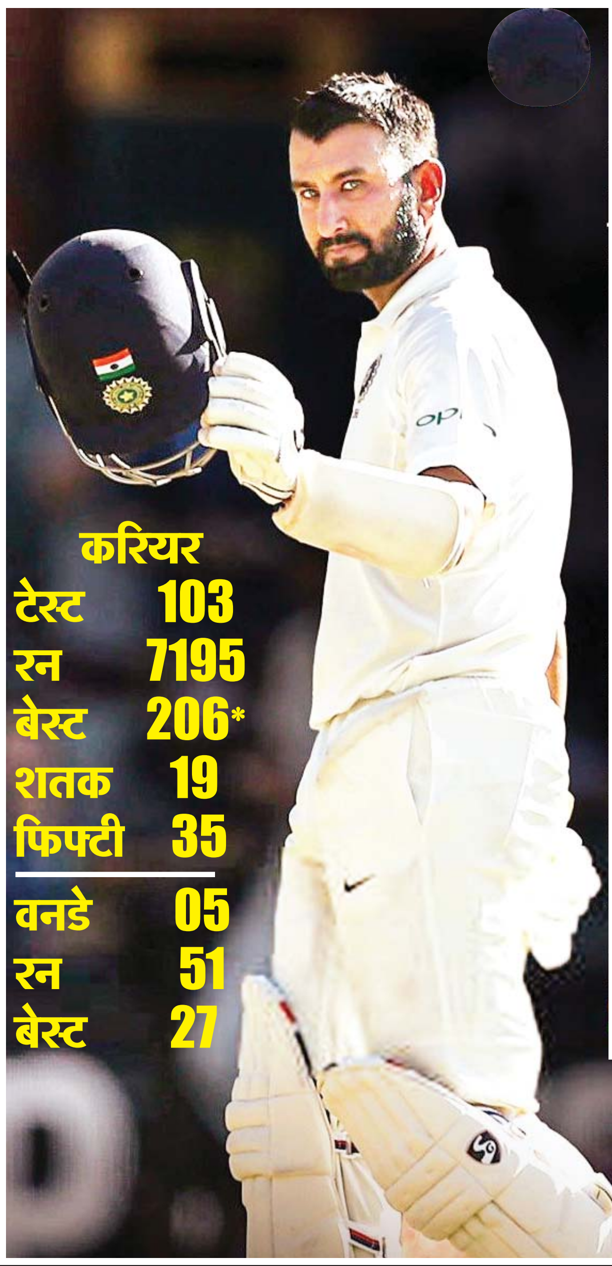

"राजकोट के छोटे से शहर से एक छोटे लड़के के रूप में मैंने अपने माता-पिता के साथ सितारों में शामिल होने का लक्ष्य बनाया और भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा बनने का सपना देखा। मुझे तब पता नहीं था कि यह खेल मुझे इतना कुछ देगा। इस खेल ने मुझे अमूल्य अवसर, अनुभव, उद्देश्य, प्यार और सबसे बढ़कर अपने राज्य और इस महान राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया। भारतीय जर्सी पहनना, राष्ट्रगान गाना और हर बार मैदान पर कदम रखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करना-इसका वास्तविक अर्थ शब्दों में बयां करना असंभव है। लेकिन जैसा कि सभी चीजों का अंत होता है और मैंने भी भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का निर्णय लिया है।

चेतेश्वर पुजारा

टेस्ट मैच में खेली कई यादगार पारियां

2010 : जॉनसन एंड कंपनी के छुड़ाए पसीने

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेंगलुरु में पुजारा का डेब्यू पारी सिर्फ तीन गेंद में ही समाप्त हो गई, लेकिन दूसरी पारी में भारत के 207 रनों के चेज में 22 वर्षीय पुजारा ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। नंबर तीन पर पुजारा को राहुल द्रविड़ से आगे भेजा गया, जिन्होंने कालांतर में द्रविड़ की जगह ली। पुजारा ने एक ट्रिकी चेज में 89 गेंदों पर 72 रनों की पारी खेली। पहली पारी में पुजारा को जॉनसन ने आउट किया था, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के आक्रमण का अच्छी तरह से सामना किया। पुजारा जब आउट हुए तब भारत लक्ष्य से 61 रन दूर था।

2013 : जोहैनेसबर्ग में दूसरी पारी में शतक

डेल स्टेन, मॉर्ने मॉर्कल और वेर्नन फिलेंडर जैसे गेंदबाजों वाले आक्रमण के सामने पुजारा जब बल्लेबाजी करने आए तब भारत 23 के स्कोर पर अपना पहला विकेट गंवा चुका था। पुजारा ने मुरली विजय के साथ 70 रनों की साझेदारी की और इसके बाद विराट कोहली के साथ मिलकर उन्होंने 222 रनों की साझेदारी की। पुजारा ने 270 गेंदों पर 21 चौकों की मदद से 153 रन बनाए और उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 458 रनों का लक्ष्य दिया। यह मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

2017: रांची की कभी ना भूलने वाली पारी

रांची में पुजारा के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी थी। स्टीव स्मिथ और ग्लेन मैक्सवेल के शतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 451 रन बना लिए थे। पुजारा द्वारा पारी संभालने से पहले केएल राहुल और विजय ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी। मध्य क्रम में विकेटों की झड़ी लगी, लेकिन पुजारा ने 525 गेंदों पर 202 रनों की पारी खेल भारत को संभाल लिया। भारत ने नौ विकेट के नुकसान के साथ 603 के स्कोर पर पारी घोषित की और यह मैच भी ड्रॉ पर समाप्त हुआ। यह अब तक किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा एक पारी में 500 से अधिक गेंद खेलने का इकलौता उदाहरण है।

2018: एडिलेड में धैर्य का परिचय दिया

पुजारा ने 2018 में एडिलेड टेस्ट के पहले दिन धैर्य का परिचय दिया, वह भी ऐसी स्थिति में जब भारत की बाकी बल्लेबाजी खास प्रदर्शन नहीं कर पाए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस टेस्ट में भारत ने पहले बल्लेबाजी की थी और 41 के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिए थे, अधिकतर बल्लेबाज अपनी गलती के कारण आउट हुए थे। हालांकि पुजारा ने खुद को संयमित रखा और अकेले दम पर भारत को 250 के स्कोर तक ले गए। पुजारा ने 246 गेंदों पर 123 रनों की पारी खेली, पुजारा के बाद भारतीय पारी में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर 37 रन बनाने वाले रोहित शर्मा का था। दूसरी पारी में पुजारा ने एक बार फिर बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 70 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को चौथी पारी में 323 रनों का लक्ष्य मिला। मेजबान सिर्फ 31 रन कम रह गए।

अडिग- सिडनी और ब्रिसबेन 2020-21

2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में पुजारा एक अलग ही लय में नजर आ रहे थे, ना सिर्फ रन बनाने के मामले में बल्कि जिस तरह से मैदान पर वह टीम के लिए खुद को झोंक रहे थे। जबरदस्त धैर्य और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने 2021 में सिडनी में भारत को टेस्ट बचाने में मदद करने के लिए अपने शरीर पर कई वार सहे। उन्होंने पहली पारी में 176 गेंदों पर 50 रन बनाए, लेकिन यह उनकी दूसरी पारी में 205 गेंदों पर 77 रन की पारी थी जिसने भारत को विश्वास दिलाया। हनुमा विहारी और आर अश्विन ने इसके बाद संघर्ष किया और तीसरा टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ। कुछ दिनों बाद, पुजारा फिर से ब्रिसबेन में थे। उन्होंने पहली पारी में 94 गेंदों पर 25 और दूसरी में 211 गेंदों पर 56 रन बनाए। भारत ने अंततः शानदार जीत हासिल कर चार मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

खेल एक नजर

गांगुली एसए20 टीम प्रिटोरिया कैपिटल्स के मुख्य कोच नियुक्त

सेंचुरियन, जेएनएन। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को 2026 सत्र से पहले एसए20 टीम प्रिटोरिया कैपिटल्स का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। यह किसी टीम का मुख्य कोच बनने का उनका पहला कार्यकाल होगा। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष गांगुली इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट की जगह लेंगे, जिनके पद छोड़ने की घोषणा शनिवार को की गई थी। सेंचुरियन स्थित फ्रेंचाइजी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, हमें सौरव गांगुली को अपना नया मुख्य कोच घोषित करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह पहली बार होगा जब गांगुली किसी क्रिकेट टीम के मुख्य कोच होंगे। 2018 और 2019 के बीच गांगुली आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के टीम निदेशक थे। बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने यह पद छोड़ दिया था। प्रिटोरिया कैपिटल्स का स्वामित्व जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के पास है, जो दिल्ली कैपिटल्स का सह-मालिक है। गांगुली को पिछले साल जेएसडब्ल्यू का क्रिकेट निदेशक नियुक्त किया गया था।

एशिया कप में अफगानिस्तान की कमान संभालेंगे राशिद खान

काबुल, जेएनएन। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्पिन गेंदबाजों में से एक राशिद खान को नौ सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए रविवार को अफगानिस्तान का कप्तान नियुक्त किया गया। अफगानिस्तान की टीम में स्पिन गेंदबाजों का दबदबा है। कप्तान के अलावा टीम में अन्य स्पिनरों में नूर अहमद, मुजीब उर रहमान, एएम गजनफर और अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी शामिल हैं। पिछले वर्ष अफगानिस्तान टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल तक पहुंचा था। जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलने वाली टीम से हजरतुल्लाह जजई और जुबैद अकबरी को एशिया कप की टीम में शामिल नहीं किया गया है। रहमानुल्लाह गुरबाज और मोहम्मद इशाक टीम में दो विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण में नवीन उल हक, फजलहक फारूकी और फरीद मलिक शामिल हैं। अफगानिस्तान को ग्रुप-बी में बांग्लादेश, हांगकांग और श्रीलंका के साथ रखा गया है।

टीम इस प्रकार है: राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, दरविश रसूली, सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजई, करीम जनत, मोहम्मद नबी, गुलबदीन, शराफद्दीन अशरफ, मोहम्मद इशाक, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान, एएम गजनफर, फरीद अहमद मलिक, फजलहक फारूकी, नवीन उल हक। रिजर्व खिलाड़ीः वफीउल्लाह तारखिल, नांगेयालिया खारोटे, अब्दुल्ला अहमदजई।

डी गुकेश का सामना फिरोजा और प्रज्ञानंदा का डूडा जान-क्रिज्सटॉफ से

सेंट लुई (अमेरिका), जेएनएन। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा से भिड़ेंगे, जबकि उनके हमवतन आर प्रज्ञाननंदा का सामना पोलैंड के डुडा जान-क्रिज्सटॉफ से होगा। प्रतियोगिता में विश्राम दिवस से पहले फैबियानो कारुआना दो जीत और तीन ड्रॉ के साथ 3.5 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। उनके बाद प्रज्ञाननंदा का नंबर आता है, जो उनसे आधा अंक पीछे हैं। प्रज्ञाननंदा ने पहले राउंड में गुकेश पर एकमात्र जीत के बाद लगातार चार ड्रॉ खेले। अर्मेनियाई से अमेरिकी बने लेवोन अरोनियन भी दूसरे स्थान पर हैं। उनके बाद पांच खिलाड़ियों अमेरिकी जोड़ी वेस्ली सो और सैमुअल सेवियन, फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव, फिरोजा और गुकेश का नंबर आता है। इन सभी के समान 2.5 अंक हैं। डूडा के दो अंक हैं और वह अंतिम स्थान पर मौजूद उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से एक अंक आगे हैं।

दक्षिण अफ्रीका तीसरा वनडे 276 रन से हारा, 2-1 से सीरीज अपने नाम की

ऑस्ट्रेलिया ने वनडे में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाकर दक्षिण अफ्रीका को दी सबसे बड़ी हार

जेएनएन, मैके (ऑस्ट्रेलिया)

ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष तीन बल्लेबाजों ने रविवार को तीसरे और अंतिम वनडे में तेज गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए तेज शतक जड़े, जिससे दक्षिण अफ्रीका को वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। ट्रेविस हेड (142), कप्तान मिशेल मार्श (100) के बाद कैमरन ग्रीन (नाबाद 118) के पहले वनडे शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट पर 431 रन से वनडे में अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। यही टीम घरेलू टीम सीरीज के पहले दो मैचों में लक्ष्य का पीछा करते हुए 200 रन का आंकड़ा पार करने में विफल रही थी। सीरीज का अपना पहला मैच खेल रहे ऑलराउंडर कूपर कोनोली ने 22 रन देकर पांच विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को झकझोर दिया, जिससे मेहमान टीम 24.5 ओवर में 155 रन पर ऑलआउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका के लिए डेवाल्ड ब्रेविस 49 रन बनाकर शीष स्कोरर रहे। कोनोली ने अपनी बाएं हाथ की स्पिन से निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया और ऑस्ट्रेलिया को 276 रन से जीत दिलाई। तेज गेंदबाज शॉन एबॉट ने 27 रन देकर दो विकेट और जेवियर बार्टलेट ने ने 45 रन देकर दो विकेट झटके। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ वनडे स्कोर चार विकेट पर 434 रन से बस कुछ ही दूर रह गया, जो उसने 2006 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाया था। उसके लिए दूसरी बार शीर्ष तीन बल्लेबाजों ने वनडे पारी में शतक जड़े। दक्षिण अफ्रीका ने केर्न्स और मैके में क्रमशः 84 रन और 98 रन की शानदार जीत से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार पांचवीं द्विपक्षीय वनडे सीरीज पहले ही जीत ली थी, जिसके बाद तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को इस मैच के लिए आराम दिया गया था।

ट्रेविस हेड 142 मिशेल मार्श 100 कैमरन ग्रीन नाबाद 118

- ऑस्ट्रेलिया के सभी शीर्ष तीन बल्लेबाजों ने शतक जड़ा, जो वनडे में सिर्फ दूसरी बार हुआ है। ऐसा पहली बार जोहैनेसबर्ग में 2015 में हुआ था, जब दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष तीनों बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक जड़ा था।
- दक्षिण अफ्रीका की वनडे में रनों के अंतर के लिहाज से सबसे बड़ी हार है। इससे पहले उन्हें वनडे में सबसे बड़ी हार 2023 में भारत के खिलाफ 243 रनों से मिली थी। यह वनडे में रनों के अंतर के लिहाज से ऑस्ट्रेलिया की दूसरी सबसे बड़ी जीत है, वनडे में सबसे बड़ी जीत उन्होंने नीदरलैंड्स के खिलाफ 2023 में 309 रनों से हासिल की थी।
- ऑस्ट्रेलिया की 276 रनों से जीत पूर्ण सदस्य देशों द्वारा वनडे में चौथी सबसे बड़ी जीत है। पहले दोनों स्थान पर भारत काबिज है, जबकि तीसरे स्थान पर न्यूजीलैंड है।
- 22 वर्ष और 2 दिन के कूपर कॉनली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पंजा निकाला। वह वनडे में ऑस्ट्रेलिया की ओर से पंजा निकालने वाले सबसे युवा गेंदबाज हैं। कॉनली द्वारा 22 रन देकर लिए गए पांच विकेट एक वनडे पारी में किसी भी ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा है। इससे पहले सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा ब्रेड हॉग के नाम था, जिन्होंने 2005 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 32 रन देकर पांच विकेट लिए थे।

ड्रीम 11 ने टीम इंडिया की स्पॉन्सरशिप छोड़ी, तीन साल का किया था अनुबंध

नई दिल्ली, जेएनएन। एशिया कप 2025 से पहले ड्रीम-11 ने भारतीय क्रिकेट टीम के लीड स्पॉन्सर से हटने का फैसला किया है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 9 सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप में भारतीय टीम की जर्सी पर ड्रीम 11 की ब्रांडिंग नजर आना मुश्किल है। यह फैसला ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 के पास होने के बाद लिया गया है। बिल में ड्रीम 11 जैसे रियल-मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म्स को बैन किया गया है। ड्रीम 11 ने 2023 में बीसीसीआई के साथ 358 करोड़ रुपए में तीन साल का स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था, जो 2026 तक का है। इस डील के तहत बीसीसीआई को हर घरेलू मैच के लिए 3 करोड़ और विदेशों में खेले गए हर मैच के लिए 1 करोड़ रुपए मिलते थे। कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने के बाद बीसीसीआई अब नए स्पॉन्सर के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर रहा है। बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने कहा कि बीसीसीआई केंद्र सरकार की हर पॉलिसी का पालन करती है। अगर स्पॉन्सरशिप जारी रखना अनुमति नियमों के खिलाफ है, तो बोर्ड कोई कदम नहीं उठाएगा।

अनौपचारिक टेस्टः भारत-ए महिला टीम ऑस्ट्रेलिया से छह विकेट से हारी

ब्रिस्बेन, जेएनएन। ऑस्ट्रेलिया-ए ने एकमात्र अनौपचारिक महिला टेस्ट के अंतिम दिन भारत-ए को छह विकेट से हरा दिया। ऑफ स्पिनर एमी एडगर ने 57 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्होंने दिन के दूसरे ओवर में वीजे जोशीथा का विकेट लेकर अपना पांचवां विकेट हासिल किया, जिससे भारत-ए की दूसरी पारी 286 रन पर सिमट गई और मेजबान टीम को 281 रन का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया ने अनिका लियरॉयड (72), रेचल ट्रेनामन (64) और मैडी ड्रेक (68) के अर्धशतकों की बदौलत 85.3 ओवर में चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज ट्रेनामन और कप्तान ताहलिया विल्सन (46) ने मेजबान टीम को शानदार शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 117 रन की साझेदारी कर भारतीय आक्रमण पर दबाव बना दिया। तेज गेंदबाज साइमा ठाकोर (63 रन पर दो विकेट) ने लगातार दो ओवरों में दो विकेट झटके। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 299 रन बनाए थे, जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 305 रन बनाकर मामूली बढ़त हासिल की थी।

सैफ अंडर-17 महिला चैंपियनशिपः भारत की लगातार तीसरी जीत, भूटान को 8-0 से रौंदा

थिम्पू, जेएनएन। अनुष्का कुमारी की हैट्रिक की बदौलत भारत ने रविवार को सैफ अंडर-17 महिला चैंपियनशिप में मेजबान भूटान को 8-0 से हराकर लगातार तीसरी जीत हासिल की। अनुष्का (53वें, 61वें, 73वें) के शानदार प्रदर्शन के अलावा अभिस्ता बसनेट (23वें, 89वें) ने दो गोल किए, जबकि पर्ल फर्नांडीस (71वें), दिव्यानी लिंडा (77वें) और वलैना जादा फर्नांडीस (90+2वें) ने गोल किए। भारतीय टीम मध्यांतर तक 1-0 से आगे थी, लेकिन भारत ने दूसरे हाफ में दबदबा कायम करते हुए एकतरफा जीत दर्ज की। भारत ने टूर्नामेंट में अब तक 17 गोल किए हैं, जबकि उसके खिलाफ कोई भी गोल नहीं हुआ है। टीम ने इस जीत के साथ ही अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। भारत के नाम अब तीन मैचों में नौ अंक हैं, जो बांग्लादेश और नेपाल से काफी आगे हैं। इन दोनों टीमों के तीन-तीन अंक है। भूटान का अभी खाता नहीं खुला है।

एशियाई चैंपियनशिप में मप्र के ऐश्वर्य ने जीता स्वर्ण

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश राज्य निशानेबाजी अकादमी के खिलाड़ी ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 16वीं एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण और रजत पदक अपनी झोली में डाला। ओलंपियन ऐश्वर्य ने रविवार को पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 462.5 का स्कोर करके शीर्ष स्थान हासिल किया। चीन के वेनयू झाओ ने 462 अंक के साथ रजत पदक जीता, जबकि जापान के नाओया ओकाडा ने

445.8 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। 24 साल के ऐश्वर्य, चैन सिंह और श्योराण की भारतीय तिकड़ी ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था। ऐश्वर्य क्वालिफिकेशन में कुल 584 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थे। मप्र के इस निशानेबाज का यह इसी स्पर्धा में दूसरा एशियाई खिताब था। उन्होंने 2023 में भी स्वर्ण पदक जीता था। जकार्ता में 2024 सत्र में हालांकि उन्हें श्योराण से हारने के बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा था।

ईपीएल : आर्सेनल की लीड्स पर बड़ी जीत

लंदन, जेएनएन। विक्टर ग्योकेरेस ने आर्सेनल के लिए अपना पहला गोल दागा, जिससे उनकी टीम ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के मैच में लीड्स को 5-0 से हराया। जुरियन टिम्बर ने 34वें मिनट में आर्सेनल के लिए कॉर्नर से गोल किया, जिसके बाद बुकायो साका ने हाफटाइम के पहले गोल करके घरेलू टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। ग्योकेरेस ने शुरुआती दौर में एक आसान मौका गंवाने के बाद वापसी करते हुए दूसरे हाफ के तीन मिनट बाद अपने घरेलू मैदान पर गोल किया। टिम्बर ने इसके बाद अपना दूसरा गोल किया। मैक्स डाउमैन ने बेंच से उतरते हुए दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन किया। वह 15 साल और 235 दिन की उम्र में

एथन नवानेरी के बाद आर्सेनल के लिए खेलने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। इस किशोर खिलाड़ी ने स्टॉपेज टाइम में अपनी टीम के लिए पेनल्टी हासिल की, जिसे ग्योकेरेस ने गोल में बदला। इस बीच टॉटेनहैम ने नए कोच थॉमस फ्रैंक के नेतृत्व में प्रीमियर लीग सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उसने ब्रेनन जॉनसन और जोआओ पल्हिन्हा के गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी पर 2-0 की प्रभावशाली जीत हासिल की। डांगो औटारा ने अपने पहले मैच में गोल करके ब्रेंटफोर्ड को एस्टन विला पर 1-0 से जीत दिलाई, जबकि बोर्नमाउथ ने वॉल्वरहैम्प्टन पर 1-0 की जीत के साथ अंक तालिका में अपना खाता खोला।

स्पेनिश लीग ला लिगा : बार्सिलोना का विजय अभियान जारी, लेवांटे को 3-2 से दी शिकस्त

बार्सिलोना, जेएनएन। बार्सिलोना ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में मेजबान टीम लेवांटे पर 3-2 से जीत दर्ज करके अपना विजय अभियान जारी रखा। शीर्ष लीग में जगह बनाने वाले लेवांटे ने मध्यांतर तक दो गोल की बढ़त हासिल करके सबको चौंका दिया था। गत विजेता बार्सिलोना को दूसरे हाफ में पेड्री गोंजालेज और फेरान टोरेस ने बराबरी दिलाई। इसके बाद लेमिन यामल ने विजयी गोल करने में मदद की जब उनके क्रॉस पर लेवांटे के उनाई एल्गेजाबल ने गेंद को अपने ही नेट में पहुंचा दिया। यह आत्मघाती गोल आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे पहले लेवांटे के स्ट्राइकर इवान रोमेरो ने 15वें मिनट में मैच का पहला गोल दागा। जोस लुइस मोरालेस ने पहले

हाफ के इंजरी टाइम में पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया। इस बीच एटलेटिको मैड्रिड लगातार दूसरे मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया। उसने एल्चे के साथ 1-1 से ड्रॉ खेलकर अपनी बढ़त गंवा दी। एक अन्य मैच में मालोर्का ने सेल्टा विगो के साथ 1-1 से ड्रॉ खेल कर अंक बांटे।

गस्त के दौरान पुलिस ने तामील किये 48 वारंट

अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण हेतु मैहर पुलिस का नाईट कॉम्बिंग ऑपरेशन

जागरण, सतना

काम्बिंग गस्त के दौरान मैहर पुलिस ने गिरफ्तारी और स्थायी वारंट सहित 48 वारंट तामील किये है। यह कार्यवाही एसपी सुधीर अग्रवाल के निर्देश पर 23 अगस्त की रात मैहर जिले के सभी थाना प्रभारियों द्वारा किये जाने के लिए निर्देशित किया गया था जिसके चलते नाइट कॉम्बिंग आपरेशन चलाया गया। उक्त निर्देशों के पालन में समस्त राजपत्रित अधिकारियों थाना चौकी प्रभारियों द्वारा अधिक से अधिक पुलिस बल के साथ धरपकड़ करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे 48 वारंट तामील कराए गए। जिनमे 13 स्थाई 33 गिरफ्तारी एवम 02 फरारी वारंट शामिल हैं।

मारपीट, विद्युत अधिनियम के तहत तामील हुये वारंट

कांबिंग गस्त के दौरान मारपीट के 16 विद्युत अधिनियम के 02, धारा 138 के 10, दहेज हत्या का 01 एवम 19 अन्य धाराओं के वारंट तामील कराए गए। वर्ष 2019 का दहेज हत्या के मामले में फरार वारंटी मोहित सिंह निवासी डिठौरा थाना ताला को गिरफ्तार किया गया।

छेड़छाड़ का आरोपी भी गिरफ्तार

कांबिंग गस्त के दौरान थाना कोतवाली पुलिस के द्वारा नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ के आरोपी सुशील साहू पिता हरिलाल साहू उम्र 19 वर्ष निवासी बेरमा को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही आदतन अपराधी शिवम चौधरी उर्फ जोजो निवासी स्टेशन रोड जिसके विरुद्ध थाना कोतवाली में शराब पीने के लिए पैसे मांगने का अपराध पंजीबद्ध है को गिरफ्तार किया गया। गस्त के दौरान 28 निगरानी बदमाश, 41 गुंडा बदमाश एव जेल से रिहा 18 अपराधियों को चैक किया गया एवं उन्हे भविष्य में अपराध एव आपराधिक गतिविधियों से दूर रहने की हिदायत दी गई। होटलढ्ढाबा एवम सार्वजानिक स्थानों की चैकिंग की गई। चैकिंग के दौरान रात्रि में बेवजह घूमने वाले लोगोंध् संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई व उन्हे बिना काम के रात्रि में अनावश्यक न घूमने की समझाइश दी गई।

जिले में फल फूल रहा अवैध कोचिंग सेंटरों का व्यापार

मूक दर्शक बना शिक्षा विभाग

बारात घरों में दी जा रही शिक्षा

जागरण, सतना। आधुनिक शिक्षा और प्रतिस्पर्धा के समय में हर छात्र.छात्रा यही चाहता है कि मुझे मनचाही मंजिल मिल जाए इसके लिए वह हर संभव प्रयास भी करता है अभिभावक भी यही चाहते हैं कि बेटा बेटी को किसी सुविधा का अभाव भी ना रहे इसी का फायदा उठा रहे कोचिंग सेंटर मनमानी फीस वसूल कर शिक्षा को व्यापार और भ्रष्टाचार की श्रेणी में ला दिया है। जागरण के इस अभियान में हम पहले जिले में पनप रहे कोचिंग सेंटरों की बात करते हैं जानकारी जुटा गई तो होश उड़ने वाली जानकारी सामने आई यहां पर बता दें कि जिला मुख्यालय से लेकर कस्बाई इलाकों में अनगिनत कोचिंग सेंटर संचालित हैं आपको हर गली मोहल्ले में एक कमरे में शिक्षा की दुकान खुली मिल जाएगी हैरानी की बात यह है कि जिम्मेदार विभाग को स्वयं जानकारी नहीं है कि कितने रजिस्टर्ड कोचिंग सेंटर चल रहे हैं और कितनी अवैध ।

क्या कहती है कोचिंग सेंटरों की गाइडलाइन : जुटाई गई जानकारी के अनुसार केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा गाइडलाइन का रेगुलेशन कोचिंग सेंटर 2024 के तहत एडवाइजरी जारी की गई है कि जिसमें सबसे पहले कोचिंग सेंटर का रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन करना अनिवार्य है रजिस्ट्रेशन का आवेदन होने पर शिक्षा विभाग द्वारा आवेदित कोचिंग सेंटर की गाइडलाइन के मुताबिक निरीक्षण किया जाएगा सबसे पहले छात्रों की नियत संख्या पर काम से कम एक वर्ग मीटर की जगह छात्र को होनी चाहिए दूसरा मूलभूत सुविधाएं जैसे सीसीटीवी कैमरा पीने का पानी टॉयलेट हवा समेत प्राथमिक चिकित्सा किट के अलावा अन्य सुविधाएं होना अनिवार्य है । हैरानी की बात यह है कि इस मापदंड में ज्यादातर कोचिंग सेंटर फेल साबित होंगे।

इन शर्तों पर होगी मान्यता रद्द

गाइडलाइन के मुताबिक छात्र.छात्रा की उम्र 16 वर्ष से काम नहीं होनी चाहिए अगर कोई छात्र.छात्राओं ने कोचिंग की सत्र पूरी फीस जमा कर देता है और बीच में कोचिंग सेंटर छोड़ देता है तो सेंटर वाले को उसकी शेष फीस रशीद के साथ वापस करनी होगी ट्रस्ट परीक्षण के परिणाम सार्वजनिक नहीं किए जाएंगे कोचिंग क्लास का समय दोनों पारियों में कुल 5 घंटे का रहेगा छात्रों का समय समय पर हेल्थ परीक्षण करना अनिवार्य होगा इन सभी शर्तों की जानकारी वेबसाइट में देनी होगी शर्तों का उल्लंघन करने पर कोचिंग सेंटर की मान्यता रद्द होने के साथ एक लाख तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है।

तो कैसे चल रहे हैं कोचिंग सेंटर

दरअसल नियम कानून इसीलिए तोड़े जाते हैं कि जब कोई निगरानी नहीं होती शिक्षा विभाग को डाटा बताते हुए कोचिंग संचालकों ने यह साबित कर दिया है कि शिक्षा की दुकानदारी चलते रहे कुछ नहीं होने वाला है हालांकि जब कोई दुर्घटना हो जाती है तो थोड़ी सी प्रशासनिक चहल.पहल होती है और फिर उसे ठंडे बस्ती में डाल दिया जाता है जबकि जिस तरह से निजी स्कूलों पर शिकंजा कसा गया है इस दायरे में कोचिंग सेंटर भी आते हैं क्योंकि यहां पर भी मोटी रकम ली जाती है प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए इस खबर को प्रकाशित किया जा रहा है।

शा. और अनुदान प्राप्त शालाओं में शाला प्रबंधन समितियों का गठन 29 को

जागरण, सतना। शासकीय एवं अनुदान प्राप्त प्राथमिक, माध्यमिक एवं कक्षा 1 से 8 तक संचालित संयुक्त माध्यमिक शालाओं में शाला प्रबंधन समितियों का गठन 29 अगस्त को किया जायेगा। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र ने सभी जिलों के कलेक्टर्स को एसएमसी गठन के लिये समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिये विस्तृत निर्देश पत्र जारी किया है। उल्लेखनीय है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सभी शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों के बेहतर प्रबंधन एवं शैक्षणिक गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए शाला प्रबंधन समितियों का गठन दो वर्षीय कार्यकाल के लिये किया जाता है। समितियां बच्चों के शाला नामांकन, नियमित उपस्थिति, गुणवत्तायुक्त शिक्षा और अधोसंरचना कार्यो के साथ बच्चों के बहुआयामी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

शाला प्रबंधन समितियों में शाला में अध्ययनरत बच्चों के 14 पालक, शाला के प्रधान शिक्षक, वरिष्ठतम महिला शिक्षिका तथा स्थानीय वार्ड के पंच/पार्षद तथा स्थानीय निकाय के सरपंच/अध्यक्ष/महापौर द्वारा नामित अन्य वार्ड की एक महिला पंच/पार्षद के रुप में निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी शामिल रहते हैं। इन समितियों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चयन विद्यार्थियों के अभिभावकों में से किया जाता है। वहीं शाला के प्रधान शिक्षक समिति के सदस्य, सचिव होते हैं। शासन द्वारा शाला के स्थानीय प्रबंधन के अधिकार भी इन समितियों को सौंपे गए हैं। प्रदेश के लगभग 83 हज़ार प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों में आगामी 29 अगस्त 2025 को गठित होने वाली इन समितियों का कार्यकाल आगामी 2 शैक्षणिक सत्रों के लिए निर्धारित होगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय एवं अनुदान प्राप्त स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के पालकों एवं अभिभावकों से 29 अगस्त-2025 को स्कूल पहुंचकर शाला प्रबंधन समिति से जुड़ने और शालाओं के विकास कार्यों में सहभागी बनने का आग्रह किया गया है।

नाबालिग को गुजरात से बरामद कर किया परिजनों के सुपुर्द

जागरण, सतना। एक नाबालिग लड़की को पुलिस ने गुजरात से ढूढ निकाला और उसे परिजनो के सुपुर्द किया है। यह कार्यवाही एसपी सुधीर अग्रवाल के निर्देश पर बदेरा टीआई अभिषेक सिंह परिहार द्वारा की गई है।

ये है घटना : 29 मार्च को फरियादी द्वारा अपनी 17 वर्ष 08 माह की लड़की के घर से बिना बताये कही चले जाने पर थाना बदेरा में रिपोर्ट दर्ज करायी थी। अज्ञात व्यक्ति द्वारा नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर ले जाने की आशंका पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 65/25 धारा 137(2) बीएनएस कायम कर विवेचना मे लिया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक सिंह परिहार के नेतृत्व में बालिका की तलाश हेतु टीम गठित की गई जो लगातार नाबालिग की तलाश करती रही। जिसमें 23 अगस्त को पुलिस को सफलता मिली। नाबालिग के गुजरात में होने की सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल रवाना हुई एवम बालिका को खोजकर परिजनों को सुपुर्द किया।

भारतीय खान ब्यूरो के मुख्य खान नियंत्रक पंकज कुलश्रेष्ठ का एकेएस में हुआ स्वागत

जागरण, सतना। भारतीय खान ब्यूरो के मुख्य खान नियंत्रक पंकज कुलश्रेष्ठ सतना सीमेंट प्रवास के दौरान रविवार को एकेएस विश्वविद्यालय पहुँचे। विश्वविद्यालय की प्रो.चांसलर इंजीनियर अनंत सोनी ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर जबलपुर से भारतीय खान ब्यूरो के रीजनल कंट्रोलर ऑफ माइंस सलील कुजूर सतना सीमेंट के वाइस प्रेसिडेंट माइंस राजेश चौबे तथा प्रिज्म जॉनसन के माइंस हेड सीएस पंडित भी उनके साथ उपस्थित रहे। कुलश्रेष्ठ ने विश्वविद्यालय के माइनिंग तथा सीमेंट टेक्नोलॉजी विभाग की फैकल्टी सदस्यों से संवाद किया। उन्होंने विभाग में संचालित सभी प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया तथा विशेष रूप से सीमेंट टेक्नोलॉजी की एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला की सराहना की।

चाकू से जानलेवा हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बदेरा पुलिस ने कार्यवाही कर पकड़ा

जागरण, सतना। चाकू से जानलेवा हमला करने वाले एक आरोपी को बदेरा पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। यह कार्यवाही एसपी सुधीर अग्रवाल के निर्देश पर बदेरा थाना प्रभारी अभिषेक सिंह परिहार द्वारा की गई है। बताया जाता है कि आरोपी को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेजा गया है।

ये है मामला

ओम प्रकाश तिवारी ने पुलिस को सूचना दिया कि मेरा लडका सत्य प्रकाश तिवारी जो ग्राम लटा गाव में जन्म दिन मनाने गया था उस पर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चाकू से हमला कर दिया गया है। सत्य प्रकाश तिवारी संजय गांधी मेडिकल कॉलेज रीवा में भर्ती है। घायल ने पूछताछ पर बताया कि वह 21 अगस्त को आरोपी संजय वर्मा उर्फ पायल वर्मा निवासी ग्राम लटा गाव के भतीजे के जन्म दिन कार्यक्रम में गया थाए संजय वर्मा के साथ बाद विवाद होने पर संजय वर्मा ने चाकू से वार कर दिया ।आरोपी संजय वर्मा के विरुद्ध धारा 109 बीएनएस का अपराध घटित करना पाये जाने से अपराध क्रमांक 221/25 धारा 109 बीएनएस कायम कर विवेचना मे लिया गया । विवेचना दौरान फरार आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। पुलिस ने आरोपी संजय वर्मा उर्फ पायल पिता ईश्वरदीन वर्मा उम्र 24 वर्ष निवासी आमातारा थाना बदेरा जिला मैहर को गिरफ्तार किया है।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखुनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) 9399312433 9981287311

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
समय- प्रतिदिन सुबह 10 से 2 एवं शाम 4 से 7 बजे तक रविवार अवकाश
डॉ. कोम्पल अग्रवाल MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
अत्याधुनिक Laser द्वारा Hair Removal, Tatto Removal एवं Facial की सुविधा उपलब्ध
परामर्श:- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद्र दाग, चेहरे की कील, मुहांसे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
विशेष:- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गढ्ढे, दाग, झुर्रियाँ Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/- सौन्दर्य क्लीनिक शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्पलेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

प्रवेश प्रारंभ 2025-26 SARDAR PATEL EDUCATION GROUP REWA • MP • INDIA
सी.एस.यू. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी रीवा (म.प्र.)
AICTE नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV भोपाल से संबद्ध
POLYTECHNIC Duration : 3 Years Eligibility : 10th
ME | CE | CSE | EEE | MINING
Cement Technology Engg. Mining & Mine Surveying Engg. (MMS)
छात्रवृत्ति SC/ST/OBC
महाविद्यालय में निःशुल्क पंजीयन की सुविधा
संस्था स्तर की कांउसलिंग (CLC)
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं संस्था में प्रवेश 19.08.2025 से 15.09.2025
सी.एस.यू. कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी रीवा (म.प्र.)
PCI नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV भोपाल से संबद्ध
D. PHARMACY Duration : 2 Years | Eligibility : 12th (PCB/ PCM)
B. PHARMACY Duration : 2 Years | Eligibility : 12th (PCB/ PCM)
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 05.08.2025 से 04.09.2025 | संस्था का चयन 20.08.2025 से 08.09.2025 | संस्था में प्रवेश 13.09.2025 से 18.09.2025
लेटरल एंट्री के माध्यम से B. PHARMACY द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश Duration : 3 Years | Eligibility : D.Pharmacy
सुविधाएँ : • अत्याधुनिक लैब एवं लाइब्रेरी। • प्ले ग्राउण्ड एवं ए.सी. ऑडिटोरियम। • महाविद्यालय के विद्यार्थियों को औद्योगिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण • Wi-Fi कैम्पस। • 15 एकड़ का भव्य ग्रीन कैम्पस।
कैम्पस : सिरमौर रोड, ग्राम-पल्हान (उमरी चौक), बैकुण्ठपुर, रीवा (म.प्र.) +91 70493 99901, 70493 99902
सिटी ऑफिस : ज्योति स्कूल के सामने, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा 7049399904

श्री रामकृष्ण कॉलेज ऑफ फार्मेसी
पीसीआई/9649 द्वारा अनुमोदित, आरजीपीवी भोपाल द्वारा संबद्ध
डी.फार्मा DTE Counselling Code: 608
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-
पता- ग्राम देवरा, गुरुकुल स्कूल के पास, चोरहटा, रीवा (म.प्र.)
मो.: 9584324641,6262084843,7470944611

India's No.1 Windows & Doors Brand
Fenesta Better by Design India's No.1 Windows & Doors Brand
RANGE OF SOLUTIONS
UPVC | Aluminium | Doors | Façades
Ashok Enterprises
Flat no. 01, Ward no. 9, Beside Mango Tree Hotel, Annantpur, Rewa, Madhya Pradesh- 486001 Ph: 8860866444

डॉ. निशा डायलिसिस सेंटर
पता- अग्रवाल नर्सिंग होम, खुटेही, रीवा
24/7 Our Services Dialysis (डायलिसिस)
रजिस्ट्रेशन के लिए संपर्क करें 9174566996 7771009417
नवीनतम मशीन द्वारा हीमो डायलेसिस
Hepatitis C (HCV) मरीजों के लिए अलग से समर्पित मशीन
अन्य सुविधाएं:
• 24x7 मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. ईशान गोयल
• 24x7 स्त्री रोग विशेषज्ञ
• वेंटिलेटर एवं Bipap
• 24x7 मेडिकल स्टोर

81वीं वर्षगांठ | भावपूर्ण श्रद्धांजलि
आदरणीय श्री चंदनलाल डावरिया जी
जन्मतिथि: 25.08.1944 देहावसान: 24.11.2017
आज आपकी 81वीं वर्षगांठ पर आपको हृदय की गहराईयों से सादर नमन करते हैं, आपके आदर्श हमारे जीवन में हमें सही और गलत का मार्गदर्शन देते रहते हैं।
फर्म:- डावरिया वेटरनरी, डावरिया मेडिकल एण्ड जनरल ट्रेडर्स
श्रद्धानवतः श्रीमती पुष्पा डावरिया (पत्नी), विवेक प्रिया, हेमंत नेहा, डॉ. स्वपनिल, राहुल, सिमरन, वरुण, नारायणदास, एवं समस्त डावरिया परिवार रीवा/सतना रिश्तेदार एवं मित्र मंडली

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज | सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ
• IUI, IVF, ICSI • फ्रोजन एंब्रिया ट्रांसफर साइकिल (FET) • एग फ्रीजिंग • एंब्रियो फ्रीजिंग • स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा स्त्री एवं प्रसूति रोग
निःसंतानता रोग एवं टेस्टट्यूब बेबी विशेषज्ञ MBBS, MD (ऑब्स & गायनी) फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता**। आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com